



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-section (i)
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

प्राचीनकार तं प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 180]

नई विलासी, मंगलवार, अप्रैल 21, 1992/वैशाख 1, 1914

No. 180]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 21, 1992/VAISAKHA 1, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह बलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्रन पत्र)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1992

सा.फा.नि. 429(अ) :—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्याय अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उन्धारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपवारा (1) द्वारा प्रवृत्त गतियों का प्रयोग करते हुए विशाखापट्टणम न्यासी मंडल द्वारा बनाये गये और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में विशाखापट्टणम पत्तन न्यासी कर्मचारी (छट्टी) विनियम, 1992 का प्रत्योदाता करती है।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होने।

[फा. सं.पी.ग्रार.-12015/13/91-पी.ई.-1]

अधिकारी जोशी, संयुक्त सचिव

विशाखापट्टणम पोर्ट ट्रस्ट

अधिसूचना

महापत्तन न्याय अधिनियम, 1963 (अधिनियम 1963 का 38) की धारा 28 के प्रत्यन्त प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त अधिनियम की धारा 124 के अंतीम केन्द्रीय सरकार के प्रत्योदाता की शर्त पर विशाखापट्टणम पोर्ट ट्रस्ट के न्यासी मंडल ने, भारत राजपत्र में जी.ए.ग्रा. 327 और 325 के रूप में प्रकाशित वि.पो.क. (छट्टी) विनियम, 1964 और वि.पो.क. (प्रध्यवन प्रजित छट्टी) विनियम, 1964 के अधिकारण में निम्नलिखित विनियम बनाती है;

मध्याय—I : प्रारंभिक

1. लघु शीर्ष और प्रारंभ:

(क) इन विनियमों को विशाखापट्टणम पोर्ट ट्रस्ट (छट्टी) विनियम, 1992 कहा जाएगा।

(ख) यह केन्द्र सरकार से प्रत्योदाता के बाद भारत राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होगा।

2. आवेदन पत्र की सीमा:

इन विनियमों से अन्यथा उपबन्धित के अतिरिक्त मंडल सेवा के सभी कर्मचारियों के लिये ये विनियम लागू होंगे परन्तु निम्नलिखित पर लागू नहीं:—

- (क) नीमितिक या दैनिक दर के व्यक्ति वा अन्यनियमित कर्मचारी
- (ख) तटीय और अवधारणा संभालाई व्यक्ति।
- (ग) ठेके पर नियोजित व्यक्तियों के लिये जब कभी ठेके में अन्य प्रकार के उपबन्ध होते पर, और
- (घ) सीमित व्यवधि के लिये केन्द्र या राज्य सरकार या कोई अन्य स्रोत से मंडल के अन्तर्गत प्रतिनियुक्ति पर सेवा करने वाले व्यक्तियों पर।

3. (1) परिभाषा :

इन विनियमों में जब तक प्रसंग से अन्यथा अनेकित न हो।

(क) "मंडल", "व्यवधि", "उत्तराधिकार" एवं "विभागाधिकार" का वही अर्थ होगा जो उनके लिये महापत्तन व्यास अधिनियम 1963 में नियत किया गया है।

(ख) "छुट्टी स्वीकृति के लिये प्राधिकारी संथम है" का अर्थ, महापत्तन व्यास अधिनियम, 1963 के अन्तर्गत प्रत्यावेजित प्राधिकारों के अधीन प्राधिकार की छुट्टी मंजूर करने का प्राधिकार दिया गया है।

(ग) "वर्ष का सेवा काल पूरा करना" और "एक वर्ष का अनुवर्ती सेवा" माने मंडल के अधीन निर्दिष्ट व्यवधि के लिये लगातार सेवा है कार्य करने की अवधि और साथ में असाधारण छुट्टी सहित छुट्टी व्यवधि भी इसमें शामिल है।

(घ) "परिवर्तित छुट्टी" का अर्थ विनियम-27 के अन्तर्गत ली गयी छुट्टी। "आकस्मिक छुट्टी" और "विशेष आकस्मिक छुट्टी" का अर्थ क्रमशः विनियम 60 और 61 के अन्तर्गत ली गयी छुट्टी।

(च) एक कर्मचारी के संबंध में "सेवा निवृत्ति तारीख" अर्थात् "उसकी सेवा निवृत्ति तारीख" का अर्थ उसकी सेवा पर नियंत्रण थोथ्य भार्ती के अन्तर्गत नियांत्रित आयु पर पहुंचने की महीने का अंतिम तारीख के अपराह्न तारीख।

(छ) अर्जित छुट्टी का अर्थ विनियम 24 के अन्तर्गत ली गयी छुट्टी।

(ज) "अर्जित छुट्टी देय" का मतलब छुट्टी विनियमों के अन्तर्गत लागू तारीख से पहले शरू होने वाले किसी कर्मचारी की जमा छुट्टी का रकम और साथ ही विनियम-24 के अन्तर्गत लिये गये अर्जित छुट्टी की रकम से घटाकर या इन विनियमों की शुल्काता के बाद जिनी गयी अर्जित छुट्टी की रकम है।

(झ) "असाधारण छुट्टी" माने विनियम 29 के अन्तर्गत ली गयी छुट्टी है।

(ञ) "कर्मचारी" का अर्थ मंडल के कर्मचारी।

(ट) "स्थायी रोजगार का कर्मचारी" का अर्थ वह कर्मचारी है जो मौलिक रूप से एक स्थायी पद पर अथवा जो स्थायी पद पर होने वाला लियन पर जाते पर, लियन विनियम नहीं हिता जाएगा।

(ठ) "फार्म" का अर्थ इन विनियमों के अनुसूची से संबंधित फार्म।

(ड) "अर्थ वेतन छुट्टी" का अर्थ सेवा काल में समाप्त किये गये वार्षिक के लिये अर्जित की गयी छुट्टी।

(ढ) "अर्थ वेतन छुट्टी देय" का अर्थ प्राइवेट मामलों और विकल्प समय पत्र जो इन विनियमों के प्रारंभ होने से पहले लिये गये थे, उस तारीख को या तारीख के बाद ली गयी अर्थ वेतन छुट्टी पर

पूर पर सेवा कर्मचारी अर्थ वेतन छुट्टी के रूप में वेतन दिलाया 26 के अन्तर्गत गिता या अर्थ वेतन छुट्टी की रकम है।

(ण) "विदेशी सेवा" का अर्थ वह सेवा है जिसमें कर्मचारी पोर्ट नियमों से भिन्न किसी भी साथन से अपना वेतन, मंडल की मंजूरी से प्राप्त करता है।

(२) यहां पर प्रयुक्त शब्द और अभिव्यक्तियों मल लियम और पुरक नियमों में परिभाषित के अनुसार क्रमाः वही अर्थ होगा जो इन अधिक अधिनियमों और नियमों में नियत किये गये हैं।

स्पष्टीकरण :—

किसी कर्मचारी के निलंबन व्यवधि को जिसे छुट्टी दिवस के रूप में माना जाये तो वह इन विनियमों का प्रयोग के लिये सेवा में नहीं माना जायेगा।

(१) अस्थायी से स्थानान्तरण या विदेश सेवा/अन्य सेवा के कर्मचारी।

(१) जिन कर्मचारियों पर ये विनियम लागू हैं, वे केन्द्र या राज्य सरकार या भारत के अंदर किसी भी संगठन में प्रतिनियुक्ति पर जाने पर भी यही विनियम के अनुसार शासन जारी रहेगा।

(२) भारत से बाहर विदेश सेवा में या प्रतिनियुक्ति पर रहने वाले कर्मचारियों के मामले में ये विनियम, विदेश सेवा या प्रतिनियुक्ति के लिए व्यवस्थित शर्तों की सीमा तक ही उस कर्मचारी पर लागू होगा।

५. सेवा या पदों के स्थानान्तरण के संदर्भ में अन्य शासित छुट्टी नियम

जब तक इन विनियमों में से कोई प्रावधान नहीं, किसी स्थायी कर्मचारी पर ये विनियम लागू नहीं होंगे।

(क) इन विनियमों से लागू होने वाले किसी सेवा या पद के लिए अस्थायी रूप में स्थानान्तरित होने पर, ऐसे स्थानान्तरण से पहले उस पर लागू छुट्टी नियम की शर्तें ही जारी रहेंगे।

(ख) ये विनियमों पर लागू होने वाले किसी स्थायी पद के लिए मौलिक रूप से नियुक्ति होने पर ऐसे नियुक्ति की तारीख से इन विनियमों की शर्तें उस पर लागू होंगे ऐसे मामले में, नियमों के अधीन उसकी छुट्टी साथ में उस पर पूर्व प्रयोग नियमों को विनियम 24 के अत्यधिक सीमा के सम संबंधन की शर्त पर अप्रसर किया जाएगा। इस प्रकार से अप्रेषित की गयी छुट्टी इन विनियमों के अंतर्गत उपयोग की गयी छुट्टी अप्रैंत से पहले ही निष्पादित किया जाएगा। छुट्टी अप्रेषित के मामले में छुट्टी वेतन उस विभाग से दिया जाएगा जहां से कोई प्रारंभ की स्थानान्तरित किया गया है।

अध्याय-2: सामान्य शर्तें

६. छुट्टी के लिए अधिकार :—

(i) छुट्टी अधिकार के रूप नहीं माना जाएगा।

(ii) यदि किसी की सेवा कार्य की आवश्यकता अत्येक जल्ही होने पर, किसी भी प्रकार की छुट्टी की छुट्टी मंजूर करने के प्राधिकार द्वारा अस्थीकृत या प्रतिसहत किया जा सकता है परंतु उस प्राधिकार को यह हक नहीं है कि कर्मचारी द्वारा विभिन्न निवेदन के बारे, देय छुट्टी के किसी को बदल सके।

७. किसी कर्मचारी की छुट्टी-दावे की छुट्टी आवेदन की स्वीकृति के समय में लागू विनियमों से विनियमित किया जाएगा।

८. बर्वस्तगी नीकरी से हटाया जाना या इस्तीफा के समय पर छुट्टी जमा पर उसका प्रभाव :

(१) विनियम 32 और इस विनियम में उपबन्धित नियमों के अलावा किसी कर्मचारी को नीकरी से बर्वस्तगी/हटाया गया या मंडल सेवा से इस्तीफा दिया जाने पर उनकी छुट्टी जमा ऐसे बर्वस्तगी/हटाये जाने या इस्तीफा देने की तारीख से सीज ही जाएगा।

(2) कोई कर्मचारी जब अन्य पद के लिए है, जो मण्डल से बाहर है, उसके लिए आवेदन पत्र देता है और यदि ऐसे आवेदन पत्र की उचित माध्यम द्वारा भेजा जाता है और यदि आवेदक को नये पद पर जाने के पहले इस पद का परिस्थिति करना पड़ता है ऐसे इस्तीफा के मामले में उसको छुट्टी जमा पर इसका प्रभाव नहीं होगा।

(3) कोई कर्मचारी जिसे सेवा से बर्खास्त या हटाया जाता है और उसे फिर अपील या पुनरीक्षण, न्यायालय आदेश या किसी औद्योगिक अधिकरण आदेश या इसी प्रकार समालों से उसे पुनर्सेवा में लेने पर उसको बर्खास्तीया या हटाये जाने के पहले सेवा काल के मामले के अनुसार सभी छुट्टियों की गिनता होगा।

(4) किसी कर्मचारी, प्रतिपूर्ति पर सेवा निवृत्ति लेने पर या पेंशन या ग्रेडिंगी अवधि मान्य होने पर उस कर्मचारी को पुनर्सेवा नियुक्ति दी गयी तो पेंशन के लिए उसकी पूर्व सेवा को भी गिनता जाएगा और अपनी पूर्व सेवा की छुट्टी को भी गिनते के लिए हकदार होगा।

9. किसी एक प्रकार की छुट्टी को अन्य छुट्टी में परिवर्तन करना:

(1) जो प्राधिकारी किसी कर्मचारी को छुट्टी मंजूर करता है, वही प्राधिकारी उस कर्मचारी की विनती पर उसी छुट्टी के लिए, पूर्व वर्ती रूप से जो देय है, और स्वीकार्य है छुट्टी देने के समय उसके आधार पर उस छुट्टी को अन्य प्रकार की छुट्टी में परिवर्तन कर सकता है परन्तु कर्मचारी इस परिवर्तन को हक के रूप में नहीं ले सकता।

(2) एक प्रकार की छुट्टी को अन्य प्रकार की छुट्टी में परिवर्तन करने के लिए उस कर्मचारी को अंतः प्रश्न करने वाले छुट्टी के आधार पर छुट्टी के वेतन समायोजित करने के प्रयत्न पर जिसका अर्थ है उसकी सुगतान की गयी रकम ज्यादा होने पर परम्परा किसी जाएगा या उससे किसी प्रकार के बकाया है तो चुकाया जाएगा।

नोट:—विकित्सा प्रमाणन पर या अन्यथा स्वीकृत की गयी असाधारण छुट्टी को विनियम-29 के उपर्योगी में अदेय छुट्टी के अंतर्गत पूर्वाधीन रूप से परिवर्तन किया जा सकता है।

10. विभिन्न प्रकार की छुट्टियों का संयोजन:—

इन विनियमों में किसी अन्य व्यवस्था को छोड़कर इन विनियमों के अंतर्गत किसी प्रकार की छुट्टी का संयोजन के साथ या किसी भी अन्य प्रकार की छुट्टी के अनुवर्ती में छुट्टी मंजूर की जा सकती है।

स्पष्टीकरण:—

इन विनियमों के अंतर्गत आकस्मिक छुट्टी को छुट्टी के रूप में मान्यता नहीं दी गयी और इन विनियमों में स्वीकार्य किसी भी अन्य प्रकार की छुट्टी से उसका संयोजन, नहीं किया जाएगा।

11. लगातार छुट्टी के लिए अधिकतम परिमाण:— बोर्ड विशिष्ट परिस्थितियों के अधीन किसी मामले को नियित करने के सिवा किसी भी कर्मचारी को किसी भी प्रकार की छुट्टी लगातार पांच वर्षों के बाद नहीं दें सकता।

12. छुट्टी पर रहने समय (किसी अन्य) सेवा या नियुक्ति को स्वीकृति

(1) सेवा-निवृत्ति पूर्व छुट्टी या सेवा निवृत्ति तारीख के बाहर मंजूर की गयी छुट्टी या सेवा निवृत्ति या सेवा छोड़ने सहित कोई कर्मचारी छुट्टी पर होने पर उस कर्मचारी उत्ते नियुक्ति करने की प्राधिकारी को पूर्व मंजूरी प्राप्त किये विना और कहीं भी सेवा या नियुक्ति नहीं प्राप्त कर सकता। किसी केन्द्र सरकारी प्रोफेशनल प्राक्टीस जैसे लेखाकार, विधि परामर्शदाता या विकित्सा पेशा इत्यादि निजी व्यवसायी व्यवहार नहीं कर सकता।

(2) सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी या सेवा निवृत्ति की तारीख के बाहर मंजूर की गयी छुट्टी या उस से विभ छुट्टी पर रहने वाले कोई भी कर्मचारी साधारणतया रूप से कोई अन्य सेवा या नियुक्ति पाने के लिए अनुमेय नहीं हैं।

(ब) यदि किसी विशिष्ट मामले में वालिंग ऐसी अनुमति की मंजूरी देना चाहे तो ऐसी हालत में कर्मचारी को प्रमाण मूल कार्यालय से अस्थायी रूप में उस कार्यालय में बदली करायी होगी जहां पर उसे सेवा करने या नियुक्ति के लिए अनुमति दी गयी है अब वह कहीं अन्य जगह पर सेवा या नियुक्ति से ही पहले उत्ते अपनी इस नियुक्ति को इस्तीफा देना होगा।

(ग) कोई कर्मचारी सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी में रहने के समय पर उत्ते प्राइवेट रोजगार लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उसे जो भी ही सार्वजनिक क्षेत्र उपकरण या विनियम-31 में उल्लेख किये गये निकाय में रोजगार ले सकता है और ऐसी हालत में भी सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी के लिए देव छुट्टी वेतन विनियम-37 के अंतर्गत अनुमेय के समान ही होगा।

(3) कोई कर्मचारी जो सेवा-निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर गया है और नियुक्ति तारीख से पहले इस छुट्टी के दौरान मण्डल के अधीन की फिर भी भी पद के रोजगार के लिए उसको आवश्यकता है और कर्मचारी काम पर आने के लिए सहन्त है वैसी हालत में पुनर्सेवा भी होने की तारीख से छुट्टी का गैर-समाप्ति भाग रद्द कर दिया जाएगा।

(ब) उत्तरी विनियम (र) के अंतर्गत ऐसी रद्द की गयी छुट्टी को विनियम-32 के उपर्योग के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

अध्याय III

मंजूरी और छुट्टी से वापसी

13. छुट्टी के लिए आवेदन पत्र

छुट्टी के लिए या छुट्टी को बढ़ाने के लिए किसी प्रधार के आवेदन, फर्म-1 में छुट्टी मंजूरी करने वाले सभी प्राधिकारी को रखना होगा।

14. छुट्टी का लेडा:—

श्रेणी-1 और 2 कर्मचारियों के छुट्टी लेडा फार्म-2 में वित सहाकार एवं मुख्य लेडा प्राधिकारी द्वारा रखा जाएगा और श्रेणी-3 एवं '4 के छुट्टी लेडा विभिन्न व्यवस्था द्वारा या उत्ते प्राधिकारी के निवृहण किया जाएगा।

15. छुट्टी हक का सत्यापन:

किसी प्रकार की छुट्टी किसी भी कर्मचारी को छुट्टी निवृहण प्राधिकार से इसकी अनुमेयता के बारे में रिपोर्ट प्राप्त होने तक छुट्टी मंजूर नहीं की जाएगी।

नोट:

छुट्टी मंजूर करने के आदेश में कर्मचारी के नाम पर जमा शेष अर्जित/अर्ध-वेतन छुट्टी को सूचित करना होगा।

16. कुछ विविध परिस्थितियों में छुट्टी मंजूर नहीं की जाएगी:

जिस कर्मचारी को एक सजा देने वाला एक सभी प्राधिकारी, नीकरी से निकाने, वार्षिकतया या अनिवार्य रूप से सेवा से निवृत्त करने का विविध लेने पर है उसे छुट्टी मंजूर नहीं की जाएगी।

17. श्रेणी 1 एवं 2 तथा श्रेणी 3 व 4 कर्मचारियों को विकित्सा प्रमाण-पत्र पर छुट्टी भी मंजूर की जाएगी:

1. विकित्सा प्रमाण-पत्र पर छुट्टी का आवेदन पत्र विभ प्रधार बताया जाए:—

1. श्रेणी 1 और 2 कर्मचारी, मामले के अनुसार पोर्ट ट्रस्ट अस्थान से तंबवित विकित्सा प्राधिकारी या विकित्सा वेतन से, फार्म 3 में विकित्सा प्रमाण-पत्र के साथ रखना चाहिए।

II. श्रेणी 3 और 4 के कर्मचारी पोर्ट ट्रस्ट अस्पताल से संबंधित चिकित्सा प्राधिकारी या प्राधिकृत चिकित्सा सेवक या पंजीकृत चिकित्सा पेशाकार से कार्म—4, में, जहां तक हो स्पष्ट रूप से बोमारी की प्रवृत्ति और संभाव्य प्रधिकृत का विवरण के साथ चिकित्सा प्रभाग पत्र संलग्न करके रखना चाहिए।

(2) किसी मामले में चिकित्सा प्राधिकारी को ऐसा प्रतीत हो जाए कि संबंधित कर्मचारी के विषय में किसी प्रकार की बुद्धि न हुई ऐसे मामले में कर्मचारी मण्डल के अधीन की सेवा के लिए स्थायी रूप से अध्यात्म है तो वह विकार चिकित्सा प्रभाग पत्र में रिकार्ड करना होगा।

(3) छुट्टी स्वीकृत करने का सक्षम प्राधिकाराने अपने निर्णय पर, आवेदक को प्रारंभिक संभाव्य तारीख में ही चिकित्सा जांच करने के लिए पोर्ट ट्रस्ट अस्पताल के मण्डल चिकित्सा प्राधिकारी से या जिले के मुख्य चिकित्सा प्राधिकारी से जिनमें कर्मचारी कार्य करता है या जहां से वह बीमार होकर प्राया है या जहां से वह इलाज के लिए अप्सर होता है, तो उसके बारे में यथाशीघ्र के दिन पर दूसरा चिकित्सा राय मांग सकता है।

(4) उपर्युक्त उप-विनियम (3) के अधीन कर्मचारी की जांच करने वाले चिकित्सा प्राधिकारी का यह कर्तव्य है कि वह बोमारी तथ्य और सिफारिश की गयी छुट्टी की आवश्यकता थोनों के बारे में विकार अधिक्यकृत करें और इस के लिए उसे आवेदक को अपने सामने या उसके द्वारा नामित चिकित्सा प्राधिकारी के समक्ष जाने के लिए मांग सकता है।

(5) इस विनियम के अधीन चिकित्सा प्रभाग पत्र की मंजूरी के आधार पर संबंधित कर्मचारी को छुट्टी पाने के लिए, हक्क के रूप में नहीं माना जाएगा। इस चिकित्सा प्रभाग पत्र को छुट्टी स्वीकृत करने के सक्षम प्राधिकारी को भेजा जाएगा और उस प्राधिकारी से आदेश की प्रतीक्षा की जाएगी।

(6) यदि कोई आवेदन पत्र अग्रर एक दफा तीन दिनों की छुट्टी अवधि से कम है तो उस हालत में छुट्टी स्वीकृत करने वाला सक्षम प्राधिकारी अपने निर्णय पर चिकित्सा प्रभाग पत्र की प्रस्तुतीकरण के बिना छुट्टी वे सकता है। ऐसी छुट्टी को चिकित्सा प्रभाग पत्र पर छुट्टी नहीं माना जाएगा और उस छुट्टी को मेडिकल ग्राउंड के बिना किसी भूत्य छुट्टी के नाम में डाला जाएगा।

18. सेवा कार्य में वापस आने, फिट देने लायक न होने वाले कर्मचारी की छुट्टी:

(1) (क) जब कोई चिकित्सा प्राधिकारी यह सुनिश्चित करता है कि कर्मचारी अब कार्य पर वापस आने योग्य नहीं रहा, ऐसे कर्मचारी की छुट्टी अस्तीकार्य करने की आवश्यकता नहीं।

(ख) छुट्टी यदि आकी है तो छुट्टी स्वीकार करने वाले सक्षम प्राधिकारी से निम्नलिखित शर्तों पर छुट्टी मंजूर की जा सकती है:—

(i) यदि चिकित्सा प्राधिकारी बुढ़ता के साथ यह कहने में असमर्थ है कि कर्मचारी फिर से कार्य के लिए नहीं आ सकता तो ऐसी हालत में स्वीकृत की गयी छुट्टी वारह महीनों से अधिक नहीं हो सकती और आगे, इस प्रकार की छुट्टी चिकित्सा प्राधिकारी की जानकारी के बगैर नहीं बढ़ायी जा सकती।

(ii) यदि किसी कर्मचारी के बारे में चिकित्सा प्राधिकारी से घोषित कर दिया जाता है कि बहु पूर्णतः और स्थायी रूप से आगे सेवा करने में असमर्थ है, चिकित्सा प्राधिकारी से रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद उसे छुट्टी की स्वीकृति या छुट्टी बढ़ाने की मंजूरी दी जा सकती है बशर्ते कि मुल छुट्टी को उसी छुट्टी खते में नामे रखा जाए परन्तु छुट्टी की मात्रा चिकित्सा प्राधिकारी से रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद किसी भी प्रधिकृत के साथ, छ: महीनों से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(2) किसी कर्मचारी जो चिकित्सा प्राधिकार द्वारा आगे सेवा के लिए पूर्णतः और स्थायी रूप से असमर्थ घोषित किये जाने पर:—

(क) यदि वह कर्मचारी छुट्टी पर है, देवाओं से राहत देने की तारीख से सेवा से अमान्य कर दिया जाएगा।

यदि यह कर्मचारी छुट्टी पर है, चिकित्सा प्राधिकार से रिपोर्ट प्राप्त करने ही उसे राहत देने की तारीख से लेकर उसके कार्यों से अमान्य करने की अवस्था की जाए। जो भी हो, यदि उसे उप-विनियम (1) के अधीन छुट्टी की मायता दी गयी है तो उस छुट्टी पूरा होने के बाद उसे सेवा से अमान्यकृत कर दिया जाएगा।

(ख) यदि वह पहले से ही छुट्टी पर होने पर ऐसी छुट्टी या छुट्टी को बढ़ाने के बाद, उप-विनियम (1) के अधीन उसे प्रदान किया गया छुट्टी समाप्ति के बाद से उसे सेवा से अमान्यकृत कर दिया जाएगा।

(19) छुट्टी का आरंभ और समाप्ति :

विनियम-20 में प्रावधानित के अंगैर कार्यभार के स्थानान्तरण प्रभावित होने के दिन से सामान्यतः छुट्टी प्रारंभ मानी जाती है और कार्यभार पुनः प्रारंभ करने वाले दिन से समाप्त मानी जाती है।

(20) अवकाश दिनों के साथ छुट्टी का संयोजन :—

(1) (i) जब किसी कर्मचारी की छुट्टी (चिकित्सा प्रभाग पत्र के आधार की छुट्टी से मिलन (आरंभ होने के तुरंत पूर्वगामी दिन से या उसके छुट्टी समाप्त होने के बाद के दिन अवकाश का दिन या अवकाश दिनों का कम है तो, कर्मचारी को आवश्यकता पड़ने पर उस दिन के तुरंत बाद अपना स्थेशन छोड़ने की अनुमति दिया जा सकता (प्रशासनिक मामलों, पहले और बाद के प्रश्नकाश, विशेष रूप से स्थानित छुट्टी को छोड़कर) या उस दिन तक वापस आना होगा जब ऐसी अवकाश छुट्टी या अवकाश का कम आता है। बशर्ते कि उसका स्थानान्तरण या कार्यभार संभालना प्रतिभूतियों या स्थायी अधिग्रहण रूप में भिन्न को संभालने में शामिल नहीं होगा।

(ii) चिकित्सा प्रभाग पत्र पर छुट्टी के मामले के संबंध में :—

(क) जब कभी कोई कर्मचारी दफ्तर की हाजर होने के लिए चिकित्सा रूप से अन्याय प्रमाणित किया जाता है तो, पूर्वगमी से शुरू कोई छुट्टी (छुट्टियां) उसके ऐसा प्रमाणित करने के उपर्यांत शुरू होते हैं और स्वभावतः पहले बली छुट्टी (छुट्टियां) यदि कोई है जो तुरंत आती, तो (उसको प्रमाणित करने के दिन सहित) उसे, भी छुट्टी का ही एक भाग माना जाएगा।

(ख) जब किसी कर्मचारी को चिकित्सा रूप से कार्य में भर्ती होने के लिए प्रमाणित किया जाता है, जिसे ऐसा प्रमाणित करने के आगे यदि छुट्टी (छुट्टियां) हैं तो (उस दिन सहित) स्वभावतः यह कर्मचारी बाद की छुट्टी (अवकाश) से सकता है, और वह ऐसा प्रमाणित करने के पूर्वगामी दिन अवकाश (छुट्टियां) को छुट्टियों के रूप में माना जाएगा।

(2) इस शर्त पर जानेवाला कर्मचारी, अपने प्रभार में किसी प्रकार की छुट्टी नहीं होगा, किसी भी विशिष्ट मामले में विभागाध्यक्ष उप-विनियम (1) के परंतुक पर आवेदन पर छुट्टी दे सकता है।

(3) जब तक सक्षम प्राधिकार किसी मामले के विषय में छुट्टी स्वीकृत करने के लिए अस्थाया तिंडेश देने पर—

(क) यदि अवकाश छुट्टी दिन के मामले पूर्व प्रत्यय है और अवकाश दिनों के बाद वेतन और भर्ते का किसी प्रकार की परिवासी पुनर्प्रबंध किया गया, तो यह छुट्टी के बाद के विवर से लागू होगा।

(ख) यदि अवकाश छुट्टी दिन के बाद का है तो छुट्टी को परिवर्तित किया गया माना जाएगा और वेतन एवं भर्ते, के परिवासी की पुनर्प्रबंध के लिए यदि अवकाश दिन बाद में नहीं आते तो, छुट्टी समाप्ति पर वेतन एवं भर्ते परिवर्तित किया जाएगा।

नोट :—रविवार और अवकाश के दिन में किसी कर्मचारी द्वारा की गयी सेवा (इयूटी) के बदले में मंजूर की गयी पूरे दिन की प्रतिपूरक छट्टी को उपर्युक्त प्रयोजन के लिए, एक अवकाश दिवस के रूप में माना जा सकता है।

21. छट्टी समाप्त होने से पहले इयूटी (कार्य) पर वापस बुलाना

(1) यदि किसी कर्मचारी को उसकी छट्टी समाप्त होने से पहले इयूटी पर वापस बुलाया जाना है तो, इयूटी पर ऐसे वापसी बुलाये को सभी मामले से अनिवार्य समझा जाएगा और कर्मचारी निम्नलिखित का हकदार होगा :—

(क) यदि भारत में रहनेवाले को जिस छट्टी से उसे वापस बुलाया जाना है, उसे आवेदन दिये गये स्टेशन से शुरू होने की तारीख से उसे इयूटी पर माना जाएगा और निम्नांकित 'ड्रा' कर सकता है :—

(1) संदर्भ में अनाये गये नियमों के अंतर्गत यात्रा के लिए यात्रा भत्ता और (ii) कार्य पर वापस बुलाने के कारण अपनी पद पर भर्ती होने तक, उससे ड्रा करने वाले वर के मुताबिक छट्टी बेतन दिया जाएगा।

(ब) यदि छट्टी पर रहने वाले भारत के बाहर हैं और उसे वापस बुलाया गया तो भारत आने के लिए यात्रा पर बिताया गया समय को छट्टी और प्राप्त करने वालों को गिनते के लिए इयूटी के रूप में माना जाएगा।

(i) भारत में आने यात्रा के दौरान और भारत में उत्तरने की तारीख से अपनी पद पर भर्ती होने की तारीख तक इयूटी पर वापस आने उसी वर पर जिस पर पहले गया था छट्टी बेतन दिया जाएगा।

(2) भारत के लिए मुफ्त यात्रा किया गया।

(3) वापस बुलाने गपर अगर वह भारत छोड़ जाने की तारीख से उसकी छट्टी की आधी अवधि पूरा नहीं होने पर या तीन महीना न होने पर इसमें जो भी कम हो उस संदर्भ में उसकी भारत से जाने की यात्रा किया जाएगा होगा।

(4) अपनी जगह से भारत में उत्तरने की जगह तक यात्रा के लिए इस विनियम के अधीन उस समय में लागू यात्रा भत्ता दिया जाएगा।

22. छट्टी से वापस

(1) छट्टी पर गये कोई कर्मचारी जिसे प्राधिकार ने छट्टी मंजूर किया है उस प्राधिकार की अनुमति के अंतर्गत उसकी छट्टी समाप्त होने के पहले इयूटी पर वापस नहीं आ सकता।

(2) उपविनियम (1) में किसी विषय के रहने हुए भी कोई कर्मचारी जो निवृति पूर्व छट्टी पर गये हैं जहाँ से वह निवृत्पूर्व छट्टी पर गया है वहाँ के उसे नियुक्त करने वाला सभी प्राधिकारी की सहमति के अतिरिक्त इयूटी पर वापस नहीं आ सकता।

(3) (क) चिकित्सा प्रमाण पत्र पर छट्टी लिया कर्मचारी तब तक इयूटी पर वापस नहीं आ सकता है जब तक वह कार्य-5 में फिटेनग का चिकित्सा प्रमाणपत्र नहीं देता।

(ख) यदि कर्मचारी श्रेणी 1 या 2 के होने पर छंड (क) के अधीन उपर्युक्त प्रमाण पत्र पोर्ट ट्रस्ट अस्पताल के मुक्त चिकित्सा प्रधिकारी या कोई भी चिकित्सा सेवक जो मिशन मर्जन, ग्रेड-1 रैन्क से कम न हो, उससे प्राप्त करना होगा।

(ग) श्रेणी 3 या श्रेणी 4 कर्मचारियों के मामले में छट्टी से वापस आने के लिए जिस प्राधिकार के अंतर्गत कर्मचारी की नियुक्ति हुई है उस प्राधिकार आने नियंत्रण पर एक पंजीकृत चिकित्सा प्रैक्टीशनर से हस्ताक्षर किया हुआ प्रमाणपत्र स्वीकार कर सकता है।

4 (क) कोई कर्मचारी जो छट्टी से वापस आता है, वह छट्टी पर उसे से पहले किये गये पवर पर प्रभावत निर्दिष्ट आदेशों की अनुपस्थिति में, कुछ समय के लिए उसे उसी पद के कार्य संभालने का हक नहीं है।

(ख) ऐसे कर्मचारी, जो छट्टी प्रदान करने वाला प्राधिकार या यदि कोई प्राधिकार है जो उसी छट्टी प्रदान करने निर्दिष्ट आवेदन में उल्लिखित है उसको अपनी इयूटी पर वापसी के बारे सूचित फरके आवेदों की प्रतीक्षा करनी होगी।

नोट :—कोई कर्मचारी जो क्षय रोग से पीड़ित हो उसे आराम काम की सिफारिश करने वाला फिटेनेम ऑफिसियल के अधार पर कार्य संभालने के लिए इजाजत दिया जाए।

23. छट्टी समाप्ति के बाद अनुपस्थिति

(1) छट्टी स्वीकृति करने, छट्टी बढ़ाने के लिए सभी प्राधिकारी के अनुमति के बिना कोई कर्मचारी छट्टी समाप्त होने के बाद भी अनुपस्थित होने पर ऐसी अनुपस्थिति प्रदायि के लिए उसे छट्टी बेतन पाने का हक नहीं है और उस अवधि के लिए जहाँ तक अर्ध बेतन छट्टी है वहाँ तक इसको उस छट्टी लेखा के नामे डाला जाएगा, ऐसे देव छट्टी की अवधि पूरा होने पर उस से अधिक अवधि को असाधारण छट्टी के रूप में माना जाएगा।

(2) किसी कर्मचारी को सौपी गयी छट्टी की समाप्ति के बाद जानबूझकर इयूटी से अनुपस्थिति होने पर उस पर अनुशासनिक कार्यवाई से सकते हैं।

प्रधानाय—4

देव और माहौल छट्टी के प्रकार

24. अर्जित छट्टी

(1) (i) कर्मचारी को एक केलंडर वर्ष में 30 दिनों की अर्जित छट्टी का प्रधिकार है। हर कर्मचारी को हर केलंडर प्रयोक वर्ष की पहली जनवरी और जुलाई हर दो किस्तों में छट्टी के हिसाब में अर्जित छट्टी के साथ जमा किया जाएगा।

(ii) जब कोई कर्मचारी पूरी भर्ती समय को एकैल करने के बारे हो नहीं पवर में भर्ती होने पर, इस समय के भर्ती के समय नियम के अंतर्गत प्रवृत्त के अनुमार स्वीकार्य दिनों की संख्या, वास्तव में उपयोग कर चुके वाले संख्या से घटाकर अधिक से अधिक 15 दिनों तक घटा कर उसके छट्टी (लेखा) हिसाब में अर्जित छट्टी के रूप में जमा किया जाएगा। अर्थात् कि अर्जित छट्टी इस उपव्याप्ति के अधीन दी गयी जमा महित पहले से ही उसके हिसाब में सौजन्य अर्जित छट्टी लेखे में जमा किया जाएगा जो 240 दिनों से अधिक नहीं होना आविहा।

(ख) पिछले आधे वर्ष की समाप्ति पर किसी कर्मचारी के जमा में छट्टी को अगले आधे वर्ष में अप्रेयित किया जाएगा वर्षात् कि इस प्रकार से अप्रेयित की गयी छट्टी और साथ ही आधे वर्ष की जमा छट्टी 240 दिनों से अधिक न हो।

(2) इस विनियम के विनियम-6 और 32 तथा उपविनियम (1) और (3) के उपबंधों के अधीन किसी कर्मचारी को भारत में एक बार मंजूर की गयी प्रधिकारनम अर्जित छट्टी 120 दिनों तक ही हो।

(3) श्रेणी-1 या श्रेणी-2 कर्मचारियों को 120 दिनों से भी अधिक अर्जित छट्टी होने पर ही छट्टी प्रवान की जाती है परन्तु 240 दिन से अधिक नहीं चाहे स्वीकृति छट्टीयों या उसके अंत में विदेश में बिताया गया हो।

परन्तु इस उपविनियम के अधीन दी गयी अर्जित छट्टी 120 दिनों की अवधि से अधिक होने पर भारत में बिताये इस प्रकार की छट्टी पूर्णत सीधा से अधिक नहीं होगा।

4. विदेशी सेवा में किसी भी अवधि को यदि इस प्रकार की अनुधि के लिए छह दिनों तक के बाहर दिया गया है, तो उसे इस विनियम प्रयोग्यन के अधीन इसको इयर्टी में पिंडा जाएगा।

25. अर्जित छुट्टी की सेवा

1. अर्जित छुट्टी में किसी कर्मचारी को उसको नियुक्त किये गये केलेंडर वर्ष के आधे वर्ष में उसके बेवा कार्य भूमि पर किये गये हर महीने के लिए 2 1/2 दिनों के दर से उसको छुट्टी हिसाब में जमा कर दिया जाएगा।

2(क) कोई कर्मचारी यदि सभा से नियुक्त होने वा इस्तीफा देना है तो उस आधे वर्ष के लिए फ्रैंडिट उसके नियुक्त होने वा इस्तीफा देने को तारीख तक पूरे केलेंडर महीने के लिए बेवा 2 1/2 दिनों के हिसाब में दिया जाएगा।

(ख) जब किसी कर्मचारी को सेवा में निकाल/वर्चास्त कर दिया जाता है वा सेवा के समय में मर जाता है, तो अर्जित छुट्टी की जमा (फ्रैंडिट) प्रति पूरे केलेंडर महीने के लिए 2 1/2 दिनों के दर से उसकी बेवा से निकाल/वर्चास्त करने वा मर जाने की महीने में शुरू होकर केलेंडर महीने के अत तक दिया जाएगा।

(3) यदि कोई कर्मचारी अग्राधारण छुट्टी को प्राप्त करता है और या आधे वर्ष में अनुपस्थिति की कुछ अवधि को छुट्टिवास के रूप में भाना जाता है, तो उसके फ्रैंडिट को उसकी छुट्टी लेखे में अगले आधे वर्ष का आरंभ पर, ऐसी छुट्टी की अवधि वा 1/10 था और/या छट विवर की गत घटाया जाएगा वशर्ते कि उसकी आधिकारी गमय 15 दिन हो।

(4) अर्जित छुट्टी का फ्रैंडिट (भाग) देने गमय दिन का फैक्षन नजदीक बिन तक "राउंड आफ" कर दिया जाएगा।

26. अर्घ्य-वेतन छुट्टी

(1) प्रत्येक कर्मचारी का अर्घ्य-वेतन छुट्टी का हिसाब (लेग) हर एक के 10 दिनों के लिए दो किसी भी प्रत्येक केलेंडर वर्ष के जनवरी और जनाई का पहला दिन अर्घ्य-वेतन सहित छुट्टी जमा किया जाएगा।

(2) (क) नियुक्ति प्राप्त करने के वर्ष में, पूरे करने की संभायता सेवे वाले आधे वर्ष में पूरा किया गया सेवा-कार्य के प्रत्येक पूरे केलेंडर महीने के लिए 5/3 दिनों के हिसाब से जमा किया जाएगा।

(ख) कोई कर्मचारी आधे वर्ष के अवधि में बेवा से नियुक्त वा इस्तीफा देनेवाला है तो उसके नियुक्त/इस्तीफा शार्टल तक पूरे केलेंडर महीने के लिए 5/3 दिनों के हिसाब से अपने बाते में छुट्टी जमा किया जाएगा।

(ग) जब कोई कर्मचारी बेवा के निकाल विद्या/वर्चास्त वा दिया जाता अवधारणा सेवा में रहते मर जाता तो उसके निकाली वर्चास्तीय अवधारणा मर जाने की केलेंडर महीने में शुरू होने वाले पूरे केलेंडर महीने तक 5/3 दिनों के दर से भजूर किया जाएगा।

(घ) यदि कोई कर्मचारी की अनुपस्थिति अवधि वा निलंबन अवधि आधे वर्ष में छट विवर के रूप में समाप्त जाएगा तो अपने वर्ष के आरंभ में उसकी जमा अर्घ्य वेतन छुट्टी लेखे में से छट विवर अवधि के एक का अठर्ड्वां भाग लिए रीमिट रेट पर घटाया जाएगा। वशर्ते कि अधिकारम दिवस 10 दिन तक सीमित हो।

(3) इस विनियम के अधीन छुट्टी विकित्या प्रनाप वा ग्राहिकार्य पर भजूर किया जा सकता है।

(4) अर्घ्य-वेतन छुट्टी का लाभ पदाने करने वाले अधिकारी विवर के एक दिन का फैक्षन राउंड आफ किया जाए।

कोई कर्मचारी स्थायी नहीं है तो उससे अर्घ्य-वेतन छुट्टी सब नक मजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि छुट्टी स्वीकृति करने वाला गशम प्राधिकारी को यह भरोसा नहीं कि कर्मचारी उसकी छुट्टी गमालित के उपरांत इयर्टी पर अवेगा और इस प्रकार के मामले के संदर्भ में कोई कर्मचारी विकित्या प्राधिकार डाग घोषित कराया जाना है कि यह आगे कायं करने के लिए बुरांत और स्थायी रूप से अयोग्य है।

27. परिणत छुट्टी

(1) परिणत छुट्टी विकित्या प्रमाण-तात्र के प्रत्यार पर किसी कर्मचारी जो निम्नलिखित शर्तों पर मंतूर की जा रही है जिसकी रकम अर्घ्य-वेतन छुट्टी की आवी रकम से ज्यादा नहीं हो।

(क) छुट्टी स्वीकृति करने के लिए सभग प्राधिकार इत वात पर विश्वाग होने पर कि कर्मचारों आगे छुट्टी के समाजि के बाव इयर्टी पर अते के मधी विवार हैं;

(ख) जब परिणत छुट्टी दो बार ल्लोकृत की जाती है तो ऐसे छुट्टी की द्वितीय रकम को अर्घ्य वेतन छुट्टी देय नारे डाला जाएगा।

(2) यदि पूरी सेवा के दीगत 180 दिनों तक अवेहनम अर्घ्य-वेतन छुट्टी (निकित्या प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए बैरे) के लिए अनुमति देने पर छुट्टी स्वीकृति प्राधिकार डाग यह प्रमाणित किया जाएगा कि मानव कीहित के लिए इत वात की छुट्टी अनुमोदित पाठ्यक्रम के लिए उपरीत किया जाता है।

(3) जब किसी कर्मचारी को जिसे परिणत छुट्टी प्राप्त की जाता है और वह सेवा में इस्तीफा देने पर या अपनी विवार पर इयर्टी पर वापस आने के बैरे स्वैच्छिक नियुक्ति के लिए अनुमति दी जाने पर, परिणत छुट्टी को अर्घ्य-वेतन छुट्टी के लद में माना जाएगा और परिणत छुट्टी की अर्घ्य वेतन छुट्टी के बीच कीविभिन्नता को उससे असूल किया जाएगा।

वशर्त है कि, अनारोग्यता के कारण यदि कर्मचारी ग्राम सेवा करने लायक नहीं है या उसके मर जाने के मामले में इस प्रकार की कोई असूल नहीं की जाएगी।

नोट:—कर्मचारी के खाते में अर्जित छुट्टी देय होने पर भी कर्मचारी की विवारी पर परिणत छुट्टी प्राप्त किया जा सकता है।

28. अर्जनशोध छुट्टी

मेवा-नियुक्ति से पूर्व छुट्टी के अनियित किसी कर्मचारी की अर्जनशोध छुट्टी स्थायी नियुक्ति के संवर्ध में भग्नां मेवा के दीगत अधिकारम 360 दिनों तक सीमित करके निकित्या प्रमाणपत्र पर पर निम्नलिखित नियमों के जर्न पर स्वीकृति किया जा सकता है:—

(क) छुट्टी स्वीकृति करनेवाला गशम प्राधिकारो इत वात पर मंतूर है कि कर्मचारी अपनी छुट्टी समाजि के उपरांत इयर्टी पर आने के मधी अवधारणा है।

(ख) अर्जनशोध छुट्टी की अर्घ्य वेतन छुट्टी में सीमित किया जा सकता है जिसे वह बाद में अर्जित करसकता है।

(ग) अर्जनशोध छुट्टी की अर्घ्य-वेतन छुट्टी के नामे डाला जा सकता है, कर्मचारी याद में इसका उत्तरान करसकता है।

(2) अर्जनशोध छुट्टी देंते अस्थायी कर्मचारियों को भी मंजूर किया जा सकता है जो क्षय, कुष्ठ, कैंसर, या मानसिक रोग से पीड़ित है, यह उसके पूर्ण सेवाकाल के दौरान 360 दिनों से से अधिक नहीं होगी बर्ती है कि उपविनियम (1) का (क) से (ग) खंड की शर्तों को पूरा करने और निम्नलिखित शर्तों पर मंजूर किया जा सकता है:

(i) कर्मचारी कम सेकम एक वर्ष की सेवा में हो।

(ii) जिस पद से कर्मचारी छुट्टी पर जाता है उस पद पर अपनी छुट्टी समाप्ति के बाद ड्यूटी पर वापस आने तक वही रहते की संभावना हो और

(iii) इस प्रकार की छुट्टी की दिनी एक विदेशी प्रमाणपत्र से समर्थन की गयी हो।

3. (क) किसी कर्मचारी को अर्जनशोध छुट्टी मंजूर की गयी हो और वह कर्मचारी सेवा से इस्तीफा देने पर अथवा उसकी विनती पर ड्यूटी पर वापस आये बिना ही स्वैच्छिक निवृत्ति के लिए बनूतमि दे जाने पर उसकी अर्जनशोध छुट्टी रह किया जाएगा। इस प्रकार की छुट्टी ग्रांम्भ होनेवाले तारीख से उसकी इस्तीफा या निवृत्ति प्रवालित होगी और छुट्टी [वेतन उसमें] बसूल किया जाएगा।

(ख) जब किसी कर्मचारी को अर्जनशोध छुट्टी, मंजूर किया जाता है और ड्यूटी पर वापस आने के उपरान्त इस प्रकार की छुट्टी अर्जित करने से पहले ही सेवा से इस्तीफा देता या निवृत्त हो जाता है तो ऐसी हालात में अनुवर्ती रूप से छुट्टी अर्जित नहीं करने की अवधि तक की छुट्टी का वेतन प्रतिदाय करना चाहिए।

बर्ती कि यदि कर्मचारी की सेवा निवृत्ति के कारण या अनारोग्यता जिसके कारण, कर्मचारी आगे और सेवा करने के लायक नहीं अथवा उसके भर जाने पर या उसे नॉटिस देकर या ऐसी नॉटिस के लिए उसकी सेवा शर्तों के अनुसार वेतन और भत्ता से निवृत्त होने पर खण्ड (क) अथवा खण्ड (ख) के अधीन किसी प्रकार के छुट्टी वेतन की वसूली नहीं किया जाएगा।

29. असाधारण छुट्टी:

(1) किसी कर्मचारी को असाधारण छुट्टी विशेष परिस्थितियों में दी जा सकती है:—

(क) अन्य किसी प्रकार की छुट्टी ग्राह्य नहीं होने पर।

(ख) अन्य छुट्टी ग्राह्य होने पर भी कर्मचारी असाधारण छुट्टी के लिए लिखित आवेदन पत्र रखने पर।

(2) मण्डल किसी विशिष्ट परिस्थिति के अधीन अन्यथा निर्दिष्ट करने वाले मामले को जोड़कर किसी भी कर्मचारी को जो स्थायी नियुक्ति में नहीं है उहूँ किसी भी एक अवसर में निम्नलिखित सीमा से अधिक असाधारण छुट्टी नहीं दे सकता है।

(क) तीन महीने।

(ख) देय छुट्टी की समाप्ति पर कर्मचारी यदि लगातार एक वर्ष की सेवा समाप्त करने पर छ: [महीने, और इन विनियमों के] अंतर्गत खण्ड (क) के अधीन तीन महीने का असाधारण छुट्टी सहित तथा इन विनियमों के अपेक्षित इस प्रकार की छुट्टी के लिए उसकी विनती किसी विकिस्ता प्रमाणपत्र के साथ सिफारिश करने पर।

(न) विकिस्ता प्रमाणपत्र के लगातार दर अजारदृ दरहीने, जब कर्मचारी एक वर्ष का लगातार देवा पूरा करते निम्नलिखित इलाज पर है—

(i) मान्यता प्राप्त सेविटोरियम में छुट्टी ग्राह्य क्षय या "प्लूटिसी ग्राफ ड्यूबरक्यूलर ऑर्सिन"।

नोट: 18 महीने तक के असाधारण छुट्टी की स्थियत उस कर्मचारी के लिए भी ग्राह्य हैं जो "प्लॉमोरोट्रो ड्यूबरक्यूलिसिस" या "प्लूरिसी ग्राफ ड्यूबरक्यूलर ऑर्सिन" से पीड़ित है और अपने ही आसास में किसी क्षयव्याधि विशेषज्ञ से जो ऐसे राज्य प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी से संबंधित मान्यता प्राप्त विशेषज्ञ से किकित्सा पाता है और उस विशेषज्ञ से प्रवाणपत्र प्रस्तुत करें तो वह उनके अधीन इलाज के रहे हैं और उसे लिखारिंग की गयी छुट्टी की समाप्ति पर उनके स्वस्थ होने के सही मौका है।

(ii) किसी योग्यता प्राप्त अथवाधि विशेषज्ञ या किसी सिविल सर्जन अथवा स्टाफ सर्जन द्वारा शरीर के किसी अन्य भाग की क्षय रोग होने पर।

(iii) मान्यता प्राप्त कुछ संस्थान में कुछ, या सिविल सर्जन द्वारा या स्टाफ सर्जन या संबंधित राज्य प्रशासनिक चिकित्सी अधिकारी द्वारा मान्यता प्राप्त कुछ रोग अस्पताल के विशेषज्ञ द्वारा।

(4) कैंसर या मानसिक रोग ऐसे रोगों का इलाज के लिए किसी मान्यता प्राप्त संस्थान, सिविल सर्जन या स्टाफ सर्जन या इस प्रकार के रोग के किसी विशेषज्ञ।

नोट: इस प्रयोजन के लिए विकिस्ता प्रमाण पत्र के साथ पोर्ट ट्रॉस्ट अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी से प्राप्त प्रमाण पत्र भी शामिल होना चाहिए।

(घ) मण्डन के हित पर अध्ययन के अभियोग पर छुट्टी की आवश्यकता होने पर 24 महीने तक। वर्ती है कि संबंधित कर्मचारी इस प्रकार की देय छुट्टी समाप्त होने के बाद की तारीख से और इन विनियमों के अंतर्गत खण्ड (क) के अधीन तीन महीनों का असाधारण छुट्टी सहित तीन वर्षों की सेवा पूरा करना चाहिए।

3(क) जब किसी कर्मचारी को उपविनियम (2) के खण्ड (घ) में निहित उपवंशों की विधियां करके असाधारण छुट्टी मंजूर करने पर उसे फार्म-6 में एक बाड़ निवासित करता होगा कि ऐसी छुट्टी के दौरान [होने वाले खर्चों] को मण्डल की वापस करने की शर्त सहित, उसकी छुट्टी पूरा होने के बाद वापस कार्य पर न आने की कारण की ऐजेन्सी से या वापस कार्य में आने के उत्तरान तीन साल पूरा होने के सेवा छोड़ कर जाने पर।

(ख) मण्डल के दो स्थायी ऐसी कर्मचारियों से तुलना में उस कर्मचारी के वरावरी की या उसी उच्च स्तर के कर्मचारियों से जामिन दिलवाने पर।

4. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के लिए केन्द्र सरकार द्वारा अधिकृत सरकारी पर भी एसाधारण ड्रेसिंग कोर्स में जाने के लिए सबसे प्राधिकार द्वारा उपविनियम (2) के उपवंशों के शिशिलन से प्रसाधारण छुट्टी मंजूर किया जा सकता है।

(5) असाधारण छुट्टी के दो स्तर में यदि किसी अन्य तरह की छुट्टी से अंतरित होने पर उसे उपविनियम (2) के प्रयोजनार्थी असाधारण छुट्टी एक लगातार स्वेच्छा में दिया जा सकता है।

(6) छुट्टी मंजूर करने का गठम प्राधिकार विमानालय के अनु-परिवर्ति की प्रवधि को असाधारण छुट्टी के रूप में पूर्वव्यापी रूप से परिवर्तन कर सकता है।

29. (क) परिवीक्षार्थी परिवीक्षा पर और आपरेंटीस पर होने वाले व्यक्ति को छुट्टी :—

(क) परिवीक्षार्थी यदि वह मौलिक रूप से अन्यथा परिवीक्षा में अपने पद पर होने पर इन विनियमों के अधीन यह छुट्टी का हकदार होगा।

(ख) यदि किसी अन्य कारणबाट किसी परिवीक्षार्थी की अपनी सेवा से पदावसान करने का प्रस्ताव है तो उसे मंजूर की गयी किसी भी प्रकार की छुट्टी को बढ़ा नहीं कर सकता।

(i) पहले से मंजूर की गयी या बढ़ाई गयी परिवीक्षा प्रवधि समाप्त होने की तारीख के बाद/अवधारा।

(ii) उसे नियन्त करने के सक्षम प्राधिकारी के प्रावेश से उसके प्रावेश समाप्त करने के बाद किसी भी पूर्वतर तारीख तक नहीं होगा।

(2) परिवीक्षा पद पर नियुक्त कर्मचारी इन विनियमों के अंतर्गत अस्थायी या स्थायी कर्मचारी के रूप में उसके पद के स्थायी या अस्थायी के अनुसार छुट्टी जात दर्ज करने का हकदार है।

बास्तव है कि जब ऐसी नियुक्ति से पहले वह कर्मचारी स्थायी पद पर लियन गहर कर चुका है, तो ऐसी दृष्टि में एक स्थायी कर्मचारी के रूप में इन विनियमों के अंतर्गत छुट्टी पाने का हकदार होता है।

(3) आपरेंटीस निम्नांकित के लिए हकदार होगा :—

(क) विकितमा प्रमाण पत्र पर या छुट्टी बेतत पर अपने आपरेंटीस-शिप के किसी भी वर्ष में प्रधान-बेतत के बराबर के एक महीने से प्रधिक छुट्टी नहीं दे सकता।

(ख) विनियम 29 के अधीन असाधारण छुट्टी।

30. सेवा निवृति के बाद पुनः नियोजित व्यक्ति :—

कोई व्यक्ति सेवा निवृति के उपरांत फिर से नियन्त्रित प्राप्त करता है तो, वह अपनी पुनः नियुक्ति की तारीख से माझे सेवा में पहली बार प्रवेश करने के समय व्यवस्थित सभी विनियमों के प्रावधान लागू होंगे।

31. सेवा निवृति छुट्टी :—

किसी कर्मचारी, छुट्टी को मंजूरी करने वाले, सक्षम प्रधिकारी के अनुमति पर देय अर्जित छुट्टी की प्रवधि तक सेवा निवृत्तपूर्ण छुट्टी ने माफता है जो अर्ध-बेतत छुट्टी के साथ 240 दिनों से ज्यादा न होना चाहिए।

बास्तव है कि यह छुट्टी सेवा निवृति के तारीख तक होना चाहिए।

नोटा :— सेवा निवृति के लिए पूर्ण छुट्टी के रूप में मंजूर की गयी छुट्टी के साथ असाधारण छुट्टी भागिल नहीं किया जाएगा।

(2) (क) विवेशी सेवा में या स्थायी प्राधिकारी या निगम या सरकार द्वारा या नियन्त्रित निकाय द्वारा या सरकार द्वारा फाईनाल्स किया गया (इसमें जिसे आगे स्थानीय निकाय कहा गया है) कंपनी से जो पूर्णतः या अपापक रूप में समानता से नियन्त्रित किया हुआ कंपनी अंतर्गत के कोई कर्मचारी सेवा निवृति पूर्व छुट्टी के लिए शावेदान पत्र रखता है, तो ऐसी छुट्टी को मंजूर करने या अस्थीकृत करने का निर्णय लेन्हिंग प्रथारटी के सहमति पर विवेशी नियोजित द्वारा किया जाएगा।

(ख) अनियम 32 के उप विनियम (2) के अधीन व्यवस्थित की गयी पद्धति के अनुसार व विवेशी सेवा में रहने वाले कर्मचारी भी अपनी जमा के अर्जित छुट्टी को भुना सकता है।

(3) जब कोई कर्मचारी उप विनियम (2) (ख) में विनिश्चित विवेशी सेवा में या अन्य स्थानीय निकाय के अंतर्गत काम करता है तो उस कर्मचारी को सेवा निवृति पूर्व छुट्टी तब भाहप होगा जब वह विवेशी सेवा के अधीनवाली छुट्टी को त्याग कर देगा।

परन्तु जब कोई कर्मचारी विवेशी सेवा के अंतर्गत सेवा जारी करने पर वह कर्मचारी विनियम 32 के अंतर्गत छुट्टी के बरते में नकद भुगतान की मंजूरी करने योग्य नहीं होगा।

32. सेवा निवृति/अनिवार्य निवृति प्रथवा सेवा समाप्त के बाद की तारीख तक छुट्टी के बरते में छुट्टी नकद भुगतान :

1. किसी कर्मचारी को किसी प्रकार की छुट्टी मंजूरी नहीं की जाएगी।

(क) उसकी सेवा निवृति की तारीख अवधारा

(ख) उसकी छुट्टी समाप्ति करने की अंतिम तारीख अवधारा

(ग) नोटिस देकर सेवा से निवृति होने की तारीख या ऐसी नोटिस के बरते में उसका सेवा के शर्तों के मुताबिक सेवा और भरता पाकर निवृति होने के तारीख पर।

या

(घ) सेवा कार्य से उगकी इस्तीका की तारीख से।

2. (क) जब कोई कर्मचारी उसकी सेवा में विनियम 240 दिनों के अंतर्गत निवृति के लिए निर्धारित समाप्ति अवधारा पर पट्टवकर सेवा से निवृति हो जाता है तब छुट्टी मंजूर करने वाला सक्षम प्राधिकारी, उसकी सेवा निवृति समय पर कर्मचारी के लाने में (प्रजित) छुट्टी होने पर (बास्तव है कि अधिकतम 240 दिनों के लिए) उसको छुट्टी समाप्त रूप की नकद मंजूरी करते हुए "मोटू" प्रावेश जारी करता है।

(ख) बास्तव (क) के अंतर्गत की समाप्त नकद के निम्नलिखित रूप से गणना किया जाय और एक मुश्त में एक साथ निर्धारित के रूप में भुगतान किया जाएगा। गृह किराया भरता या नगर प्रतिवृक्ष भरता नहीं दिया जाएगा :—

निवृति की तारीख पर अनुमेय

बेतता सहित उम दिन पर भुगतान

की गयी भर्हगार्द मरता

निवृति के तारीख में अधिकतम

240 दिनों के शर्त पर उपयोग

में नहीं लाये गये, प्रजित छुट्टी

की जमा के दिनों को संबंधा।

नकद

समानांतर ——————

30

(3) किसी कर्मचारी सेवा निवृति के समय पर निनेकत के अधीन या अनुशासनिक या उसके विलङ्घ में अनिर्णित अवराधिक कार्यवाही उस के विलङ्घ विचाराधीन में होने पर, या ऐसा समस्ता जाए कि उस प्रोतोटाइप के अंत में उसके कुल ऐसा असूल करते की संभावना है। तब छुट्टी मंजूर करने वाला सक्षम प्राधिकारी, प्रजित छुट्टी के रकम की पूरा या कुल भाग निलंबित रोक सकता है। उस प्रोतोटाइप पूरा दो जाने पर वहाँ की समाप्ताजना होने के बाद रोकी गयी रकम में से शास्त्री रकम के निर्दयोग्य हो जाता है।

(4) (क) जब किसी कर्मचारी की सेवा को सार्वजनिक हित की पर उसके निवृति होने की तारीख के बाद रिसार हित जाने पर उसकी मंजूर किया जा सकता है :—

(1) विस्तार अवधि के दौरान उस प्रत्यार को विस्तार अधिक के संबंध में यदि कोई अर्जित छुट्टी देय होने पर और साथ ही उसके निवृति तारीख पर उसके जना के प्रौजित छुट्टी विनियम के निर्धारण के अनुसार मासिते के अनुसार अवधिक्रम 120 दिन/240 दिनों तक सीमित किया जाएगा।

(ii) विस्तार अवधि की समाप्ति के उपर्यन्त सेवा निवृत्ति की तारीख पर स्थिति अर्जित छुट्टी की जमा जो उपविनियम (2) में धर्मविषय पद्धति के अनुसार, के बराबर नकद साथ ही विस्तार अवधि के द्वारा अर्जित की गयी अर्जित छुट्टी, इस अवधि में उपर्योग की गयी अर्जित छुट्टी से हटाया जाएगा और अधिकतम 240 दिनों की शर्त पर होगा ।

(ख) इस उप-विनियम खण्ड (क) के उप-खण्ड (ii) के अंतर्गत भुगतान की जाने वाली नकद को उपर्युक्त उप विनियम (2) के खण्ड (ख) में बतायी गयी पद्धति के मूलाधिक गिना जाएगा ।

(5) उप-विनियम (1) के खण्ड (ग) में बतायी गयी पद्धति के अनुसार यदि कोई कर्मचारी सेवा से नियूक्त होता या हुआ है तो ऐसी हालत में छुट्टी मंजूरी का सक्षम प्राधिकारी उसके जमा की अर्जित छुट्टी के मामले में छुट्टी वेतन के बराबर नकद को अधिकतम (240) दिनों की शर्त पर और साथ ही उसके जमा का पूरे अर्ध-वेतन छुट्टी को मंजूर कर सकता है परन्तु इस अवधि इसके सेवा से ऐसा निवृत्त होने या हुई तारीख के बीच की ओर उसकी सेवा पर शामिल शर्तों के अधीन सेवा निवृत्ति के लिए निर्धारित शायद पर पहुंचने के बाद सेवा से निवृत्त होने पर यह अवधि अधिक नहीं होती चाहिए । छुट्टी का नकद समांतर अर्जित छुट्टी के लिए ग्राह्य छुट्टी का वेतन से बराबर होगा या पूर्व 240 दिनों के लिए छुट्टी की वेतन पर ग्राह्य अर्ध-वेतन छुट्टी के साथ मंहगाई भत्ता के मूलाधिक छुट्टी वेतन के बराबर उम कर्मचारी के सेवा निवृत्त होने या निवृत्ति की तारीख पर नायू दर के मूलाधिक होगा । पेन्शन और अन्य सेवा निवृत्ति लाभ के पेन्शन समांतर और तर्थक राहत/पेन्शन पर येडेंड राहत को अर्ध-वेतन छुट्टी की अवधि में भुगतान किये गये छुट्टी वेतन । यदि कुछ हैं तो जिसके लिए नकद समकक्ष अर्थें हैं, बटाया जाएगा । इस प्रकार से गणना की गयी रकम को एक मुश्त में एक ही बार का निपटारे के रूप में भुगतान किया जाएगा । यह किराया भत्ता या नगर प्रति कर भत्ता नहीं दिया जाएगा ।

बारें हैं कि अर्ध-वेतन छुट्टी छट्क के लिए वेतन का छुट्टी पेन्शन और अन्य पेन्शनरी लाभ, अर्ध-वेतन छुट्टी के कम होने पर नकद समकक्ष मंजूर नहीं किया जाएगा ।

(5) (क) जब कोई कर्मचारी वि.पी.ई. (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) विनियम 1968 के उपर्योग के अधीन “पै पेन्शन्टी” के रूप में अनिवार्यतः नियूक्त होता है और अनुशासनिक प्राधिकार नियमों के अनुसार उसके पेन्शन रकम में किसी प्रकार की कटौती (उपवास सहित) नहीं करते पर छुट्टी मंजूरी करते का सक्षम प्राधिकार उस कर्मचारी की ऐसी निवृत्ति तारीख में उसके जमा में यदि कुछ अर्जित छुट्टी होने पर, उसके छुट्टी वेतन का नकद समकक्ष उप-विनियम (2) के खण्ड (ख) में सूचित शर्त पर अधिक से अधिक वो सौ आलीस विनों के अनुसार मंजूर करने के आदेश स्वरूप जारी करेगा ।

(6) (क) (i) जब किसी कर्मचारी की सेवा को नोटिस द्वारा या नोटिस के बदले में वेतन और भत्ता भुगतान द्वारा या अन्यथा उसकी नियूक्ति के शर्तों पर समाप्त किया जाने पर छुट्टी मंजूरी के सक्षम प्राधिकार से उसको सेवा से हटाने की तारीख तक उसके जमा में रहे अर्जित छुट्टी के लिए अधिकतम 240 दिनों की शर्त पर नकद समकक्ष मंजूर सुओं भोटों पर कर सकता है ।

(ii) यदि कोई कर्मचारी सेवा से इस्तीफा देने पर या निकाल दिया जाने पर छुट्टी मंजूरी के सक्षम प्राधिकार के उसे सेवा से हटा देने की तारीख से उसके जमा की अर्जित छुट्टी के लिए इस प्रकार की छुट्टी की आधी सीमा अधिकतम (120) विनों का नकद समकक्ष सुओं भोटों पर मंजूर किया जा सकता है ।

(iii) किसी कर्मचारी को जिसे सेवा-निवृत्ति के उपरांत पुनः नियूक्त करके और उसके पुनः नियूक्ति से टेरिमिनेशन करते पर उसे छुट्टी मंजूरी करते के सक्षम प्राधिकार द्वारा उसकी पुनः नियूक्ति समाप्ति की तारीख पर अधिकतम (240) दिनों की शर्त पर (निवृत्ति के समय में भुत्ताने के ग्राह्य अवधि नहिं) उसके जमा में अर्जित छुट्टी के लिए समकक्ष नकद सुओं भोटों पर मंजूर कर सकता है ।

(ख) खण्ड (क) के अंतर्गत भुगतान की जाने वाली समकक्ष नकद को उप-विनियम (2) के खण्ड (ख) में सूचित पद्धति के अनुसार और खण्ड (क), के उप-खण्ड (iii) के अधीन समकक्ष नकद के अधिकलन के प्रयोजनार्थ गणना करते पूर्व नियूक्ति के समाप्ति की तारीख का वेतन, पेन्शन समायोजन से पहले और अन्य निवृत्ति लाभों के बराबर पेन्शन समकक्ष एवं उग वेतन के मध्यस्थि भंगाई भत्ता पर पुनःनियूक्ति पद के स्लेल पर निर्धारित किया जाएगा ।

33. सेवा के समय में मरते के मामले में छुट्टी वेतन के बराबर नकद :- यदि कोई कर्मचारी सेवा समय में मर जाने पर ऐसी हालत में डिसीजड कर्मचारी के उराकी देय छुट्टी के अनुसार अर्जित छुट्टी पर जाने पर उसकी छुट्टी की समकक्ष नकद जो प्राप्त होगा मगर मृत्यु के कारण तुरंत मृत्यु की तारीख ऐसी होने पर (विनियम 35 निर्देश नियमों के अनुसार मृत्यु तथा नियूक्ति उपकान का पेन्शन समांतर में कोई कटौती किये बगैर) 240 दिनों के अधिक न होने वाले छुट्टी वेतन उस परिवार को दिया जाएगा ।

नोट: इस विनियम के अंतर्गत अनुमेय छुट्टी वेतन का समांतर नकद के अधिकरिक्त इस संदर्भ में पृथक रूप से आदेश पाने के मुताबिक भूतक कर्मचारी के परिवार को मंहगाई भत्ता दिया जाएगा ।

34. सेवा के लिए अयोग्य समझें जाने पर वेतन छुट्टी का समकक्ष नकद:—

किसी कर्मचारी को यदि किसी चिकित्सा प्राधिकार से यह प्रमाणित किया जाता है कि यह आपो की सेवा के लिए पूर्णतः और अस्थायी रूप में अशक्त हैं तो ऐसी हालत में छुट्टी मंजूरी प्राधिकार द्वारा उसकी अप्रकट करते की तारीख से उसको देय और अनुमेय छुट्टी के मामले में छुट्टी वेतन के समकक्ष नकद “सुझी नोट” पर बारत है कि छुट्टी की अवधि जिसके लिए उसे समकक्ष नकद मंजूर किया जाए वह उसकी सेवा की शर्तों को पूरा करके सेवानिवृत्ति के लिए निर्धारित करने वाली शायद पर पहुंचने के बाव की सारीख के उपरांत नहीं होने पर सभी उसके समकक्ष नकद मंजूर किया जाएगा, इस प्रकार की समकक्ष नकद भुगतान विनियम 32 के उप विनियम (5) में गणना किये गये छुट्टी वेतन के बराबर होगा । कोई कर्मचारी जो स्थायी नियूक्ति पर नहीं है, सेवा से उसकी अप्रकटता प्रकट करते की तारीख से उसके जमा में नियूक्ति अर्ध-वेतन छुट्टी के मामले में छुट्टी वेतन का समकक्ष नकद मंजूर नहीं किया जाएगा ।

35. कर्मचारी की मृत्यु आवि के मामले में छुट्टी वेतन का समकक्ष नकद की भुगतान:—

यदि कोई कर्मचारी, सेवा पर रहते या सेवा निवृत्ति के उपरांत या कार्य की अंतिम सत्र के बाद विनियम-32, 33 और 34 के अंतर्गत भुगतान की जाने वाले उसके छुट्टी वेतन की समकक्ष नकद की वास्तविक प्राप्ति से पहले मर जाने पर इस प्रकार का रकम भुगतान करता होगा ।

(1) यदि कर्मचारी पुली हैं तो विधवा पली को और यदि एक से अधिक विधवा पली होने पर वही जीवित विधवा तो; कर्मचारी यदि स्त्री होने पर उसके पति को दिया जाएगा ।

स्पष्टीकरण :-

“एसडस्ट सरकाराविग विडो” (बड़ी जीवित विधवा उक्त शब्द का अध्ययन प्रकार की तारीख से है लेकिन उनकी आप्ति से नहीं ।

(2) विधवा या पति के नहीं होने पर, जैसा भी हो मामले के अन्तर्गत वडे पुत्र को या दलक पुत्र को जो जीवित है ।

(3) उपर्युक्त 1 और 2 के नहीं होने पर वडी अविवाहित पुत्री जो जीवित है ।

(4) उपर्युक्त 1 से 3 के नहीं होने पर, वडी विधवा पुत्री जो जीवित है ।

(5) उपर्युक्त 1 से 4 के नहीं होने पर पिता को ।

(6) उपर्युक्त 1 से 5 के नहीं होने पर माता को ।

(7) उपर्युक्त 1 से 6 के नहीं होने पर अठारह साल में कम उम्र वाले वडे भाई को जो जीवित है ।

(8) उपर्युक्त 1 से 7 के नहीं होने पर अविवाहित छोटी बहन को जो जीवित है और

(9) उपर्युक्त के न होने पर वडी विधवा बहन जो जीवित है ।

36. कर्मचारी के आवेदन पत्र पर प्रर्जित छुट्टी को भुगतान की अनुमति निम्नलिखित शर्तों पर दिया जा सकता है ।

(क) रोकाइ देय के लिए पूरे वर्ष में मिर्फ़ एक ही बार मंजूर किया जाएगा । यह कर्मचारी की छुट्टी में 50% तक सीमित किया जाएगा और साथ ही साथ कर्मचारी को 7 दिनों की छुट्टी को प्रयुक्त करना होगा । भुगतान और प्रयुक्त की गयी कुल छुट्टी की छुट्टी सेव्स नामे में डाला जाएगा ।

(ख) इस प्रकार के प्रत्यक्षमेट के लिए कर्मचारी वास्तव में छुट्टी पर जाने के समय पर उसकी योग्यता के अन्तरार और भला के रकम अधिम के रूप में दिया जाएगा ।

(ग) छुट्टी के अवधि में दी गयी रकम को किसी प्रयोजनों के लिए परिवर्तित की गयी रकम के रूप में नहीं दिया जाएगा । कृष्ण और अधिम इत्यादि के वसुली की शर्त भी लागू नहीं होगा ।

37. छुट्टी बेतन :

(1) कोई कर्मचारी जो अर्जित छुट्टी पर जा रहा है तो अर्जित छुट्टी में जाने के पहले उसके बेतन के बाबत के छुट्टी बेतन के लिए हकदार होगा ।

नोट : भारत से बाहर विदेशी सेवा में विसाने पर उम्र अवधि के बारे में यदि कर्मचारी भारत में छुट्टी पर रहने समय बेतन ले लिया है तो उसकी भारत से बाहर विदेशी सेवा के लिए छुट्टी बेतन की गणना करने समय वास्तव में निवाली गयी बेतन के लिए प्रतिस्थापित किया जाएगा ।

2. कोई कर्मचारी अर्धवेतन छुट्टी पर या अवैय छुट्टी पर है तो [उप-विनियम (1)] में विनियिष्ट छुट्टी बेतन में आवृत्ति रकम का हकदार होगा ।

3. कोई कर्मचारी परिणाम छुट्टी पर होने पर [उप-विनियम (1)] के अधीन की छुट्टी बेतन के अनुपयुक्त रकम पाने का हकदार होगा ।

4. अग्राधारण छुट्टी पर जाने वाले कर्मचारी को किसी प्रकार के छुट्टी बेतन पाने का हक्क नहीं है ।

5. यदि कोई कर्मचारी की पुर्न-नियुक्ति के दौरान उसे मंजूर की गयी अर्जित छुट्टी के लिए उम्र कर्मचारी द्वारा निकाली गयी बेतन के आधार पर, धैर्य और अन्य पेन्यान निर्धारित लाभों को छोड़कर छुट्टी बेतन दिया जाएगा ।

6. (क) यदि कोई कर्मचारी सेवा से निवाला या इसीका देने के संदर्भ में अग्रर उससे उपयोग किया गया छुट्टी उसकी देय जमा में से अधिक होने पर उसके छुट्टी बेतन के संदर्भ में आवृत्ति अविवाहित समायोजन किया जाएगा ।

(ख) जब कोई कर्मचारी जो सेवा में बद्धास्त या निकाल दिया गया है या सेवा में रहने वाले जाने पर उसके द्वारा पहले ही उपयोग की गई अर्जित छुट्टी की मात्रा विनियम-25 के उप-विनियम (2) के बाण्ड (ख) के अधीन उसके जसा छुट्टी में अधिक होने पर ऐसे मामले में छुट्टी बेतन अनियन्त्रित भुगतान की बजाए दिया जाएगा ।

38. छुट्टी बेतन निकालना :

इन विनियमों के अन्तर्गत देय छुट्टी का बेतन भारत में उपयोग में निकाला जाएगा ।

39. छुट्टी बेतन का अधिम :

विदेशी सेवा के कर्मचारी महिला कर्मचारी को जो कम से कम 30 दिनों के अवधि की छुट्टी के लिए अग्रसर होने पर उसे निम्नलिखित शर्तों पर छुट्टी बेतन के बदले में एक महीने का बेतन तक प्रप्रिम दिया जा सकता है ।

(1) प्रथिम की रकम को पहले महीने की छुट्टी के लिए भत्ता महिला एक महीने के छुट्टी बेतन के गुद रकम तक सीमित किया गया है इसमें से ग्राम्य, अविवाहित, गृह किराया अधिम की वस्त्री इत्यादि की कटीती के बाबत दिया जाएगा ताकि किसी प्रकार की वित्तीय जोखिम नहीं हो ।

(2) उपयोग की गयी छुट्टी के मामले में अधिम को पूर्णतः छुट्टी बेतन विल से समायोजित किया जाना चाहिए । प्रप्रिम को इस प्रकार पूर्ण स्वेच्छा समायोजित नहीं होने के मामले में बेतन के अपने भुगतान में से या छुट्टी बेतन या दिनों में से गोप रकम को वसूल किया जाएगा ।

(3) मामले के अनुसार अध्यक्ष, उपाध्यक्ष या विभागाध्यक्षों द्वारा अधिम भंजूर किया जा सकता है ।

(4) अस्थाई कर्मचारी को अधिम किसी स्वायी कर्मचारी में प्रतिसूत के बगैर भी भंजूर किया जा सकता है ।

(5) कर्मचारी का बेतन इत्यादि नामे में डानी गयी लेपा जारी में ही अधिम की रकम को डाना जाएगा ।

(6) इन विनियमों के अन्तर्गत अधिम उपयोग के स्था में वंत्रर किया जाएगा ।

अध्याय—5

40. प्रमूति छुट्टी :

अध्ययन छुट्टी में भिन्न विशेष प्रकार की छुट्टी :—

(1) एक महिला कर्मचारी को (अपरेस्टीस सहित) दो जीवित बच्चों से कम होने पर, छुट्टी मंजूरी के मक्षम प्राधिकार में इसकी गुरुमात्रा की तारीख से 90 दिनों की अवधि के लिए प्रमूति छुट्टी मंजूर का जा सकती है ।

(2) इस प्रकार की अवधि के दौरान उसे छुट्टी पर जाने से पहले बेतन वाले बेतन के बगाबर छुट्टी का बेतन दिया जाएगा ।

(3) महिला कर्मचारी को गर्भायात्र, गर्भपात्र सहित (जीवित बच्चों की सं. का विचार किए बगैर) विनियम-17 में निर्धारित के अनुसार विकित्सा, प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर 6 हफ्ते तक, प्रमूति छुट्टी भी भंजूर का जा सकता है ।

(4) (क) प्रमूति छुट्टी को किसी भी अन्य प्रकार की छुट्टी से मिलाया जा सकता है ।

(ख) विनियम-27 के उप-विनियम—1 में या विनियम-28 के उप-विनियम—1 में निहित विकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की कोई आवश्यकता के बिना आवेदन करने पर देय और अनुमेय प्रकार की छुट्टी (60 दिनों की अवधि तक की परिमात्र छुट्टी और अर्जित अन्य छुट्टी सहित) अधिक से अधिक

एक वर्ष की अवधि तक, उप-विनियम (1) के अन्तर्गत मंजूर की गयी प्रसूति छुट्टी से जारी छुट्टी मंजूर की जा सकती है।

(5) प्रसूति छुट्टी को छुट्टी लेखा के नामे में शामिल नहीं किया जाएगा।

(41) आजल सामिक्षण्य से सक्रियत विशेष अपरंगता के लिए छुट्टी:

(1) छुट्टी मंजूरी सक्षम प्राधिकार द्वारा, किसी कर्मचारी को (जारी वह स्थायी या अस्थायी के लिए) जो सामिक्षण्य आहत से संक्रियत होने/कारण से/ प्रथवा उपके कार्यालय कार्यों के उचित पालन परिणामस्वरूप या उसके कार्यालय स्थिति के परिणाम-स्वरूप अपरंग होने पर विशेष अपरंगता छुट्टी मंजूर कर सकता है।

(2) इस प्रकार की छुट्टी तब तक मंजूर नहीं किया जाएगा जब तक उस घटना के बाद वह अपरंगत हो गया है, वह अपरंगता (अपरंगता) तीन महीनों के अंदर अपने आप प्रकट नहीं होता और अपरंगत अविक्षित इसे तुरन्त सुनित नहीं करता।

बास्ते कि छुट्टी की मंजूरी का सक्षम प्राधिकार उस अपरंगता के कारणों से सहमत होने पर, उपर्युक्त घटना होने की तीन महीने के बाद भी अपरंगता प्रकट होने लगे तो भी छुट्टी मंजूर करने की अनुमति दे सकता है।

(3) मंजूर की गयी इस प्रकार की छुट्टी को मंडल के चिकित्सा अधिकारी से प्रमाणित किया जाना चाहिए और किसी भी हालात में 24 महीनों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(4) विशेष अपरंगता छुट्टी को किसी भी अन्य प्रकार की छुट्टी से मिलाया जा सकता है।

(5) यदि अपरंगता (अपरंगता) उसी प्रकार की परिस्थितियों में नीच या किर से उत्पन्न होने पर एक अधिक वार विशेष अपरंगता (अपरंगता) छुट्टी मंजूर की जा सकती है परंतु 24 महीनों से अधिक नहीं हुए प्रकार की छुट्टी किसी एक अपरंगता के परिणाम स्वरूप मंजूर की जाएगी।

(6) अपरंगता के विशेष छुट्टी पेन्जन के लिए नेत्रा परिकलन में गिरा जाएगा, केवल श्लाज (भी) के उत्तरांगन (7) के अन्तर्गत मंजूर किया गया छुट्टी अपने छुट्टी खाते में रेकिट की जाएगी।

(7) इस प्रकार की छुट्टी के बोगत छुट्टी का बेतन:

(क) उप-विनियम (5) के अन्तर्गत मंजूर की गयी ऐसी छुट्टी की अवधि महिने इस प्रकार की छुट्टी की प्रथम 120 दिनों की अवधि अर्जिते छुट्टी पर होने पर उस छुट्टी बेतन के बगवर होगा।

(ख) इस प्रकार की कोई भी छुट्टी की बाकी अवधि, अर्ध-वेतन छुट्टी के दोस्त की छुट्टी-बेतन के बगवर होगी।

बास्ते कि किसी कर्मचारी को, अपने विकल्प पर उप-विनियम (क) के अनुसार अन्य 120 दिनों से ज्यादा नहोने की शर्त पर छुट्टी बेतन के लिए अनुमति दिया जा सकता है और ऐसी परिस्थिति में इस प्रकार की छुट्टी अवधि को उसके अधिक-बेतन छुट्टी लेखा में डाना जाएगा।

(8) किसी अविक्षित के मामले में जिसमें कामगार मुशावजा अधिनियम 1923 (1923 का 8) लागू होता है, इस मंबद्ध में देव छुट्टी बेतन की रकम को, उक्त अधिनियम की धारा-4 की उप धारा (1) का छण्ड (घ) के अन्तर्गत देव मुशावजा रकम से घटाया जाएगा।

(42) दुर्घटनात्मक आहत (जरूर) के लिए विशेष अपरंगता छुट्टी:

(1) विनियम-41 के उपबंध, स्थायी या अस्थायी सभी कर्मचारी पर लागू होगा जो दुर्घटनात्मक रूप के जरूर तोरा या उसके कार्यालयी कार्यों के परिणामस्वरूप ग्रथवा उसके कार्यालय परिस्थिति के परिणाम-स्वरूप ग्रथवा किसी खाग इयटी निष्पादन के समय पर ग्रस्वस्थ होने पर जिसके प्रभाय से वह अस्वस्थ हुआ है, या उसके पद से संबंधित ग्रामीण जीवन में पर ग्रामीण हुआ है।

(2) ऐसे उपर्युक्त मामलों के अन्दर में विशेष अपरंगता छुट्टी को मंजूर आये को शर्तों के अधिकार पर दिया जाएगा।—

(i) इसी रोग के कारण अपरंगता सभव होने पर, यह उस खास इयटी के निष्पादन से प्रत्यक्ष अपरंगत हो गया है ऐसा कहते हुए मंडल के चिकित्सा अधिकारी ने प्रमाणित किया जाना चाहिए।

(ii) किसी कमस्तारों के सेवाकालीन समय में उन सेवा के जरिए इस प्रकार को अपरंगता प्राप्त करने पर, छुट्टी मंजूर करने के समान अधिकारी को गया में यह विशेष चिकित्सा में जाने पर दिया जाएगा।

(iii) मंडल के चिकित्सा अधिकारी द्वारा गिफारिश की गयी अनु-परिस्थिति का अवधि को, इस विनियम के अन्तर्गत छुट्टी के रूप में माना जाएगा और इसी भाग के किसी अन्य प्रकार की छुट्टी को जो भी अपरंगता के कारण विशेष छुट्टी के रूप में मंजूर किये गये रकम जो अर्जित छुट्टी के बराबर होता, वह छुट्टी 120 दिनों से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

43. अस्पताल छुट्टी:

छुट्टी मंजूर का सक्षम प्राधिकार गिफारिश को अस्पताल छुट्टी मंजूर कर सकता है:—

(क) श्रेणी-3 के रकमचारों।

(ख) ऐसे श्रेणी-3 कर्मचारियों को जिनकी इयटी खतरनाक मशीनरी विस्कोटक सामग्री, विवेनो या इसी प्रकार के दवाइयां या जोड़ियम कार्य निष्पादन इयटादि के सभलाई करने में होता है बीमार या ऐसी बीमारी भे जाती या उनके ऑफिस इयटी के दौरान जोड़ियम से प्रत्यक्ष रूप में हुए आवश्यक होने के समय में जो अस्पताल या अस्थाया चिकित्सा के अन्तर्गत रहने के समय पर दिया जाएगा।

(2) अस्पताल छुट्टी मंडल के चिकित्सा अधिकारों द्वारा चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रत्यक्ष करने पर मंजूर किया जाएगा।

(3) मंजूरी प्राधिकार से यह आवश्यक समझे जाने पर उस प्रकार को अवधि के लिए, अस्पताल छुट्टी मंजूर किया जा सकता है।

(i) इस प्राप्त की छुट्टी के समान वेतन और

(ii) इस प्रकार को किसी छुट्टी की बाकी अवधि के लिए अधिक-वेतन छुट्टी के दौरान छुट्टी वेतन के बराबर।

(4) अस्पताल छुट्टी को छुट्टी लेखा के नामे में नहीं डाला जाएगा और यह किसी अन्य छुट्टी के साथ मिलाया जा सकता है जो अनुमेय है, परन्तु इस प्रकार की मिलावट छुट्टी का कुल अवधि 28 महीनों से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(5) कामगार मुशावजा अधिनियम 1923 (1923 का 8) लागू होने वाले व्यक्ति के मामले में इस नियम के अन्तर्गत देव रकम को उक्त अधिनियम के धारा-4 के उपधारा (1) का छण्ड के अधीन देव मुशावजा रकम से घटाया जाएगा।

(6) “मिडियोप्राफर-कम-डार्क रूम” गहायरों के लिए अनिवार्य छुट्टी:

(1) प्रत्येक रेडियोप्राफर-कम-डार्करूम महायक को हर वर्ष अनिवार्य एक महीने की छुट्टी मंजूर किया जाता है और एक महीने की छुट्टी में से आधी छुट्टी को कर्मचारी के छुट्टी लेखा में डाला जाएगा और ये प्रत्येक को मंडल द्वारा दिया जाएगा।

(2) उपर्युक्त उप-विनियम (1) में कथित विशेष छुट्टी के लिए यदि कोई कर्मचारी श्वसर होने पर मंडल द्वारा दी गयी छुट्टी अपने लिए छुट्टी पर जाने से पहले निकालो गये वेतन के बराबर छुट्टी वेतन का हवादार होगा।

प्रध्याय-6 (प्रध्ययन छट्टी)

45. प्रध्ययन छट्टी मंजूर करने की शर्तेः—

1. इस प्रध्याय में निर्धारित शर्तों के अनुसार मण्डल सेवा की आवश्यकता पर भारत में या भारत से बाहर एक विशेष उच्च शिक्षा के प्रध्ययन हेतु या अपने प्रध्ययन क्षेत्र से नजदीकी और प्रत्यक्ष संबंध रखने वाला व्यावसायिक या तकनीकी विषयों पर विशेष प्रकार का प्रशिक्षण के लिए किसी कर्मचारी को प्रध्ययन छट्टी मंजूर किया जा सकता है।

2. प्रध्ययन छट्टी इस प्रकार भी दिया जा सकता है:—

(i) प्रशिक्षण या प्रध्ययन दारा पाठ्यक्रमों के लिए, जिसमें कर्मचारों नियमित गैरकानिक या अधृत गैरकानिक पाठ्यक्रम यदि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम या प्रध्ययन दारा सार्वजनिक हित की दृष्टि से मण्डल के लिए नियमित लाभ प्रमाणित करने वाला है और कर्मचारी के कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित होने वाले पाठ्यक्रमों में उपस्थित न होने पर, और

(ii) लोक प्रशासन का बांचा या पृष्ठभूमि से संबंधित प्रध्ययन के प्रयोजनार्थ निम्ननिष्ठित शर्तों पर:—

(क) वह खास प्रध्ययन या प्रध्ययन दोग छट्टी मंजूरी के संधर्म प्राधिकार से अनुमोदित किया जाना चाहिए और

(ख) कर्मचारी को अपने वापसी के बाद प्रध्ययन छट्टी पर उसके द्वारा किये गये कार्यों का रिपोर्ट प्रस्तुत करना होगा।

(iii) किसी कर्मचारी से नजदीकी या प्रत्यक्ष संबंध में रखने पर भी उसकी एक योग्य कर्मचारी के रूप में उसकी सक्षमता बढ़ाने के तरीके से उसकी बुद्धिमता को विस्तृत करने और लोक सेवा के अन्य गाम्भीर्यों में नियोजित कर्मचारियों के साथ मिलकर काम करने लायक बनाने वाले प्रध्ययन के लिए।

नोट: खण्ड (iii) के अन्तर्गत आये प्रध्ययन छट्टी भावेवत के भागों को लेखा विभाग के परामर्श पर प्रत्येक मामले के गुणों के आधार पर विचार किया जाएगा।

(3) प्रध्ययन छट्टी तथा तक नहीं मंजूर किया जाएगा कि:—

(i) छट्टी मंजूरी के संधर्म प्राधिकार से यह प्रमाणित किया जाना चाहिए कि प्रस्तावित प्रध्ययन का कोई या प्रशिक्षण सार्वजनिक हित की दृष्टि से निष्पत्त रूप से लाभदायक है।

(ii) गैरकानिक या गाहियक विषय को स्थोरकर यह प्रध्ययन विषयों में अधियोग के लिए है वशर्ते कि मण्डल से यह प्रमाणित किये जाने पर, कि इस प्रकार का प्रध्ययन विकिस्ता विज्ञान में स्नातकोस्तर प्रध्ययन कोर्स का अधियोग ऐसे चिकित्सा अधिकारी के लिए उसके कार्य निधान में उसकी वक्ता और महत्व की बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है तभी चिकित्सा अधिकारी की प्रध्ययन छट्टी की मंजूरी के सकता है। वशर्ते यह भी है कि किसी विशेषज्ञ या टैक्नीकल व्यक्ति को प्रत्येक के गुणों के आधार पर उनके सेवा क्षेत्र से प्रत्यक्षतः संबंधित स्नातकोस्तर पाठ्यक्रम प्रध्ययन का अधियोग करने के लिए प्रध्ययन छट्टी तभी दे सकता है जब संधर्म प्राधिकार यह प्रमाणित करता है कि विशेषज्ञ या टैक्नीकल को उसके कार्य क्षेत्र में आधुनिक विकास के साथ-साथ, उसके टैक्नीकल स्तर और संधर्म में मुधार होगा और इस प्रकार से मण्डल को व्यापक रूप में लाभ होगा।

(iii) यदि प्रध्ययन भारत से बाहर होने पर वित्त मंत्रालय का आर्थिक विभाग प्रध्ययन छट्टी की मंजूरी में संभावित विवेशी मुद्रा देने के लिए सहमत होगा।

अपर्याप्ते कि विदेश में प्रध्ययन छट्टी पर जाने वाले कर्मचारियों को विदेश मुद्रा की रिहाई में पूर्वोक्त विभाग प्रपते में सन्तुष्ट हो जाता है कि ऐसा कर्मचारी उक्त विभाग से समय-समय पर उन व्यक्तियों को जा प्रपते खर्च पर उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाते हैं उनके लिए विदेशी मुद्रा की रिहाई नियम में जारी किये गये सामान्य आदेशों में निर्धारित न्यूनतम शैक्षिक मानदंड का पालन करते हैं।

(4) भारत वर्ष में किसी विषय के प्रध्ययन अभियोग के लिए उचित संविधान उपलब्ध होने पर अध्ययन वित्त मंत्रालय या शिक्षा मंत्रालय के आर्थिक विभाग से प्रधारित किसी भी योजना के अन्तर्गत आये वाले प्रध्ययन छट्टी भारत से बाहर के लिए मंजूर नहीं किया जाएगा।

(5) किसी कर्मचारी को प्रध्ययन छट्टी दिया जा सकता है:—

(i) संतोषजनक ठंग से जो परिवेशाधिक पूरा करता और मण्डल के अधीन परिवेशाधिक सहित पांच वर्षों का लगातार सेवा पूरा करता है।

(ii) जो अपनी छट्टी समाप्ति के बाद अपनी छट्टी पर वापिस आये की तारीख से तीन वर्षों के भीतर मण्डल सेवा से निर्वतन की आयु पर नहीं पहुंचता और

(iii) जो विनियम-49 (3) में दिये वक्तन पर मण्डल को उसको छट्टी समाप्ति के उपरान्त तीन वर्षों तक सेवा करने या बांड नियादित करता है।

(6) प्रध्ययन छट्टी ऐसे कर्मचारियों की बार-बार मंजूर नहीं किया जाएगा जिससे कर्मचारी को उसके नियमित कार्य निष्पादन से निकाला जाय या उसके छट्टी पर जाने से फैडर कठिनाइयों उत्पन्न होने की संभावना या उत्पन्न हो सकती है।

(46) प्रधिकारक प्रध्ययन छट्टी का परिमाण :

किसी कर्मचारी को मंजूर की गयी अधिकतम प्रध्ययन छट्टी का परिमाण :—

(क) किसी एक समय में साधारणतः बारह महीने और

(ख) उसके पूरे सेवाकाल में पूरे चौबीस महीने (इसी प्रकार के प्रध्ययन या प्रशिक्षण के लिए विये छट्टी या किसी अन्य नियम या विनियमों के अधीन मंजूरी सहित)

(47) प्रध्ययन छट्टी मंजूर करने का संधर्म प्राधिकार :

प्रध्ययन छट्टी निम्ननिष्ठित से मंजूर किया जा सकता है:—

(क) महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 24 के उप धारा (i) का खण्ड (क) से संबंधित कर्मचारियों के मामले में मण्डल द्वारा और

(ख) अन्य सभी मामलों के संबंध में प्रध्ययन या उपाध्यय द्वारा जैसा अंतिम हो।

(48) प्रध्ययन छट्टी के लिए आवेदन पत्र :

(1) (क) प्रध्ययन छट्टी के लिए हर आवेदन पत्र को उचित माध्यम के जरिये छट्टी मंजूरी के गक्षम प्राधिकार को प्रस्तुत करना होगा।

(ख) कर्मचारों द्वारा प्रधारित पाठ्यक्रम या प्रध्ययन पाठ्यक्रम और किसी भी परीक्षा के लिए जिसके लिए वह जाना चाहता है उनके बारे में ऐसे आवेदन में स्पष्ट रूप से विनिर्दिष्ट किया जाए।

(2) जहां पर कर्मचारी के लिए आवेदन पत्र में पूरे धिकरण देना अनिवार्य हो या यदि भारत छोड़ने के बाद, भारत में अनुमोदित की गयी कार्यक्रम में किसी प्रकार का परिवर्तन होते पर, जिसनी जल्दी हो सके

उत्तरे समय में इसके विवरण मिशन के अध्यक्ष या छुट्टी मंजूरी सक्षम प्राधिकार को प्रस्तुत करना होगा और वह तब तक अपने जोखिम पर अध्ययन पाठ्यक्रम की शुरुआत या उसके संबंध में किसी प्रकार के व्यय करने का प्रबंध नहीं कर सकता जब तक कि वह अध्ययन छुट्टी मंजूर करने के सक्षम प्राधिकार से पाठ्यक्रम के लिए अनुमोदन प्राप्त करता।

49. अध्ययन छुट्टी की मंजूरी:

(1) श्रेणी-1 और 2 अधिकारियों के लिए अध्ययन छुट्टी की स्थीर्यता के बारे में लेखा विभाग से एक रिपोर्ट प्राप्त करना होगा।

शरण है कि कर्मचारी द्वारा पहले ही उपर्योग की गयी यदि कोई अध्ययन छुट्टी है तो उन्हे रिपोर्ट में शामिल करना होगा।

(2) जब अध्ययन छुट्टी विवेग में अध्ययन प्रभियोग के लिए मंजूर करने पर संबंधित मिशन के अध्यक्ष, केन्द्र सरकार द्वारा छुट्टी मंजूरी प्राप्तिकार के उस तथ्य के बारे में सूचित करना होगा।

नोट:—किसी प्रवार के परिचय पत्र पाने या इसी प्रकार के अन्य प्रयोग सुविधाओं के लिए कर्मचारी द्वारा मिशन के अध्यक्ष से संपर्क रखना होगा।

(3) (क) प्रयेक स्थायी कर्मचारी को जिन्हें अध्ययन छुट्टी या इसी प्रकार के अध्ययन छुट्टी की छानते के लिए मंजूरी दिया गया है, उन्हें उसकी अध्ययन छुट्टी या उस छुट्टी को बदाने की मंजूरी शुरुआत करने से पहले फार्म-8 में एक (बंध पत्र) बाण्ड निष्पादित करना पड़ेगा।

(ख) प्रयेक अस्थायी कर्मचारी जिन्हें अध्ययन छुट्टी या इस प्रकार के अध्ययन छुट्टी के विस्तार हेतु मंजूर किया गया है उन्हें अध्ययन छुट्टी या उसके विस्तार के लिए दी गयी मंजूरी की शुरुआत करने से पहले फार्म-9 या फार्म-10 में एक आण्ड निष्पादित करना पड़ेगा।

(ग) छुट्टी मंजूरी सक्षम प्राधिकार लेखा विभाग की एक प्रभावित प्रमाणपत्र भेजना होगा कि खण्ड (क) या खण्ड (ख) में संर्दैमित कर्मचारी से आवश्यक आण्ड निष्पादित किया गया।

(4) (क) अध्ययन कोर्स पूरा करने पर, कर्मचारी को उसे अध्ययन छुट्टी मंजूर करनेवाले प्राधिकार को परीक्षा में उत्तीर्ण होने के प्रमाणपत्र या की गयी विशेष अध्ययन कोर्स विवरण तथा यदि अध्ययन कोर्स के प्रधारी प्राधिकार के कुछ टिप्पणी होने पर, टिप्पणी सहित कोर्स की शुरुआत और समाप्ति की तारीख सूचित करते हुये कर्मचारी को प्रमाणात्मक प्रस्तुत करना होगा।

(ख) भारत में आहर यदि अध्ययन करने के लिए जाने पर और वहां पारंतीय मिशन होने पर संबंधित मिशन के प्रमाण द्वारा प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाये।

50. अध्ययन छुट्टी का हिसाब रखना तथा अन्य प्रकार के छुट्टी से संयोजन करना।

(1) अध्ययन छुट्टी को कर्मचारी के छुट्टी लेखा में नहीं डाला जाएगा।

(2) अध्ययन छुट्टी को अन्य प्रकार के छुट्टी से संयुक्त किया जा सकता है परन्तु कर्मचारी की निर्धारित इन्होंने से अठाइस महीनों की कुल अनुपर्याप्ति महीने असाधारण छुट्टी को छोड़कर किसी भी मासमें इस छुट्टी की मंजूरी को छुट्टी में नहीं मिलाया जाएगा।

स्पष्टीकरण:—इस उप-विनियम में निर्धारित अठाइस महीने की सीमा में अवधि भी शामिल है।

(3) किसी कर्मचारी को प्रपनी इच्छा पर किसी अन्य प्रकार की छुट्टी से मिलाकर अध्ययन छुट्टी मंजूर किया जाए और किसी भी अन्य तरह की छुट्टी में अध्ययन कोर्स की शुरुआत कर सकता या ले सकता है और विनियम 53 में निहित शर्तों का पालन करने पर उस अध्ययन का अध्ययन मत्ता भी ले सकता है।

बाशने हैं कि इस प्रकार अध्ययन कोर्स के बाहर वाली छुट्टी अवधि को अध्ययन छुट्टी के रूप में नहीं गिना जाएगा।

51. अध्ययन कोर्स के बाब विस्तृत किये गये अध्ययन छुट्टी का विनियम :

जब अध्ययन कोर्स के लिए कर्मचारी फॉर्म अध्ययन छुट्टी कम होने पर, कर्मचारी अपने अध्ययन कोर्स ममान्त होने के बाब छुट्टी कम होने पर तब तक नहीं आ सकता जब तक छुट्टी मंजूरी का सक्षम प्राधिकार पिछली मंजूरी को कम होने वाली अवधि की साधारण छुट्टी के रूप में मनाने के लिए सहमत हो।

52. अध्ययन छुट्टी के बीच छुट्टी का बेतन :

(1) भारत से बाहर उपर्योग में लायी गयी अध्ययन छुट्टी में किसी कर्मचारी को इस प्रकार की छुट्टी पर जाने के सुरक्षा पहले मंडल के इन्हों पर रहने के समकाल छुट्टी का बेतन के अलावा मरुगाई भत्ता, गृह किराया भत्ता और विनियम 53 से 50 में यथा व्यवस्थित के अनुसार अनुमेय अध्ययन मत्ता ले सकता है।

(2) (क) भारत में उपर्योग की गयी अध्ययन छुट्टी के बीच छुट्टी के लिए जाने से पहले तुरन्त मण्डल के साथ छुट्टी पर रहने समय निकाली गयी बेतन के बाब छुट्टी बेतन निकाल सकता है और मरुगाई भत्ता एवं गृह-किराया भत्ता जो विनियम 56में व्यस्थित के अनुसार जो स्थीकार्य है वह भी सम्मिलित है।

(ख) खण्ड (क) के अन्तर्गत संतुष्ट वर पर छुट्टी बेतन का मुगलान तब तक नहीं प्राप्त करता जब तक कि कर्मचारी द्वारा यह व्यवहार किसी प्रकार की छाक्षर्वृत्ति, "स्टाइफॉड" या किसी भी प्रकार के अंश-कालिक रोजगार पारिश्रमिक प्राप्त करता है।

(ग) किसी कर्मचारी द्वारा छुट्टी अध्ययन अवधि के दोरान छाक्षर्वृत्ति, स्टाइफॉड या विनियम 3 का उप-विनियम (2) निर्धारित के अनुसार किसी प्रकार का अंश-कालिक रोजगार पारिश्रमिक प्राप्त करते तो इस उप-विनियम के अधीन वेय छुट्टी बेतन से समायोजित किया जाएगा, इस पार्ट पर कि अधीन-वेय छुट्टी बेतन का दोरान वेय छुट्टी बेतन का रकम कम नहीं किया जाएगा।

(घ) अध्ययन छुट्टी के दोरान भारत से अध्ययन कोर्सों के लिए किसी प्रकार का अध्ययन भत्ता नहीं दिया जाएगा।

53. अध्ययन छुट्टी मंजूर करने की शर्तें :

(1) किसी कर्मचारी को जिसे (भारत से बाहर अध्ययन के लिए अध्ययन छुट्टी मंजूर किया गया) मान्यता प्राप्त संस्थान से नियत अध्ययन कोर्स के अधियोग द्वारा बितायी गयी अवधि के लिए या किसी भी विदेशी कार्य के निरीक्षण दोरान अध्ययन कोर्स के अंत में किसी परीक्षा द्वारा लगाये अवधि के लिए अध्ययन मत्ता मंजूर किया जाएगा।

(2) किसी कर्मचारी को सरकारी या गैर-सरकारी साधारण से पुरस्कृत अपने छुट्टी बेतन के अन्विति कोर्स कोई छाक्षर्वृत्ति या स्टाइफॉड प्राप्त होता या रखता है अथवा अंशकालिक रोजगार के बारे में किसी अन्य प्रकार के पारिश्रमिक प्राप्त करने या रखने को अनुमति तक दो जा ता है—

(क) इस प्रकार के छाक्षर्वृत्ति या स्टाइफॉड अथवा पारिश्रमिक (यदि छाक्षर्वृत्ति या स्टाइफॉड अथवा पारिश्रमिक के मूल्य कर्मचारी द्वारा वेय शुल्क लागत की कटौती से उत्तम की गुण राखि अन्यथा अनुमेय अध्ययन मत्ता की रकम से अधिक होने के सदर्श में कोई अनुमेय भत्ता नहीं स्थीकार किया जा सकता।

(ख) छाक्षर्वृत्ति या स्टाइफॉड अथवा पारिश्रमिक की शुद्ध रकम अन्यथा अनुमेय अध्ययन मत्ता से कम होने के मामले में छाक्षर्वृत्ति या स्टाइफॉड या अंश-काल रोजगार का कोई अन्य पारिश्रमिक का शुद्ध

मूल्य के बीच की विभिन्नता और अध्ययन भना के छुट्टी मंजूर करने का सभी प्राधिकार द्वारा मंजूर किया जा सकता है।

3. कर्मचारी अपनी सुविधा के लिए उपयोग किये गये उस अवधि के लिए अध्ययन भना मंजूर नहीं किया जाएगा कि जिसे अपने अध्ययन कोर्स में अवधान करता है।

परन्तु छुट्टी मंजूरी सक्षम प्राधिकार अपना मिशन के प्रधान यदि ऐसा व्यवहार विभारी के बलते होते पर उस व्यवहार अवधि के लिए अध्ययन छुट्टी की मंजूरी के लिए प्राधिकृत कर सकता है जो 13 दिनों से अधिक न हो।

4. इन नियमों पर अध्ययन कोर्स के दोरान अवकाश की पूरी अवधि के लिए अध्ययन भना द्वारा किया जा सकता है कि

(क) अवकाश के दोरान कर्मचारी अध्ययन का विशेष कोर्स में या मण्डल अवकाश छुट्टी मंजूरी के सक्षम प्राधिकार दोनों में से किसी के भी निर्देश पर व्यावहारिक प्रशिक्षण में उपस्थित होने पर, अथवा

(ख) इस प्रकार के किसी निर्देश की अनुपस्थिति में यह मिशन के प्रधान अपना छुट्टी मंजूरी के सक्षम प्राधिकार के सभी संसोधनक साध्य प्रस्तुत बताने पर कि उसने अवकाश के दोरान अपना अध्ययन जारी रखा।

परन्तु अवकाश अध्ययन कोर्स के अंत में पहले के सबध में हसे अधिक से अधिक 13 दिनों के लिए ही किया जाएगा।

(5) अध्ययन भना की मंजूरी की अवधि कुल मिलाकर 24 महीनों से अधिक नहीं होनी चाहिए।

54. अध्ययन भना के दर:

(1) अध्ययन भना के दर निम्नलिखित अनुसार होगा:

देश का नाम	दैनिक अध्ययन भना
आपद्रेनिया	प्रति 1.00 (स्टोरिंग)
यूरोप का कटिनेट	प्रति 1.65 (")
स्यूजीलेप्ड	प्रति 1.20 (")
गुनाइटेड विगडम	एल 2.00 (")
युनाइटेड स्टेट्स आफ अमेरिका	प्रति 2.75 (")

(2) उप-विनियम 1 में निर्धारित अध्ययन भना के दर मंडल द्वारा समय-समय पर परिसीधित किया जाएगा।

(3) किसी कर्मचारी की मंजूरी की जाने वाले अध्ययन भना के दर जिसने—

किसी कर्मचारी को जिसने उप विनियम (1) से निर्धारित देश से अन्य किसी देश में अध्ययन छुट्टी लिये जाने पर उसके लिए वो जाने वाली अध्ययन भना का दर उसी प्रकार होगा जैसा कि प्रत्येक मामले में मण्डल द्वारा निर्धारित किया गया।

55. अध्ययन भना भुगतान करने की प्रक्रिया—

(1) कर्मचारी द्वारा इस प्रकार का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की शर्त पर कि उसने किसी प्रकार की छावनी, स्टाइलिश अवकाश किसी प्रकार की छावनी, स्टाइलिश अवकाश किसी अंग कालिक रोजगार के लिए किसी प्रकार का पारिवर्त्यक नहीं प्राप्त किया है, अध्ययन भना का भुगतान किया जाएगा।

(2) अध्ययन भना अंतिम रूप से प्रत्येक महीने के अंत में कर्मचारी द्वारा लिखित रूप से निम्न अथवा प्राप्त करने की शर्त पर किया जाएगा। अपेक्षित उपस्थिति प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं करने पर या छुट्टी मंजूरी के सक्षम प्राधिकार की उम्मेद उपयोग में लिये गये मटुपांची समय के बारे में संतोषजनक प्रमाण पत्र नहीं प्रस्तुत करने के कलनस्वरूप उस के द्विये गये रकम से भिन्ना को मजल का बाधित करेगा।

(3) (क) एक मान्यताप्राप्त संस्थान में किसी निश्चित कोर्स में अध्ययन के मामले में अध्ययन भना छुट्टी मंजूरी सक्षम प्राधिकार द्वारा विद्या जाएगा। यदि अध्ययन भना छुट्टी का उपयोग इस देश में किया गया जहां पर भारतीय मिशन नहीं है और अन्य मामलों में कर्मचारी द्वारा समय समय पर उपस्थिति प्रमाण पत्र का समर्थन करते हुये मिशन के प्रधान के समक्ष दाया पेश करने पर।

(ख) अध्ययन भना के निए दावे के समर्थन में प्रस्तुत करने के प्राधार्यक उपस्थिति प्रमाण पत्र, यदि कर्मचारी किसी शैक्षिक संस्थान में या यह वह किसी अन्य संस्थान में अध्ययन के लिए जाना है जिसका अन्तराल तोन महीनों से अधिक नहीं तो ऐसे मामले में अवधि के अंत में अंग्रेजित करना चाहिए।

(4) (क) अध्ययन का अन्योदित कार्यक्रम शामिल नहीं करने पर अथवा इस प्रकार के अध्ययन कोर्स पूर्णतः नहीं रहने पर कर्मचारी छुट्टी मंजूरी के सक्षम प्राधिकार को कर्मचारी प्रत्यक्ष स्वरूप से या मिशन के प्रधान के जरिये यह स्पष्ट करते हुए कि उसने अपना समय को से विद्याया और अध्ययन के तरीके और परिकालनों की प्रवृत्ति बताने हुये तथा पांच में प्रतिपादित गतों में इस प्रकार के तरीके एवं परिकालनों की अपनानि का संभावना के बारे में एक डायरी पेश करना होगा।

(ख) छुट्टी मंजूरी के सक्षम प्राधिकार यह गुनिप्रिष्ठ करेगा कि डायरी और रिपोर्ट के मूलांकित कर्मचारी ने समय उचित स्वरूप देविता है और तदनुसार अध्ययन भना किम अवधि तक गंजूर करना है यह भी निश्चय करेगा।

56. (1) अध्ययन के निए दिये गये भत्ते के अनुरिकन अन्य भत्ते की स्वीकार्ता।

अध्ययन छुट्टी के प्रथम 120 दिनों के लिए, उस समय पर लागू नियमों के अनुसार यह जिस स्थान से अध्ययन छुट्टी पर गये वहाँ के दर के अनुसार गृह किराया भना किया जाएगा। 120 दिनों के आगे की गृह किराया भना की भुगतान के संबंध में वित्त मंत्रालय के विनाक 27-1-1965 के कार्यालय जापन म. 2(7)/ई ii (बी)/64 में जो समय समय के संबंधित के अनुसार दिये गये पैरा 8(र्डा) में निर्दिष्ट प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के संबंध में किया जाएगा।

(2) उप विनियम (1) के अन्तर्गत स्वीकार्य गृह-किराया भना के अलावा महंगाई भना और अध्ययन भना जहां स्वीकार्य है, जिस कर्मचारी को अध्ययन छुट्टी मंजूर किया गया, मंजूर किये गये अवधि के लिए किसी अन्य भत्ते का भुगतान नहीं किया जाएगा।

57. अध्ययन छुट्टी के दौरान यात्रा भना:

अध्ययन छुट्टी मंजूर किये गये कर्मचारी के संबंध में किसी प्रकार की यात्रा भना नहीं दिया जाएगा लेकिन विनियम परिस्थितियों में मंडल द्वारा इस प्रकार के भत्ते के भुगतान का मंजूर किया जाएगा।

58. अध्ययन के निए शुल्क की लागत:

अध्ययन छुट्टी मंजूर किये गये कर्मचारी के संबंध में सामान्यतः अध्ययन शुल्क की लागत उसी के भुगतान उसी के द्वारा किया जाएगा लेकिन विनियम परिस्थिति मामलों के संबंध में इस प्रकार के शुल्क के अनुराग पाइन द्वारा मंजूर किया जाएगा।

बत्तें हैं कि शावकृति या किसी अन्य स्त्री एवं महिला की छुट्टी बेतन के प्रतिरिक्षण अन्य प्रकार के रकम को प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के संबंध में किसी प्रकार के शुल्क लागत का भुगतान नहीं किया जाएगा।

59. अध्ययन छुट्टी के उत्तरांत इसीका या तो निश्चित अवधि अध्ययन कोर्स की पूरा त करने आवेदन:—

(1) अध्ययन छुट्टी की अवधि के बाद कोई कर्मचारी इसीका या सेवा विवेत या अन्य प्रकार से उसका छात्र भौतिक रूप से अध्ययन करने के लिये गये मामलों के संबंध में उसके अन्तर्गत के उपरांत तीन वर्षों की अवधि के अन्दर (या अध्ययन कोर्स की पूरी करने

में अनुसूर्ण होने के कारण विनियम 49 के उप-विनियम (1) के अन्तर्गत मांग गया प्रभाग पर प्रस्तुत नहीं करने के संदर्भ में उसको वापस करना होगा ।

(i) मण्डल द्वारा मंजूर किये गये छुट्टी वेतन के वास्तविक रूप, अध्ययन भत्ता, शूलक की लागत, यात्रा और अन्य व्यय कोई होने पर ।

(ii) अन्य एजेंसी जैसे विदेशी सरकार, फाउंडेशन और न्यायों के अध्ययन कोर्ट के गंदर्भ में होने वाले किसी प्रकार के लागत के वास्तविक रूप ।

कर्मचारी की सेवा निवृत्ति, सेवा निवृत्ति की अनुमति या अन्यथा उसकी सेवा से बहाल करने की मंजूरी स्वीकार करने से आगे, मांग करने की तारीख से उस समय में प्रवृत्त मण्डल द्वारा दिये गये ऋणों पर हुए व्याज सहित ।

बास्तव कि कर्मचारी जिन्होंने अध्ययन कोई पूरा नहीं कर पाये हैं उनके मामलों को छोड़कर इस विनियम में किसी प्रकार की बात नाम् नहीं होगी ।

(क) कोई कर्मचारी जो अध्ययन छुट्टी से उपर्युक्त में वापिस आने के उपरान उसे मेडिकल ग्राउंड पर सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी जाने पर अवधा

(ख) कोई कर्मचारी जो अध्ययन छुट्टी से उपर्युक्त पर वापस आने के बाद उसे मण्डल के नियंत्रणाधार्न किसी विधिक या स्वायत्त निकाय अथवा संस्थान में सेवा के लिए प्रतिनियुक्त किया जाने पर अनुवृत्ति रूप से उसे उक्त विधिक या स्वायत्त निकाय अथवा संस्थान में लोक हित में उसके स्थायी अन्तर्गत के विचार से उसे मण्डल के अन्तर्गत सेवा निवृत्ति देने की अनुमति दिया जायगा ।

2(क) इस प्रकार के कर्मचारी द्वारा उपर्योग किया गया अध्ययन छुट्टी को अध्ययन छुट्टी की तारीख से उसके जमा में रहे नियमित छुट्टी में परिवर्तित कर दिया जाएगा, अध्ययन छुट्टी के जारी में ली गयी किसी छुट्टी को उसके प्रयोजनार्थ उचित रूप से किया जायगा और यदि अध्ययन छुट्टी की कुछ बाकी होने पर जिन्हें इस प्रकार से परिवर्तित नहीं किया जा सकता, उन छुट्टीयों को अमावाश्य छुट्टी के रूप में माना जायगा ।

(ख) उप-विनियम (2) के अन्तर्गत कर्मचारी से वापसी (प्रतिवाय) करने वाली रकम के अनियन्त्रित, अध्ययन छुट्टी के रूपान्तरण पर वास्तविक रूप से अनुसूया छुट्टी का वेतन से अधिक निकाली गयी छुट्टी वेतन को वापस करना होगा ।

(3) इस विनियम में किसी बात के होने हुए भी उप-विनियम (1) के अन्तर्गत संबंधित कर्मचारी से या कर्मचारी वर्ग द्वारा वापस करने वाले रकम को यदि आवश्यकता पड़े, तो या तो जनता की इच्छा पर या धीरे परिस्थितियों के मामले या मामलों के बाग में इस प्रकार से करना प्रयोक्ता या कालीयित होने पर मण्डल उस रकम को छोड़वटा गरता है ।

अध्याय 7

विविध

60. निर्वाचन :

इस विनियमों के निर्वाचन में कोई संदेह होने पर, उन्हें मण्डल को भेजा जाएगा और मण्डल का नियंत्रण ही अंतिम होगा ।

61. ग्रियायन के अधिकार

जब अध्ययन महोदय हमसे मंतुष्ट है कि किसी भी इन विनियमों का परिचालन किसी खास मामले में अनावश्यक कठिनाई हो रही है तो वे नियमित रूप में कारणों को रिकार्ड करने के आदेश से, विनियमों को उसीमा तक और उन विधिविभागों के शर्त पर एवं उन शर्तों पर जो उस

मामले के निवारण के लिए विचार करना प्रयोक्ता है, इस आवधार पर ऐसे विनियमों की आवश्यकता में रियायत या अनुग करने के प्राइंज वे मकाता है ।

62. निरसन और बचत

(1) इन विनियमों के आरंभ से विश्वापट्टनम पोर्ट कर्मचारी (छुट्टी) विनियम, 1964 और विश्वापट्टनम पोर्ट कर्मचारी (अध्ययन छुट्टी) विनियम, 1964, इस प्रकार से आरम्भ के तुरन्त आगे प्रवृत्त तथा मूल नियमों में निहित छुट्टी विनियमों के बारे में अन्य व्यवस्था एवं भारत सरकार के पूरक नियमों जहाँ तक ये मण्डल कर्मचारियों पर लाग् हो जो अब तक इन विनियमों के किसी मामले का प्रावधान करता है, उनका प्रचालन समाप्त माना जाएगा ।

(2) इस प्रकार के परिचालन समाप्ति के होने हुए भी, पुराने विनियमों/नियमों के अन्तर्गत किसी कर्मचारी के माला के लिए कुछ किरण गया या कोई कार्रवाई की गयी, अथवा उससे किसी प्रकार की छुट्टी अनियत की गयी यात्र से मंजूर किया गया या उसके जमा से उत्पन्न छुट्टी को इन विनियमों के अन्तर्गत विधायिका के अनुमति दिया जायगा ।

63. इन विनियमों की प्रयुक्ति में केन्द्र सरकार के नियमों का अनुमरण किया जायगा :

पूर्ववर्ती विनियमों को लागू करने में और, इन विनियमों के अवधार में ग्राने वाले मामले के बारे में सी सी एस नियम 1972 और उसके अन्तर्गत समय-समय पर जारी किया गये केन्द्र सरकार के आदेश इन विनियमों के उपबन्धों के माल अब तक असंगत न होने के चक्रे या समय-समय पर मण्डल से नियमित किये गये ऐसे विभिन्नता और मंजूरावों को अंत पर इनका अनुमरण किया जाएगा ।

प्राप्तु

[विनियम 3 (जे) देखिए]

कार्य--1

(विनियम--13 देखिए)

छुट्टी या छुट्टी विस्तार के लिए आवेदन पत्र

1. आवेदक का नाम :

2. पदनाम :

3. विभाग, कार्यालय और पत्र नाम :

4. वेतन :

5. वर्तमान पद पर निकाली गयी गृह-किराया और अन्य प्रतिपूरक भत्ता :

6. आवेदन की गयी छुट्टी की प्रवृत्ति और अवधितया छुट्टी की अवैधितता तारीख :

7. छुट्टी के ग्राने/प्रीछे लागते के लिए प्रस्तावित रविवार और प्राचाहा देवित्यां यदि हैं तो :

8. आवेदन की गयी छुट्टी के प्रावधार :

9. पिछले छुट्टी से वापिस आने की तारीख और उस छुट्टी को प्रवृत्ति एवं अवधि :

10. आगामी छुट्टी के दौरान वर्षी.....
के ब्लॉक के लिए अपनी छुट्टी यात्रा।
रियायत लेने का प्रस्ताव किया/नहीं
किया

11. छुट्टी प्रवधि के दौरान पता:

13. छुट्टी यात्रा के बारे में प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि.....
..... (..... के लिए.....
(छुट्टी की प्रवृत्ति) (अवधि)
..... से..... तक, वि. पी.ई. (छुट्टी)
विनियम, 1988 के विनियम..... के प्रत्यान्तराल कार्य है।

प्रावेक के हस्ताक्षर

(तारीख-सहित)

हस्ताक्षर (तारीख सहित)
पदनाम

14. छुट्टी मंजुर करने के मकान प्राप्तिकारी का हस्ताक्षर।

12. नियन्त्रण अधिकारी के टिप्पणी/
सिफारिश

हस्ताक्षर (तारीख सहित)
पदनाम

हस्ताक्षर (तारीख सहित)
पदनाम

फार्म - 2
(विनियम - 14 देखिए)
छुट्टी हिमाव (लेखा) का फार्म

कर्मचारी का नाम:

लगामार सेवा प्रारंभ होने की तारीख

स्थायी नियुक्ति की तारीख :

जन्म तिथि:
सेवानिवृत्ति/इस्तीफा की तारीख:

एक कैलेन्डर वर्ष के आधे वर्ष में सेवा में विवरण

प्रेषक	सेवा में	एक कैलेन्डर आधे वर्ष की पिछले अर्ध घटाये जाने साथ के कुल प्रेषक सेवा में विनों की मं. छुट्टी में वर्ष आधे वर्ष शुरू में जमा वर्ष में उपर्योग वाली अ. छु. अ. छु. ली गयी छुट्टी वापिस आने में पूरा किये हुई अ. छु. में लाये गये (कौलम-5 में दिनों में दिवसों की सं. अवधि) (कौलम 4+ 4, ओ. एल 1/10 वां (कौलम 4+ दिवसों की सं. अवधि) 11-6) (कौलम 2- (कौलम-36) 10)								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

प्रजित छुट्टी

अर्ध - वेतन छुट्टी

12	13	14	15	16	17	18	19
एक कैलेन्डर वर्ष के आधे आधे वर्ष के प्रारम्भ वर्ष में पूर्ण किये गये में जमा की गयी एच. कार्य विवरा के रूप सेवा के महीने 1/18 अवधि) में माने गये विनों की संख्या	पिछले अर्ध वर्ष में घटाये जाने वाली एच. पी. एल. एल., दिनों में (कौलम 14 में (कौलम 351- प्रेषक सेवा में विनों की संख्या	प्रार्ध वर्ष की आय पर छुट्टी					

(प्राइवेट मामलों पर और परिणत छुट्टी सहित एम. सी. एवं अर्जनसोध छुट्टी)

लिया गया

पूर्ण वेतन पर चिकित्सा

प्रमाण पत्र पर परिणाम

छुट्टी

प्रेषक	सेवा में	दिनों की	180 दिनों की	भ्राता की हड्डी	एम. सी. (पूर्ण परिणाम छुट्टी को सेवाकाल में पांच, अर्ध वेतन छुट्टी करने के लिए परिणाम छुट्टी इक्यू/अ०	चिकित्सा प्रमाण पत्र पर
		संख्या	सीमा तक	पर प्रमाणित करने करने के लिए परिणाम छुट्टी (कालम 22 एवं 25 से छुट्टी में परिवर्तित 25 से बाहर) किया गया)		

प्रेषक	सेवा में	दिनों की सं.
20	21	22
23	24	25
26	27	28
29		

पूरे सेवा काल में 360 दिनों का अ. श्री. छू.

ली गयी अन्य प्रकार की छुट्टी

अन्यथा एम. सी. पर 180 दिनों के हक तक

प्रेषक	सेवा में	दिनों की सं.	अर्जन शोध छुट्टी का कुल (कालम 29 एवं 32)	ली गयी अर्ध वेतन छुट्टी से वापसी पर अर्ध कुल (कालम 10, 26, 33) का योग (कालम 10, 26, 33) का योग (कालम 16-34)
30	31	32	33	34
				35
				36

नोट :— 1. अर्जनसोध छुट्टी को लिखतों में प्रभित्यकृत करना चाहिए।

नोट :— 2. जब किसी कर्मचारी को किसी नियन्त्रित कैलेन्डर वर्ष के आधी अवर्ष के कोर्स में नियुक्त करने पर प्रत्येक कैलेन्डर महीने के लिए अंजित पूर्ण छुट्टी की 2/1/2 दिनों की दर पर अमा करना चाहिए अतुरंग एक विन के अंग को नजदीक दिन में गाउंड किया जाना चाहिए।

नोट :— 3. कालम 6 की प्रविद्धियां पूर्ण लिखतों में होती चाहिए / एक दिन का अंग को नजदीकी विन में राउंड करना चाहिए।

नोट :— 4. प्रसाधारण छुट्टी की अवधि को लाल स्थानी से नोट करना चाहिए।

फार्म—3
(विनियम—17 देखिए)

अग्री 1 एवं 2 प्रधिकारियों के छुट्टी प्रयवा छुट्टी विस्तार प्रयवा छुट्टी में परिवर्तन के लिए सिफारिश की गयी विनियम प्रमाण पत्र :

कर्मचारी के हास्ताक्षर

मैं..... मामले को सावधानीपूर्वक वेष्यभास करने के बाद यात्रा प्रमाणित करता हूँ कि श्री/श्रीमती/कुमारी..... जिनके हस्ताक्षर उपर्युक्त दिया गया है..... से वीक्षित हूँ और मेरे विचार से मे..... अवधि तक छुट्टी से उसकी अनुपस्थिति उनके/उसकी स्वास्थ्य फिर से ठीक होने के लिए अस्थान आवश्यक है।

सारीक्ष

मी दूसरी/बी एम औ/एम एम औ/एम औ

पांच अस्पताल

नोट 1:—इस फार्म की यथा संभव बंद करके चिपका देना चाहिए। और कर्मचारी से हस्ताक्षर करने के बाद ही फार्म की भरना चाहिए। प्रमाणित प्रधिकारी को यह प्रमाणित करने कि कर्मचारी या नियन्त्रित स्थान के लिए प्रतिवर्तन चाहता है प्रयवा वह किसी नियन्त्रित स्थान पर जाने के लिए सक्षम नहीं है, ऐसा प्रमाणित करने की स्थतंत्रता नहीं है। इस प्रकार के प्रमाण पत्र के बाहर संबंधित प्रागामनिक प्राधिकार के स्पष्ट इच्छा पर ही दिया 'जा 'सकता है जो। यह निर्णय करेगा कि ऐसे साउंड पर बने प्रावेदन उनके पास आने पर उन प्रावेदनों की उसकी सेवा के फिलेनम प्राप्ति के बारे में निर्णय करने के लिए क्या प्रावेदक को सी एम औ/बी सी एम औ/बार एम औ/एग एम औ/एम औ/एम औ के समक्ष जाना होगा ?

नोट 2:—इस प्रतापान वत्र में निहित कोई सिंहासन भी कर्मचारी की अनुमति नहीं होने वाली छुट्टी के बाबे के लिए साक्ष नहीं होगा।

पार्ट—4

(विनियम—17 देखिए)

छुट्टी प्रथमा छुट्टी विस्तार के लिए जायदा छुट्टी में परिवर्तन के लिए चिकित्सा प्रमाण पत्र

कर्मचारी का हस्ताक्षर :

मैं भासले को/
सावधानीपूर्वक देखभाल करने के बाद यह प्रमाणित करता हूँ कि श्री
श्रीमती/कुमारी जिनके हस्ताक्षर उपर्युक्त
दिया गया है से पीड़ित है और मेरे
विचार से से अवधि तक इयर्टी
से उसके अनुगमनिति उसके/उसकी स्वास्थ्य फिर से
ठीक होने के लिए अत्यन्त आवश्यक है।

तारीख: सो एम ओ/डी सी एम ओ/आर एम ओ/एस एम ओ/
एम ओ

नोट: 1. यीमार आवस्या को प्रवृत्ति और संभाल्य अवधि निर्दिष्ट किया
जाए।

नोट: 2. इस फार्म को यथा संभव बंद करके चिपकाना चाहिए और
कर्मचारी से हस्ताक्षर लगाने के बाद ही भरता चाहिए।
प्रमाणित अधिकारी को यह प्रमाणित करने कि कर्मचारी या
निश्चित रूपाने के लिए परिवर्तन चाहता या आवश्यक यह किसी
निश्चित स्थान पर आने के लिए सक्षम नहीं है, ऐसा प्रमाणित
करने की स्वतंत्रता नहीं है। इस प्रकार के प्रमाण-पत्र के बाय-संयुक्त
प्रणालीक अधिकार के स्पष्ट इस्ता पर दिया जा सकता है जो
यह निर्णय करेगा कि ऐसे ग्राउंड पर अने आवेदन उनके पास
आये पर उन आवेदनों की उसकी सेवा के लिये प्रस्तुत के आरे
में निर्णय करने के लिए ज्यों आवेदक की सी एम ओ/डी सी एम ओ/
आर एम ओ/एस एम ओ/एम ओ के समक्ष जाना होगा।

नोट: 3. दूसरी चिकित्सा विचार की आवश्यकता पड़ने पर सदाम छुट्टी
मंजूरी प्राप्तिकार किए जाना चिकित्सा अधिकारी जी.सी.एम. एप्रे.
के हो वे से कम न हो, उसके द्वारा जीवातिशेय्त्र संभवित
तारीख में दूसरी चिकित्सा जांच को आवस्यक करेगा जो बासारी
के नव्यों के मारे में और सिफारिश को गयी छुट्टी की आवश्यकता
बोनों के बारे में चिनार आवश्यक करेगा तथा उसके लिए कर्मचारी
नो उसके सामने या नहीं तो उसके द्वारा नामित किसी चिकित्सा
अधिकारी के सामने प्रस्तुत होने के लिए कह सकता है।

नोट: 4. इस प्रमाण-पत्र में निहित किसी भी सिफारिश कर्मचारी को अनुबंध
नहीं होने वाली छुट्टी के दावे के लिए साध्य नहीं होगा।

पार्ट—5

(विनियम—22(3) को देखें)

इयर्टी पर जापस आने के लिए फिलोस का चिकित्सा प्रमाण पत्र

कर्मचारी का हस्ताक्षर :

इस चिकित्सा प्रमाण-पत्र के सदस्य

मैं का मुख्य चिकित्सा अधिकारी

आ मुख्य चिकित्सा अधिकारी/पंजीकृत
चिकित्सा अधिकारी/वरिष्ठ चिकित्सा
अधिकारी/चिकित्सा अधिकारी/पंजीकृत
चिकित्सा प्रेसाकार।

यह प्रमाणित करता हूँ कि मैं ने/हम ने श्री/श्रीमती/कुमारी
जिनके हस्ताक्षर नीचे दिये गये हैं, उसको
सावधानीपूर्वक जांच किया है और यह स्त्री/मुख्य आनी चिमारी से स्वास्थ्य
लाभ कर चुकी/चुका है और अब वही स्त्री/मुख्य मण्डल सेवा में काम फिर
से संभालने के योग्य है। मैं हम यह प्रमाणित करता/करते हूँ कि इस निर्णय
पर पहले से पहले हम/मैंने मामले के मूल चिकित्सा प्रमाण-पत्र या विवरण
के जांच किया है जिसके आधार पर छुट्टी मंजूर आवश्यक चिकित्सा दिया गया
है और उन्हें हमारे/मेरे निर्णय पर आसे के विचार में दिया है।

चिकित्सा प्रमाण-पत्र के सदस्य

1.

2.

3.

मुख्य चिकित्सा अधिकारी/उस मुख्य
मुख्य चिकित्सा अधिकारी/पंजीकृत
चिकित्सा अधिकारी/वरिष्ठ चिकित्सा
अधिकारी/चिकित्सा अधिकारी, पंजीकृत
चिकित्सा प्रेसाकार।

तारीख:

नोट:—चिकित्सा प्रमाण-पत्र, पत्रों और मामले के विवरण (विवरणों)
जिसके आधार पर छुट्टी मंजूर/विस्तार किया गया है,
उपरोक्त प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राप्तिकारी के समक्ष
प्रस्तुत करता है। इसके लिए मामले के मूल प्रमाण पत्र (पत्रों)
और विवरण (विवरणों) दो प्रतियों में बनाना होगा, एक प्रति
संधित कर्मचारी के पास रखना होगा।

पार्टी—६

[विनियम—29 (3) को बेंचे]

प्रस्तावों कर्मचारी को विनियम—29 (2) (प) को धूट देने व भूत्र की गयी असाधारण छुट्टी के लिए बंध पढ़ा।

इस प्रस्तुति से हम सब की जात है कि, हम—
जिसे के निवासी और इस समय कार्यालय में
के हासे निर्णयित हैं (जिसे इसमें आगे वाचक/अनिवार्य कहा गया है) और
की पुर्वी/पुत्र और/श्रीमती/कुमारी
पूर्वी/पुत्र और/श्रीमती/कुमारी
जिन्हें इसमें आगे "प्राप्ति पूर्व" कहा गया है) ने मंडल और राष्ट्र का से हम और हमारे अन्यथा वारिस, निवासक और प्राप्तिकों की
स्थानी मण्डल के उत्तराधिकारी को भुगतान करने के लिए आवक बनाया और बताये किया है' (जिसे आगे मण्डल कहा गया है)
१०— (गये) रकम की भाँग पर मण्डल क्रूर पर उस समय में
प्रवृत्त मण्डल दर की भाँग पर उस पर आज सहित अद्यता, यदि
भारत से बाहर दाले देश में भुगतान करने पर, उबल रकम का कानून
इत देश की मुद्रा में भारत और देश के बीच सरकारी विनियम दर
के आधार पर नियन्त्रित किया जाएगा और लेनदेन भागिकर्ता के बीच
सभी कार्यों और प्राप्ति तथा भाँती प्रभारों पर व्यापारों सहित जो मण्डल
द्वारा होता/किया जाएगा।

अब कि मंडल और/श्रीमती/कुमारी के रूप में नियोजित के अनुरोध पर उग स्टी, पुरुष की
नियुक्ति छुट्टी वारेर बेतन और भत्ता के असाधारण छुट्टी का अनुसरण
करने द्वेषे

विनों की अवधि के लिए
के प्रभाव से
से—
तक उसकी
जगह पर अद्यता
करने के लिए भूत्र किया गया और भव कि भ्रा/श्रीमती/कुमारी
की

प्रसाधारण छुट्टी के दौरान
उसके अनुसन्धान पर मण्डल ने
के कार्यों को नियालित करने के लिए
प्रतिक्रिया के रूप में ध्रा/श्रीमती/कुमारी
को नियुक्त किया/करेगा। मण्डल को अच्छे
संरक्षण देने के लिए आ विनियम/दो ग्रामपूर्तियों के साथ इस दैर पर
की नियम लियित शर्तों के अधीन सहमत हो गये। और जब उनक
प्रतिक्रिया इस दैर पर की आवक करने की और संप्रतिमू के हृण में
नियालित करने के लिए सहमत होते अब उत्तराधित लियित वायता की

र्ण यह है कि श्री/श्रीमती/कुमारी की असाधारण छुट्टी अवधि की समाप्ति के बाद पुनः कार्य पर नहीं जाने को हालत में मूलत उसके जारी रोकी गई पर और मण्डल सेवा को इस प्रकार की अवधि के बाद पुनः मण्डल के शर्तों के आदी कार्य पर लगाने की अवधि तरीके से जारा न होने पर या किसी अपना पर भत्ता के शर्तों के मध्यम सेवा करने के लिए तिरकार करने पर यो इस विनियम के अवोन वह/वह (स्त्री) बेतन के लिए लक्ष्य है उत्तराधित श्री/श्रीमती/कुमारी या उनका/उनकी निष्पादक और प्रगासन मण्डल हारा सभी रकम की आज सहित, मण्डल भारा मांगे गये भत्ता पर और मण्डल के भूगत्ता पर लानू उस दिन के दर के अनुसार चुकाना होगा।

पुर्वोः पूर्व पूर्वोंका जानिन के आवक श्री/श्रीमती/कुमारी
श्रीर या श्री/श्रीमती/कुमारी
श्रीर या श्री/श्रीमती/कुमारी
से भुगतान करने को उत्तराधित लियित वायता
मुच्य होकर कोई प्रभाव न होगा, अन्यथा यह ऐसे ही प्रभाव में रहेगा।

परंतु, नियालित जमानतदारों के लिए हमेण वह उत्तराधित है कि मंडल किये गये समय को अति पहुंचाने या किसी प्रकार बनिष्ठ करने पर या किसी प्रकार की शमा देने पर मण्डल द्वारा प्राप्तिकृत किये गये किसी व्यक्ति (जमानेदारों के सहमत या जानकारी से या जानकारों के बैरे) को लाग करने पर मण्डल के लिए यह आवक है कि जमानतदार श्री/
श्रीमती/कुमारी श्री/श्रीमती/कुमारी या अन्य किसी पर उनके नाम में वकाश के पैसे के लिए मुकदमा लगाने के पासे, बाक्कार पर मुकदमा लगाना होगा।

यह बोड विधि से संवृत्ति सभी विधयों के संबंध में उस समय पर
प्रयाल में होने वाले भारतीय वित्रि के नियमों के अनुसार और हक्क और
जिम्मेदारों अधिकारकों के अनुसार भारत में स्थित सभी उचित व्यापारियों
में नियंत्रित किया जाएगा।

इस बोड पर लुकाने वाले शुल्क को देने के लिए कर्मचारी सहमत हो
गये।

दि— के दिन पर एक
दूजार सी सी श्री
पर हस्ताक्षित किया गया
उत्तराधित नाम के श्री/श्रीमती/कुमारी

शास्त्रिय द्वारा
में हस्ताक्षर और सुर्दू किया गया।

गवाह (1) (2)

उत्तराधित नाम के श्री/श्रीमती/कुमारी
श्रीर अस्तित्व में हस्ताक्षर और
मुरुद किया गया।

गवाह (1) (2)

न्यारी मण्डल के लिए और की
श्रीर में स्वीकार किया गया।

पार्ट 7

[विनियम-49 (3) को देखें]

किसी स्थायी कर्मचारी, अध्ययन छुट्टी के लिए अवैसर होते समय निष्पादित करने वाली बंधवत्र।

इस प्रत्युतीकरण, से यह सब को ज्ञात होगा कि मैं
मिला का निवासी
फिलहाल के कार्यालय में
के हृष में नियोजित हूं जिसे यह अपने आप
को अपने वारिस को, निष्पादक और प्रसासकों को, (जिसे आगे न्यासी
मंडल कहा गया है केवल इसमें यहां पर उग मांग की तारीख से उस समय में लागू मंडल अपने पर मण्डल की
दर से उस पर हृष व्याज सहित अध्ययन धारत में अन्य देशों
में कथा जाने पर उक्त रकम का समकक्ष उस देश की मुद्रा में परिवर्तित
करके उस देश और भारत के बीच विनियम के सरकारी दर पर और उस
अधिकारी एवं मुकाबिल के बीच मंडल द्वारा हुए या होने वाले सभी लागतों,
सभी प्रकारों और व्यय सहित देना होगा।

अनेक मुस्ती पर मण्डल द्वारा अध्ययन
छुट्टी मंजूर किया गया है और मण्डल के उचित संरक्षण के लिए में निम्न-
लिखित शर्तों पर हृष बंधवत्र की निष्पादित करने के लिए सहमत हैं।
उपर्युक्त निष्पादित बंधवत्र (वादाता) के शर्त हैं कि— १ अध्ययन छुट्टी की अवधि
के उपरात या अवधि समाप्ती पर काम पर बापस आये बैठक फिर से
काम पर नहीं या सकते की अवस्था में, या इसीका अध्ययन सेवा से
नियुक्त होने या अन्यथा सेवा से निकाल दिये जाने पर) अध्ययन अध्ययन
कोई पूरा नहीं कर सकते पर) अध्ययन किसी भी समय में तीन बर्षों के
बाद में इयूटी में बापस आने के उपरात में उक्त रकम इसके
(केवल इसमें यहां पर उग मांग पर मण्डल दरों पर भारतीय तारीख से उस पर हृष व्याज
सहित मण्डल को या मंडल द्वारा निर्देशित मांग पर तुरन्त भुगतान कर
देंगा।

और मेरे द्वारा की गयी इस प्रकार के भुगतान पर उपरात लिखित
बंधवत्र (वादाता) बैठक और प्रभावहीन हो जाएगा, अन्यथा यह पूर्ण
अधिकार से और प्रभावपूर्ण बना रहेगा।

सभी प्रकार से अन्य पत्र उस समय में लागू भारत के विधि द्वारा
निष्पादित किया जाएगा और इसके अंतर्गत के आवश्यकता पड़ते पर तदनु-
सार भारत में उचित अधिकारियों द्वारा निर्धारित किया जाएगा। इन बंध-
वत्र के लिए देश स्तंप गुरुक बहुत रुक्ष है के लिए कर्मचारी रात्रिमत है।

एक हजार नी सी और तारीख के दिन
को हस्ताक्षर किया गया।

के समझ

के द्वारा हस्ताक्षर और सुपुत्रे
किया गया।

न्यासी

(1) —

(2) —

न्यासी मण्डल के लिए और
मण्डल के ओर से खोकार किया

पार्ट 8

[विनियम-49 (3) देखें]

अध्ययन छुट्टी वो विस्तारण करने के लिए मंजूरी देने पर, स्थायी कर्मचारी
द्वारा निष्पादित किया जानेवाला बंधवत्र।

इन प्रत्युती से यह सब को ज्ञात होगा कि मैं
का निवासी हूं, किनहाल के कार्यालय में
हृष में नियोजित हूं जिसे यह अपने आप
को अपने वारिस को, निष्पादकों और प्रसासकों
को (जिसे इसमें आगे "मण्डल" कहा गया है) मांग पर¹ रकम (केवल इसमें
मण्डल करके उस देश के समकक्ष उस देश की मुद्रा में परिवर्तित
करके उस देश और भारत के बीच विनियम के सरकारी दर पर और उस
अधिकारी एवं मुकाबिल के बीच मंडल द्वारा हुए या होने वाले सभी लागतों,
सभी प्रकारों और व्यय सहित देना होगा।

मुझे मण्डल द्वारा अध्ययन छुट्टी
अवधि से तक, मंजूर करने की बश्त है
मैं इसके लिए (केवल इसमें
मण्डल के बीच दरों पर) का बंधवत्र² तारीख
को न्यासी मंडल के लिए निष्पादित करता हूं और मेरे अनुरोध पर
तक अध्ययन छुट्टी के विद्यार्थी की
मंजूरी दी गयी है। और मण्डल के उचित संरक्षण के लिए नीचे लिखे
शर्तों पर मैं इस बंधवत्र को निष्पादित करने के लिए सहमत हूं।

उपर्युक्त लिखित (वादाता की शर्त है कि
अध्ययन छुट्टी की अवधि के उपरात का अवधि समाप्ति पर इयूटी में
वापिस आये बैठक फिर से काम पर नहीं या सकते की अवस्था में
या इसीका अध्ययन सेवा से नियुक्त होने या अन्यथा सेवा से निकाल दिये
जाने पर (अध्ययन अध्ययन कोई पूरा नहीं कर पाने पर) अध्ययन किसी
भी समय में तीन बर्षों के उपरात में उक्त रकम मैं
(केवल इसमें यहां पर उग मांग पर मण्डल दरों पर भारतीय तारीख से उस पर हृष व्याज
सहित मण्डल को या मण्डल द्वारा निर्देशित मांग पर तुरन्त भुगतान कर देंगा।

और मेरे द्वारा की गयी ऐसे भुगतान पर उपर्युक्त लिखित बंधवत्र
(वादाता) बैठक और प्रभावहीन हो जाएगा अन्यथा यह पूर्ण अधिकार
से और प्रभावपूर्ण बना रहेगा।

सभी हूलासों में बंध पत्र उस समय में लागू भारत के विधि हाला शाकिं किया जाएगा और इसके अंतर्गत के अधिकारी एवं दायित्व आवृत्ति का नाम पड़ने पर बन्नुमार भारत में उचित न्यायालयों द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

इस बंध पत्र के लिए देय शुल्क का बहन करने के लिए कर्मचारी सहमत है।

एक हजार नौ सौ और _____ के दिन तारीख _____ की हस्ताक्षर किया गया।

_____ के समझ के द्वारा हस्ताक्षर और सुनुर्दि किया गया।

गवाह :

(1) _____

(2) _____

स्वासी मण्डनार्थी और मण्डस की ओर स्थीकार किया

पार्ट 9

[विनियम 49 (3) की देखें]

श्रद्धालु के लिए अत्यन्तर होने पर अस्थार्थी कर्मचारी द्वारा निष्पादित किये जाने वाला बंध पत्र :

इस प्रस्तुति के द्वारा यह सब की जात होता है कि हम _____ जिते _____ के निवासी फिलहाल _____ के कार्यालय में _____ के हाथ में नियोजित (जिसमें आगे बादकार कहा गया है) के पुत्र/पुत्री _____ श्री/श्रीमती/कुमारी _____ और श्री/श्रीमती/कुमारी _____ का पुत्र/पुत्री और श्री/श्रीमती/कुमारी _____ का पुत्र और पुत्री _____ (जिन्हें इसमें आगे प्रतिभूत कहा रखा है) ने मंडल स्थान से अपने आप को, आगे बाहर की, निपावकों और प्रशासकों की द्वासी मंडल की सांग पर (जिसमें आगे मंडल कहा गया है) _____ का रकम (केवल _____ रुपये) मंडल भ्रष्टों पर उस समय में भाग मंडल द्वारा के मूलाधिक उस मांग की तारीख से उस पर हुई द्वारा सहित अपवाह यदि भारत से अन्य देशों में भुगतान करते पर उस देश की मुद्रा की भारत और उस देश के मध्य सरकारी विनियम के द्वारा परिवर्तित करके उक्त रकम का समकक्ष और अधिकर्ता एवं मूलाधिक के भाव मंडल द्वारा हुई या ऐसे बातें राखी लागत और प्रभार और अध्य सहित स्थानी मंडल की लूगतान गर्ते हैं लिए बंधनकार

ग्रत एवं बंधनकार (बादकार) को मंडल द्वारा प्रत्ययन सूटी मंजूर किया गया है। और मंडल के समुचित संरक्षण के लिए बादकार यहां नीचे लिखी गयी पर बंध पत्र निष्पादित करने के लिए सहमत है और उक्त प्रतिभूत ने उपर्युक्त बादकार की ओर से इस बंध पत्र को निष्पादित करने के लिए सहमत है। प्रब उपर्युक्त लिखित बादकार की गयी है कि बादकार श्री/श्रीमती/कुमारी _____ (प्रध्ययन सूटी की समाप्ति पर या अवधि पूर्ण हो जाने के उपरांत इसी में वापिस आये बैंगर ही फिर से काम पर आगे में ग्रामीणों को अवस्था में या घरतीका देने अपवाह गोवा से लियूँ होने या अन्यथा में वा सेनानी देने पर (ग्रामीण अवस्थयन पाठ्यकाम पूरा नहीं कर सकते पर) अपवाह किसी भी समय में तीन दिनों के बंदर बादकार और प्रतिभूत मंडल को या मंडल द्वारा यथा निर्वैशित की तरह _____ श्री रकम (रिक _____ रुपये) मंडल के भ्रष्टों पर उस समय में लागू मंडल द्वारा पर उस मांग की तारीख से उस पर हुए वाज गहिन सूत मुगतान करेगा।

और बादकार श्री/श्रीमती/कुमारी _____ के ऊपर और अथवा श्री/श्रीमती/कुमारी _____ उपर्युक्त कथित प्रतिभूत की ओर ऐसे भुगतान करने पर उपर्युक्त निष्पादित बादकार निष्पादित और प्रभावशील हो जाएगा अन्यथा अधिकारपूर्ण और प्रभावशील बना रहेगा। परन्तु निष्पादित जमानतदारों को जिम्मेदारी से, उचित कारण से समय मंजूर किये जाने पर, उनसे प्राधिकृत किसी व्यक्ति पर (जमानतदारों के सहमत नहीं किया जा सकता) साथ-साथ मंडल के लिए यह आवश्यक है कि जमानतदार श्री/श्रीमती/कुमारी _____ की ओर श्री/श्रीमती/कुमारी _____ द्वारा अस्य किसी पर उसके नाम पर स्थित बकाये पैमे के लिए मुकदमा खतामे के पहले, आमांगे पर मुकदमा खलाना होगा।

यह कर्मचारी उसके बंधपत्र के लिए देय स्थान शुरू का बहन करने के लिए सहमत है। एक हजार नौ सौ और _____ के दिन तारीख _____ की हस्ताक्षर किया गया।

उपर्युक्त नाम श्री/श्रीमती/कुमारी _____ की उत्पत्ति में हस्ताक्षर किया और सुनुर्दि किया गया।

गवाह :

(1) _____ विधि से संबंधित सभी विवरों में यह बंधन सार्वत वापत विवरों द्वारा उस समय में लागू पैदा हुए एवं दायित्व से मावधिकना पड़ने पर भारत के उचित न्याय तथा के नियम के ग्रन्तमार जानिये किया जाएगा।

गवाह :

(1) _____

(2) _____

उपर्युक्त नामित प्रतिभूत श्री/श्रीमती/
कुमारी

द्वाया

के समझ में हस्ताक्षर और सुपुर्दि किया

गया है :

(1)

(2)

न्यासी मंडल के लिए एवं उनके
ओर से स्वीकार्य

फार्म-10

[प्रिनियम-49 (3) को देखें]

प्रस्थायी कर्मचारी की अध्ययन छुट्टी विस्तारण करने के लिए मंजूर
करने पर कर्मचारी द्वारा निशाचित किया जाने वाले बंध पत्र।

इन प्रस्तुती में यह सब को शात हो कि हम लोग

किसे का

निशाची जो अभी

के कार्यालय

में

कि हमें में नियोजित है (जिसे आगे बंधकार कहा गया है) और

के पुत्र/पुत्री, श्री/श्रीमती/कुमारी

का पुत्र/पुत्री

(मिन्हे 'यहां पर आगे प्रतिभूत कहा गया है) मंडल और स्पष्ट रूप में प्रपने आय की, प्रपने आसिस की, नियादकों और प्रगासकी को न्यासी मंडल की मांग पर (जिसे इसमें आगे मंडल कहा गया है) इ. का रकम

(क्रेडिट रूपां) मंडल छुट्टी पर उम समझ में लागू
मंडल दर के मुताबिक उम मांग की तारीख से उम पर हुई व्याज सहित
अध्यवा यदि भारत से अन्य देशों में भुगतान करने पर उम देश की मद्दा
को भारत और उम देश के मध्य सरकारों विनियम के बारे पर परिवर्तित
करके उनके रकम का सुमक्षण और अभिकर्ता एवं मुवकिल के मध्य मंडल
द्वारा हुए या होने वाली लागतों और प्रभारों पर व्याप्ति सहित न्यासी
गण्डन को भुगतान के लिए आवधि है।

अत एवं बंधकार (बांधकार) को

अधिक तक मंडल द्वाया अध्ययन छुट्टी मंजूर किया
गया है इ. दि. इस निवार के लिए
उपने दि. त. (मिन्हे

रूपा) का एक बंधपत्र मंडल हेतु नियादित किया गया है।

ओर बांधकार के अनुरोध पर

उम अध्ययन छुट्टी के
विस्तार को मंजूर किया गया और मंडल के ममुचिन संसाग हेतु
बांधकार यहां नंचे लिखे गतों पर बंधपत्र नियादित करने के लिए
महमत है। ओर उक्त प्रतिभूत ने उपर्युक्त नाम

के लिए इस बंध पत्र को नियादित करने हेतु महमत है।

अब उपर्युक्त नियादित न्यासी को लेते हैं कि बांधकार श्री अभिना/
कुमारी

(अध्ययन छुट्टी की समाप्ति पर या अधिक पूरा
हो जाने के बाव नाम पर बापिस आए बाहर ही किर से काम पर आने में
मममता नामी अधिकारी के या उत्तरीका हेतु अध्यवा भेजा रो निवृत्त होने या
अन्यथा सेया ने नियादित दिए जाने गए) (जाता अध्ययन कोर्ट पूरा
नदी कार पाने पर) अध्यवा ने त्रियों के अंदर किसी भी समय में

बा ध्यकार और प्रतिभूत मंडल को या मंडल द्वारा व्या निर्देशित को उम
..... ल, वी रकम (सिर्फ रुपए) मंडल के
छहों पर उस समय में लागू मंडल दर पर उस मांग की तारीख में
उम पर बने व्याज सहित भुगतान करेगा।

और बांधकार श्री/श्रीमती/कुमारी

के ऊपर और अथवा श्री/श्रीमती/कुमारी

उपर्युक्त क्षित प्रतिभूत जो इस
प्रकार के भुगतान करते पर उपर्युक्त नियादित न्यासी के अंदर
प्रभावहीन हो जाएगा अन्यथा अधिकार्य और प्रमाणनी श्री रहेगा।

परंतु निम्नलिखित जमानतदारों की जिम्मेदारी से, उन्हिंन कारण से
समयावधि मंजूर किए जाने पर, या स्थगन के कारण, प्रधिनियम या
मंडल द्वारा छूट दिए जाने पर या उनसे प्राविहृत किसी व्यक्ति पर
(जमानतदारों के महमत से या उनके जानकारी या जानकारी के बारे)
कम या स्थगित नहीं किया जा सकता। साथ साथ मंडल के लिए यह
आयव्यक है कि जमानतदार श्री/श्रीमती/कुमारी

और श्री/श्रीमती/कुमारी

या अन्य किसी पर उसके काम पर विष्ट
बकाए रूपे के लिए मुकदमा भगवाने के पहले आमारी पर मुकदमा भवाना
होगा।

मध्ये हालातों में बंधपत्र भारत विधियों द्वारा उम समय में लागू
और हुक एवं दायित्व से जिन्हे यहां नीचे प्रवेशरुपा पढ़ते पर भारत में
उचित न्यायालय द्वारा निर्णय किया गया है के द्वारा जासित किया
जाएगा।

यह कर्मचारों इस बंधपत्र पर देश स्टांप लगाने के लिए
सहमत हैं।

एक हजार नी ली धीर

के दिन तारीख

को हस्ताक्षर किया गया। उपर्युक्त नाम के श्री/श्रीमती/कुमारी

..... बांधकार द्वाया

के ममत में हस्ताक्षर
किया और सुपुर्दि किया गया।

गवाह

(1)

(2)

उपर्युक्त माम के श्री/श्रीमती/कुमारी

..... के ममत हस्ताक्षर हुर सुपुर्दि किया गया।

गवाह

(1)

(2)

उपर्युक्त नाम के श्री/श्रीमती/कुमारी

..... के ममत हस्ताक्षर श्रीर सुपुर्दि किया गया।

गवाह

(1)

(2)

व्याप्ति माम के लिए एवं उनके और से
स्थो कार किया गया।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 21st April, 1992

NOTIFICATION

G.S.R. 429(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 124, read with sub-section (i) of section 132 of the Major Ports Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Visakhapatnam Port Trust Employees (Leave) Regulations, 1992 made by the Board of Trustees for the Port of Madras and set out in the Schedule annexed to this Notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the official Gazette.

[No. PR-12015/13/91-PE.I]

ASHOKE JOSHI, Jr. Secy.

NOTIFICATION

In exercise of the powers conferred by section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963, (Act 38 of 1963), the Board of Trustees of the Visakhapatnam Port Trust, hereby makes subject to the approval of Central Government under section 124 of the above Act, the following regulations, in supersession of The V. P. E. (Leave) regulations, 1964 and the V.P.E. (study leave) regulations 1964, published as G.S.R. No. 327 and 325 in the Gazette of India, namely :—

CHAPTER-I. PRELIMINARY

1. Short title and commencement.—(a) These Regulations may be called the Visakhapatnam Port Employees' (Leave) Regulations, 1992.

(b) They shall come into force on the date on which the Central Government's approval thereto is published in the Gazette of India.

2. Extent of application.—Save as otherwise provided in these Regulations, these regulations shall apply to all employees in the service of the Board but shall not apply to :—

- (a) Persons in casual or daily rated or part-time employment;
- (b) Shore and ore Handling Labour;
- (c) Persons employed on contract except when the contract provides otherwise; and
- (d) Persons serving under the Board on deputation from the Central or a State Government or any other source for a limited duration.

3. (1) Definitions.—In these Regulations, unless the context otherwise requires :—

- (a) 'Board', 'Chairman', Deputy Chairman and "Head of Department" shall have the meanings assigned to them in the Major Port Trusts Act, 1963.
- (b) "Authority competent to grant leave" means the authority empowered to grant leave under the delegation of powers under the Major Port Trusts Act, 1963.
- (c) "Completed year of service" and "one year's continuous service" means continuous service of the specified duration under the Board and includes the period spent on duty as well as on leave, including extraordinary leave.
- (d) "Commututed leave" means leave taken under Regulation-27.
- (e) "Date of retirement" or "date of his retirement" in relation to an employee means the afternoon of

the last day of the month in which the employee attains the age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his service.

(f) "Earned leave" means leave taken under Regulation-24.

(g) "earned leave due" mean the amount of leave to the credit of an employee on the date of commencement of these Regulations under the Leave Regulations in force prior to that date plus the amount of earned leave calculated under Regulation-24 diminished by the amount of earned leave taken on or after the commencement of these regulations.

(h) "extra ordinary leave" means leave taken under regulation-29.

(i) "Employee" means an employee of the Board.

(j) "Employee in permanent employ" means an employee who holds substantially a permanent post or who holds a lien on a permanent post or who would hold a lien on a permanent post had the lien not been suspended.

(k) "Form" means form appended to the Schedule to these Regulations.

(l) "Half pay leave" means leave earned in respect of completed years of service.

(m) "Half pay leave due" means the amount of half pay leave, calculated under regulation 26 for the entire service, diminished by the amount of half pay leave on private affairs and on medical certificate, taken before the commencement of these regulations and half pay leave taken on or after that date.

(n) "Foreign Service" means service in which an employee receives his pay with the sanction of the Board from any other source than the Port Funds.

(2) Words and expressions used herein, but defined in the Fundamental Rules and Supplementary Rules or in any other Acts or Rules, shall have the meanings respectively assigned to them in these Acts and Rules.

EXPLANATION.—The period of suspension of an employee which is treated as dies-non, should not be reckoned as service for the purpose of these Regulations.

4(1) Employees on temporary transfer or on Foreign Service.—Employees to whom these Regulations apply shall continue to be governed by these Regulations while on deputation to Central or a State Government or any other organisation, within India.

(2) In the case of employees on foreign service outside India or on deputation, these Regulations shall apply only to the extent provided in the terms and conditions of foreign service or deputation as the case may be.

5. Transfer from services or posts Governed by other Leave Rules.—Unless it be otherwise provided in these Regulations, a permanent employee to whom these Regulations do not apply :

(a) When transferred temporarily to a service or post to which these Regulations apply shall remain subject to the leave rules which were applicable to him before such transfer; and

(b) When appointed substantively to a permanent post to which these Regulations apply, shall become subject to these Regulations from the date of such appointment in which case the leave at his credit under the rules previously applicable to him shall be carried forward subject to the maximum limits of accumulation as laid down in Regulation-24. The leave so carried forward shall first be exhausted before the leave earned under these Regulations is availed of. The leave salary in respect of the leave carried forward shall be borne by the department from which the employee is transferred.

CHAPTER-II, GENERAL CONDITIONS

6. RIGHT TO LEAVE :

(i) Leave cannot be claimed as of right.

(ii) When the exigencies of public service so required, leave of any kind may be refused or revoked by the authority competent to grant it, but, it shall not be open to that authority to alter the kind of leave due and applied for except at the written request of the employee.

7. An employee's claim to leave is regulated by the Regulations in force at the time the leave is applied for and granted.

8. Effect of Dismissal, Removal or resignation on leave at credit.—(1) Except as provided in Regulation-32 and in this Regulation, any claim to leave to the credit of an employee who is dismissed or removed or who resigns from Board's Service, cases from the date of such dismissal or removal or resignation.

(2) Where an employee applies for another post, but outside the Board and if such application is forwarded through proper channel and the applicant is required to resign his post before taking up the new one, such resignation shall not result in the lapse of the leave to his credit.

(3) An employee, who is dismissed or removed from service and is reinstated on appeal or revision, or due to court orders or any Industrial Tribunal orders or in such similar cases, shall be entitled to count for leave his service prior to dismissal or removal, as the case may be.

(4) An employee who having retired on compensation or invalid Pension or gratuity is re-employed and allowed to count his past service for pension, shall be entitled to count his former service towards leave.

9. Commutation of one kind of leave into another.—(1) At the request of an employee, the authority which granted him the leave may commute it retrospectively into leave of a different kind which was due and admissible to him at the time the leave was granted, but the employee cannot claim such commutation as a matter of right.

(2) The commutation of one kind of leave into another shall be subject to adjustment of leave salary on the basis of leave finally granted to the employee, that is to say, any amount paid to him in excess shall be recovered or any arrears due to him shall be paid.

NOTE.—Extra-ordinary leave granted on medical certificate or other wise may be commuted retrospectively into leave not due subject to the provisions in Regulation-29.

10. Combination of different kinds of leave.—Except as otherwise provided in these Regulations, any kind of leave under these Regulations may be granted in combination with or in continuation of any other kind of leave.

EXPLANATION.—Casual leave which is not recognised as leave under these Regulations shall not be combined with any other kind of leave admissible under these Regulations.

11. Maximum amount of continuous leave.—Unless the Board under exceptional circumstances of the case otherwise determines, no employee shall be granted leave of any kind for a continuous period exceeding five years.

12. Acceptance of service or Employment while on leave.—(1) An employee while on leave including leave preparatory to retirement or leave granted beyond date of retirement or quitting service, shall not take up any service or employment elsewhere, including the setting up of a private professional practice as Accountant, Consultant Legal or Medical Practitioner, without obtaining the previous sanction of the authority empowered to appoint him.

(2)(a) No employee while on leave other than leave preparatory to retirement or leave granted beyond the date of retirement, shall ordinarily be permitted to take up any other service or employment.

(b) If grant of such permission is considered desirable in any exceptional case, the employee may have his services transferred temporarily from his parent office to the office in which he is permitted to take up service or employment or may be required to resign his appointment before taking up any other service or employment.

(c) An employee while on leave preparatory to retirement shall not be permitted to take up private employment. He may however, be permitted to take up employment with a public sector undertaking or a Body referred to in regulation-31 and in that event also leave salary payable for leave preparatory to retirement shall be the same as admissible under regulation-37.

3(a) In case an employee who has proceeded on leave preparatory to retirement is required, before the date of retirement, for employment during such leave in any post under the Board and is agreeable to return to duty, the un-expired portion of the leave from the date of re-joined shall be cancelled.

(b) The leave so cancelled under Clause (a) above, be regulated in accordance with the provisions of Regulation-32.

CHAPTER-III

GRANT OF AND RETURN FROM LEAVE

13. Application for Leave :

Any application for leave or for extension of leave shall be made in Form-I to the authority Competent to grant leave.

14. LEAVE ACCOUNT :

A leave account shall be maintained in Form-2 for each employee in Class-I and II service by the Financial Adviser & Chief Accounts Officer and in Class-III & IV service by the Head of Department of an Officer authorised by him.

15. VERIFICATION OF TITLE TO LEAVE :

No leave shall be granted to an employee until a report regarding its admissibility has been obtained from the authority maintaining the leave account.

NOTE.—The order sanctioning leave shall indicate the balance of earned leave/half day leave at the credit of the employee.

16. Leave not to be granted in certain circumstances.—Leave shall not be granted to an employee, whom a competent punishing authority has decided to dismiss, remove or compulsorily retire from service.

17. Grant of leave on Medical Certificate to Class-I & II and Class-III & IV Employees.—(1) An application for leave on medical certificate made by :—

(i) A Class-I and Class-II employee shall be accompanied by a Medical Certificate, in Form No. 3 given by Medical Officer attached to the Port Trust Hospital or Authorised Medical Attendant, as the case may be.

(ii) Class-III & IV employee, shall be accompanied by by Medical Certificate in Form-4 given by the Medical Officer attached to the Port Trust Hospital or Authorised Medical Attendant or a Registered Medical Practitioner; defining as clearly as possible the nature and probable duration of illness.

2. A Medical Officer shall not recommend the grant of leave in any case in which there appears to be no reasonable prospect that the employee concerned will over

be fit to resume his duties and in such a case, the opinion that the employee is permanently unfit for service under the Board shall be recorded in the medical certificate.

3. The authority competent to grant leave may at its discretion, seek a second medical opinion by requesting the Chief Medical Officer of the Port Trust Hospital or the Chief Medical Officer of the District in which the employee is serving or in which he falls ill or to which he proceeds for treatment, to have the applicant medically examined on the earliest possible date.

4. It shall be the duty of the Medical Officer examining the employee under Sub-Regulation (3) above to express an opinion both as regards the facts of the illness and as regards the necessity for the period of leave recommended and for that purpose he may require the applicant to appear either before himself or before a medical Officer nominated by himself.

5. The grant of a medical certificate under this Regulation does not in itself confer upon the employee concerned any right to leave; the medical certificate shall be forwarded to the authority competent to grant leave and orders of that authority awaited.

6. The authority competent to grant leave may, in its discretion, waive the production of a medical certificate in case of an application for leave for a period not exceeding three days at a time. Such leave shall not, however, be treated as leave on medical certificate and shall be debited against leave other than leave on medical grounds.

18. Leave to an employee who is unlikely to be fit to return to duty.—(1) (a) When a medical authority has reported that there is no reasonable prospect that the employee will ever be fit to return to duty, leave shall not necessarily be refused to such employee.

(b) The leave may be granted, if due, by the authority competent to grant leave on the following conditions:—

(i) If the Medical authority is unable to say with certainty that the employee will never again be fit for service, leave not exceeding twelve months in all may be granted and such leave shall not be extended without further reference to a medical authority;

(ii) If an employee is declared by a medical authority to be completely and permanently incapacitated for further service, leave or an extension of leave may be granted to him after the report of the medical authority has been received, provided the amount of leave as debited to the leave account together with any period of duty beyond the date of the report of the medical authority, does not exceed six months.

(2) An employee who is declared by a Medical authority to be completely and permanently incapacitated for further service shall;

(a) if he is on duty, be invalidated from service from the date of relief of his duties, which should be arranged without delay on receipt of the report of the medical authority, if however, he is granted leave under sub-regulation (1) he shall be invalidated from service on the expiry of such leave.

(b) if he is already on leave, be invalidated from service on the expiry of that leave or extension of leave, if any granted to him under sub-regulation (1).

19. Commencement and termination of leave.—Except as provided in Regulation 20, leave ordinarily begins on the day on which the transfer of charge is effected and ends on the day preceding that on which the charge is resumed.

20. Combination of holidays with leave.—(1) (i) When the day, immediately preceding the day on which an employee's leave (other than leave on Medical

Certificate) begins or immediately following the day on which his leave expires, is holiday or one of series of holidays, the employee shall be deemed to have been permitted (except in cases where for administrative reasons permission for prefixing/suffixing holidays, to leave specifically withheld) to leave his station at the close of the day before, or return to it on the day following such holiday or series of holidays:

Provided that his transfer or assumption of charge does not involve the handing over of securities or moneys other than a permanent advance;

(ii) in case of leave on medical certificate:—

(a) When the employee is certified medically unwell to attend office, holiday(s), if any, immediately preceding the day he is so certified shall be allowed automatically to be prefixed to leave and the holiday(s), if any, immediately succeeding the day he is so certified (including that day) shall be treated as part of the leave; and

(b) When an employee is certified medically fit for joining duty, holiday(s), if any, succeeding the day, he is so certified (including that day) shall automatically be allowed to be suffixed to the leave, and holiday(s), if any, preceding the day he is so certified shall be treated as part of the leave.

(2) On condition the departing employee remains responsible for the moneys in his charge, the Head of the Department may, in any particular case waive the application of the proviso to Sub-Regulation (1).

(3) Unless the authority competent to grant leave in any case otherwise directs:—

(a) If holidays are prefixed to leave, the leave and any consequent re-arrangement of pay and allowances take effect from the day after the holidays; and

(b) If holidays are suffixed to leave, the leave is treated as having terminated and any consequent re-arrangement of pay and allowances takes effect from the day on which the leave would have ended if holidays had not been suffixed.

Note.—A compensatory leave granted in lieu of duty performed by an employee on Sunday or a holiday for a full day may be treated as a holiday for the above purpose.

21. Recall to duty before expiry of leave.—(1) In case, an employee is recalled to duty before the expiry of his leave, such recall to duty shall be treated as compulsory in all cases and the employee shall be entitled—

(a) If the leave from which he is recalled is in India, to be treated as on duty from the date on which he starts for the station to which he is ordered, and to draw;

(i) travelling allowance under rules made in this behalf for the journey; and

(ii) leave salary, until he joins his post, at the same rate at which he would have drawn it but for recall to duty.

(b) If the leave from which he is recalled out of India, to count the time spent on the voyage to India as duty, for purposes of calculating leave and to receive;

(i) leave salary, during the voyage to India and for the period from the date of landing in India to the date of joining his post at the same rate at which he would have drawn but for recall to duty;

(ii) a free passage to India;

(iii) refund of his passage from India if he was not completed half the period of his leave by the

date of leaving for India on recall or 3 months whichever is shorter;

(iv) travelling allowance, under regulations for the time being in force, for travel from the place of landing in India to the place of duty.

22. Return from leave.—(1) An employee on leave shall not return to duty before the expiry of the period of leave granted to him unless he is permitted to do so by the authority which granted him leave.

(2) Notwithstanding anything contained in Sub-Regulation (1) an employee on leave preparatory to retirement shall be precluded from returning to duty save with the consent of the authority competent to appoint him to the post from which he proceeded on leave preparatory to retirement.

(3) (a) An employee who has taken leave on medical certificate may not return to duty until he has produced a medical certificate of fitness in form-5

(b) If the employee is a Class-I or Class-II employee, the certificate under clause (s) above shall be obtained from the Chief Medical Officer of the Port Trust Hospital or from an Authorised Medical Attendant, not below the rank of Civil Surgeon Gr. I, as the case may be.

(c) In the case of a Class-III or Class-IV employee, the authority under which the employee is employed on return from leave may, in its discretion, accept a certificate signed by a registered medical practitioner.

(4) (a) An employee returning from leave is not entitled, in the absence of specific orders to that effect, to resume, as a matter of course, the post which he held before going on leave.

(b) Such employee shall report his return to duty to the authority which granted him leave or to the authority, if any, specified in the order granting him the leave and await orders.

Note.—An employee who had been suffering from tuberculosis may be allowed to resume duty on the basis of fitness certificate, which recommends light work for him.

23. Absence after expiry of leave.—(1) Unless the authority competent to grant leave extends the leave, an employee who remains absent after the end of leave is entitled to no leave salary for the period of such absence and that period shall be debited against his leave accounts as though it were half-pay leave, to the extent such leave is due, the period in excess of such leave due being treated as extraordinary leave.

(2) Wilful absence from duty after the expiry of leave renders an employee liable to disciplinary action.

CHAPTER IV

KINDS OF LEAVE DUE AND ADMISSIBLE

24. Earned Leave :

(1) (i) An employee shall be entitled to 30 days earned leave in a Calendar year. The leave account of every employee shall be credited with earned leave in advance in two instalments of 15 days each on the first of January and July every calendar year.

(ii) When an employee joins a new post without availing of the full joining time, the number of days of joining time as admissible under the rules in force, subject to the maximum of 15 days reduced by the number of days actually availed of, shall be credited to his leave account as earned leave, provided that the earned leave already at his credit, together with the credit given under this sub-clause, does not exceed 240 days.

(b) The leave at the credit of an employee at the close of the previous half year shall be carried forward to the next half year, subject to the condition that the leave so carried forward plus the credit for the half year do not exceed the maximum limit of 240 days.

(2) Subject to the provisions of Regulations-6 and 32 and sub-Regulations (1) and (3) of this Regulation, the maximum earned leave that may be granted at a time to an employee in India shall be 120 days.

(3) Earned leave may be granted to an employee in Class-I or Class-II service for a period exceeding 120 days but not exceeding 240 days if the entire leave so granted or any portion thereof is spent outside India.

Provided that where earned leave exceeding a period of 120 days is granted under this Sub-Regulation, the period of such leave spent in India shall not in the aggregate exceed the aforesaid limits.

(4) A period spent in foreign service shall count as duty for purposes of this Regulation, if contribution towards leave salary is paid on account of such period.

25. Calculation of earned leave.—1. Earned leave shall be credited to the leave account of an employee at the rate of 24 days for each completed calendar month of service which he is likely to render in a half year of the calendar year in which he is appointed.

2. (a) The credit for the half year in which an employee is due to retire or resigns from the service shall be afforded only at the rate of 24 days per completed calendar month upto the date of retirement or resignation.

(b) When an employee is removed or dismissed from service or dies while in service, credit of earned leave shall be allowed at the rate of 24 days per completed calendar month upto the end of the calendar month preceding the calendar month in which he is removed or dismissed from service or dies in service.

3. In an employee who availed of extraordinary leave and/or some period of absence has been treated as dies-non in a half-year, the credit to be afforded to his leave account at the commencement of the next half year shall be reduced by 1/10th of the period of such leave and/or dies-non, subject to maximum of 15 days.

4. While affording credit of earned leave, fractions of a day shall be rounded off to the nearest day.

26. Half pay leave.—(1) The half pay leave account of every employee shall be credited with half-pay leave in advance, in two instalments of 10 days each on the first day of January and July of every calendar year.

(2) (a) The leave shall be credited to the said leave account at the rate of 5/3 days for each completed calendar month of service which he is likely to render in the half year of the calendar year in which he is appointed.

(b) The credit for the half year in which an employee is due to retire or resigns from service shall be allowed at the rate of 5/3 days per completed calendar month upto the date of retirement or resignation.

(c) When an employee is removed or dismissed from service or dies while in service, credit of half pay leave shall be allowed at the rate of 5/3 days per completed calendar month upto the end of calendar month preceding the calendar month in which he is removed or dismissed from service or dies in service.

(d) Where a period of absence or suspension of employee has been treated as "dies-non" in a half year, the credit to be afforded to his half-pay leave account at the commencement of next half-year shall be reduced by one eighteenth of the period of "dies-non", subject to a maximum of ten days.

(3) The leave under this regulation may be granted on medical certificate or on private affairs.

(4) While affording credit of half-pay leave, fraction of a day shall be rounded off to the nearest day :

Provided that in the case of an employee not in permanent employ no half pay leave shall be granted unless the authority competent to grant leave has reasons to believe that the employee will return to duty on its expiry except in the case of an employee who has been declared completely and permanently incapacitated for further service by a medical authority.

27. Commuted leave.—(1) Commuted leave not exceeding half the amount of half pay leave due may be granted on medical certificate to an employee, subject to the following conditions :

(a) The authority competent to grant leave is satisfied that there is reasonable prospect of the employee returning to duty on its expiry ;

(b) When commuted leave is granted, twice the amount of such leave shall be debited against the half pay leave due.

(2) Half pay leave upto a maximum of 180 days may be allowed to be commuted during the entire service (without production of medical certificate) where such leave is utilised for an approved course of study certified to be in the Board's interest by the leave sanctioning authority.

(3) Where an employee who has been granted commuted leave resigns from service or at his request is permitted to retire voluntarily without returning to duty, the commuted leave shall be treated as half-pay leave and the difference between the leave salary in respect of commuted leave and half pay leave shall be recovered.

Provided that no such recovery shall be made if the retirement is by reason of ill-health incapacitating the employee for further service or in the event of his death.

Note.—Commuted leave may be granted at the request of employee even when earned leave is due to him.

28. Leave not due.—(1) Save in the case of leave preparatory to retirement, leave not due may be granted to an employee in permanent employ limited to a maximum of 360 days during the entire service on medical certificate subject to the following conditions.

(a) The authority competent to grant leave is satisfied that there is reasonable prospect of the employee returning to duty on its expiry ;

(b) Leave not due shall be limited to the half pay leave, he is likely to earn thereafter ;

(c) Leave not due shall be debited against the half pay leave, the employee may earn subsequently.

(2) 'Leave not due' may also be granted to such of the temporary employees as are suffering from Tuberculosis, Leprosy, Cancer or Mental illness for a period not exceeding 360 days during the entire service subject to the fulfilment of the conditions in clauses (a) to (c) of sub-regulation (1) and also subject to the following further conditions :

(i) The employee has put in a minimum of one year's service.

(ii) The post from which the employee proceeds on leave is likely to last till his return to duty ; and

(iii) The request for grant of such leave is supported by a medical certificate.

(3) (a) Where an employee who has been granted leave not due resigns from service or at his request permitted to retire voluntarily without returning to duty, the leave not due shall be cancelled, his resignation or retirement taking effect from the date on which such leave had commenced, and the leave salary shall be recovered.

(b) Where an employee, who having availed himself of leave not due, returns to duty, but resigns or retires from service before he has earned such leave, he shall be liable to refund the leave salary to the extent the leave has not been earned subsequently.

Provided that no leave salary shall be recovered under clause (a) or clause (b) if the retirement is by reason of ill-health incapacitating the employee for further service or in the event of his death, or he is retired by giving him notice or pay and allowances in lieu of such notice in accordance with the terms and conditions of his service.

29. Extraordinary leave.—(1) Extraordinary leave may be granted to an employee, in special circumstances :—

(a) When no other leave is admissible ;

(b) When other leave is admissible, but the employee applies in writing for the grant of extraordinary leave.

(2) Unless the Board under exceptional circumstances of the case otherwise determines, no employee, who is not in permanent employ shall be granted extraordinary leave on any one occasion in excess of the following limits :

(a) three months ;

(b) six months where the employee has completed one year's continuous service on the date of expiry of leave of the kind due and admissible under those regulations including 3 months extraordinary leave under Clause (a) and his request for such leave is supported by a medical certificate as required by these regulations.

(c) Eighteen months on medical certificate where the employee who has completed one year continuous service is undergoing treatment for—

(i) Pulmonary tuberculosis or pleurisy of tubercular origin, in a recognised sanatorium ;

Note.—The concession of extraordinary leave upto 18 months shall be admissible also to an employee suffering from Pulmonary Tuberculosis or pleurisy or tubercular origin who receives treatment at his residence under a Tuberculosis Specialist recognised as such by the State Administrative Medical Officer concerned and produce a certificate signed by that specialist to the effect that he is under his treatment and that he has reasonable chances of recovery on the expiry of the leave recommended.

(ii) Tuberculosis of any other part of the body by a qualified Tuberculosis Specialist or a Civil Surgeon; or Staff Surgeon; or

(iii) Leprosy in a recognised Leprosy Institution or by a Civil Surgeon or Staff Surgeon or a Specialist in Leprosy Hospital recognised as such by the State Administrative Medical Officer concerned ;

(iv) Cancer or for mental illness in an institution recognised for the treatment of such disease or by a Civil Surgeon or Staff Surgeon or a specialist in such disease.

Note.—For this purpose "Medical Certificate" include a medical certificate issued by the Chief Medical Officer of the Port Trust Hospital.

(d) twenty four months, where the leave is required for the purpose of prosecuting studies certified to be in the Board's interest, provided the employee concerned has completed three years continuous service on the date of expiry of leave of the kind due and admissible under these regulations, including three months extraordinary leave under clause (a).

3. (a) Where an employee is granted extraordinary leave in relaxation of the provisions contained in Clause (d) of sub-regulation (2), shall be required to execute a bond in Form-6 undertaking to refund

to the Board the actual amount of expenditure incurred by the Board during such leave plus that incurred by any other Agency with interest thereon in the event of his not returning to duty on the expiry of such leave or quitting the service before a period of three years after return to duty.

- (b) The Board shall be supported by sureties from the two permanent employees having a status comparable to or higher than that of the employees.
- (c) Employees belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, for the purpose of attending the pre-examination training course at the centre notified by Government, from time to time, be granted extraordinary leave by the competent authority, in relaxation of the provisions of sub-regulation (2).

(5) Two spells of extraordinary leave, if intervened by any other kind of leave, shall be treated as one continuous spell of extraordinary leave for the purpose of sub-regulation (2).

(6) The authority competent to grant leave may commute retrospectively periods of absence without leave into extraordinary leave.

29. (a) Leave to probationer, a person on probation and an apprentice :

- 1. (a) A Probationer shall be entitled to leave under these regulations, if he had held his post substantively otherwise than on probation.
- (b) If for any reason, it is proposed to terminate the services of a probationer, any leave which may be granted to him shall not extend—
 - (i) beyond the date on which the probationary period as already sanctioned or extended expires, or
 - (ii) beyond any earlier date on which his services are terminated by the orders of an authority competent to appoint him.

(2) A person appointed to a post on probation shall be entitled to leave under these regulations as a temporary or permanent employee according to his appointment is against temporary or permanent post.

Provided that where such person already holds a lien on a permanent post before such appointment, he shall be entitled to leave under these regulations as a permanent employee.

(3) An apprentice shall be entitled to :

- (a) Leave on medical certificate, on leave salary equivalent to half pay for a period not exceeding one month in any year of apprenticeship.
- (b) Extraordinary leave under Regulation 29.

30. Persons re-employed after retirement.—In the case of a person re-employed after retirement the provisions of these regulations shall apply, as if, he had entered Board's service for the first time on the date of his re-employment.

31. Leave preparatory to retirement.—(1) An employee may be permitted by the authority competent to grant leave to take leave preparatory to retirement to the extent of earned leave due, not exceeding 240 days together with half pay leave due subject to the condition that such leave extends upto and includes the date of retirement.

Note.—The leave granted as leave preparatory to retirement shall not include extraordinary leave.

- (2) (a) Where an employee who is on foreign service in or under any local authority or a corporation or company wholly or subsequently owned or controlled by the Government or a Body controlled or financed by the Government (hereinafter referred to as the Local Body) applies for leave preparatory

to retirement, the decision to grant or refuse such leave shall be taken by foreign employer with the concurrence of the lending authority.

- (b) the employee on foreign service shall also be allowed to encash earned leave at his credit on the date of retirement in the manner provided in Sub-Regulation (2) of Regulation 32.

(3) Where an employee is on foreign service in or under a local body other than the one mentioned in Sub-Regulation (2)(a) leave preparatory to retirement shall be admissible to him only when he quits duty under the foreign employer:

Provided that where an employee continues in service under such foreign employer, the employee shall not be eligible for grant of cash payment in lieu of leave under Regulation 32.

32. Leave/cash payment in lieu of leave beyond the date of retirement/compulsory retirement or quitting of service.

1. No leave shall be granted to an employee—

- (a) the date of his retirement, or
- (b) the date of his final cessation of duties, or
- (c) the date on which he retires by giving notice or he is retired by giving him notice or pay and allowances in lieu of such notice, in accordance with the terms and conditions of his service, or

(d) The date of his resignation from service.

- 2. (a) Where an employee retires on attaining the normal age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his service, the authority competent to grant leave shall suo motu issue an order granting cash equivalent of leave salary for (earned) leave, if any, at the credit of the employee on the date of his retirement, subject to a maximum of 240 days.

- (b) The cash equivalent under clause (a) shall be calculated as follows and shall be payable in one lump sum as a one-time settlement. No House Rent allowance or City Compensatory allowance shall be payable :—

Pay admissible on the Number of days of unutilised date of retirement plus utilised earned leave at dearness allowance admissible retirement subject to on that date

Cash equivalent = $\frac{30}{240} \times$ a maximum of 240 days.

3. The authority competent to grant leave may withhold whole or part of cash equivalent of earned leave in the case of an employee who retires from service on attaining the age of retirement while under suspension or while disciplinary or criminal proceedings are pending against him, if in the view of such authority there is a possibility of some money becoming recoverable from him on conclusion of the proceedings against him. On conclusion of the proceedings, he will become eligible to the amount so withheld after adjustment of dues if any.

- 4. (a) Where the service of an employee has been extended, in the interest of public service beyond the date of his retirement, he may be granted :—

- (i) during the period of extension, any earned leave due in respect of the period of such extension plus the earned leave which was at his credit on the date of his retirement subject to a maximum of 120 days/240 days, as the case may be, as prescribed in regulation :—

- (ii) after expiry of the period of extension, cash equivalent in the manner provided in sub-regulation (2) in respect of earned leave at credit on the date of retirement, plus the earned leave earned during the period of extension, reduced by the earned leave availed of during such period, subject to a maximum of 240 days.

(b) The cash equivalent payable under sub-clause (ii) of clause (a) of this sub-regulation shall be calculated in the manner indicated in clause (b) of sub-regulation (2) above.

5. An employee who retires or is retired from service in the manner mentioned in clause (c) of sub-regulation (1), may be granted, suo motu by the authority competent to grant leave, cash equivalent of the leave salary in respect of earned leave at his credit subject to a maximum of (240) days and also in respect of all the half-pay leave at his credit provided this period does not exceed the period between the date on which he so retires or is retired from service and the date on which he would have retired in the normal course after attaining the age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his service. The cash equivalent shall be equal to the leave salary as admissible for earned leave and/or equal to the leave salary as admissible for half-pay leave plus dearness allowance admissible on that leave salary for the first 240 days, at the rates in force on the date the employee so retires or is retired from service. The pension and pension equivalent of other retirement benefits and adhoc relief/graded relief on pension shall be deducted from the leave salary paid for the period of half-pay leave, if any, for which the cash equivalent is payable. The amount so calculated shall be paid in one lump sum as a one-time settlement. No House rent allowance or City compensatory allowance shall be payable :

Provided that if leave salary for the half-pay leave component falls short of pension and other pensionary benefits, cash equivalent of half-pay leave shall not be granted.

5. (A) "Where an employee is compulsorily, retired as a measure of penalty under the provisions of the V.P.E. (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1968 and the disciplinary authority has not imposed any reduction in the amount of his pension (including gratuity) as per rules, the authority competent to grant leave shall suo motu issue an order granting cash equivalent of leave salary for earned leave, if any, at credit of the employee on the date of such retirement, subject to a maximum of two hundred and forty days in the manner indicated in clause (b) of sub-regulation (2)".

6. (a) (i) Where the services of an employee are terminated by notice or by payment of pay and allowance in lieu of notice, or otherwise in accordance with the terms and conditions of his appointment, he may be granted, suo motu, by the authority competent to grant leave, cash equivalent in respect of earned leave, at his credit on the date on which he ceases to be in service subject to a maximum of (240) days;

(ii) If an employee resigns or quits service, he may be granted, suo motu, by the authority competent to grant leave, cash equivalent in respect of earned leave at his credit on the date of cessation of service, to the extent of half of such leave at his credit, subject to a maximum of (120) days ;

(iii) An employee who is re-employed after retirement may, on termination on his re-employment, be granted, suo motu, by the authority competent to grant leave cash equivalent in respect of earned leave at his credit on the date of termination of re-employment subject to a maximum of (240) days, (including the period for which encashment was allowed at the time of retirement).

(b) The cash equivalent payable under clause (a) shall be calculated in the manner indicated in clause (b) of sub-regulation (2) and for the purpose of computation of cash equivalent under sub-clause (iii) of clause (a), the pay on the date of the termination of re-employment shall be the pay fixed in the scale of post of re-employment before adjustment of pension and pension equivalent of other retirement benefits, and the dearness allowance appropriate to that pay.

33. Cash equivalent of Leave Salary in case of death in service.—In case an employee dies while in service, the cash equivalent of the leave salary that the deceased employee would have got had he gone on earned leave that would have been due and admissible to him but for the death on the date immediately following the death and in any case, not exceeding leave salary for (240) days shall be paid to his family (in the manner specified in Regulation-35 without any reduction on account of pension equivalent of death-cum-retirement gratuity).

Note.—In addition to the cash equivalent of leave salary admissible under this Regulation the family of the deceased employee shall also be entitled to payment of dearness allowance only as per orders issued in this behalf separately.

34. Cash equivalent of leave salary in case of invalidation from service.—An employee who is declared by a medical authority to be completely and permanently incapacitated for further service may be granted, suo motu, by the authority competent to grant leave, cash equivalent of leave salary in respect of leave due and admissible, on the date of his invalidation from service, provided that the period of leave for which he is granted cash equivalent does not extend beyond the date on which he would have retired in the normal course after attaining the age prescribed for retirement under the terms and conditions covering his service, the cash equivalent thus payable shall be equal to the leave salary as calculated under sub-regulation (3) of Regulation-32. An employee not in permanent employ shall not however, be granted cash equivalent of leave salary in respect of half-pay leave standing at his credit on the date of his invalidation from service.

35. Payment of cash equivalent of leave salary in case of death, etc. of an employee.—In the event of the death of an employee while in service or after retirement or after final cessation of duties but before actual receipt of its cash equivalent of leave salary payable under Regulations-32, 33 and 34 such amount shall be payable.—

(i) to the widow, and if there are more widows than one, to the eldest surviving widow if the deceased was a male employee or to the husband, if the deceased was a female employee;

Explanation.—The expression "eldest surviving widow" shall be construed with reference to the seniority according to the date of the marriage of the surviving widows and not with reference to their ages;

(ii) failing a widow or husband, as the case may be to the eldest surviving son; or an adopted son;

(iii) failing (i) to (iii) above, to the eldest surviving unmarried daughter;

(iv) failing (i) to (iii) above, to the eldest surviving widowed daughter;

(v) failing (i) to (iv) above, to the father;

(vi) failing (i) to (v) above, to the mother;

(vii) failing (i) to (vi) above, to the eldest surviving brother below the age of eighteen years;

(viii) failing (i) to (vii) above, to the eldest surviving unmarried sister; and

(ix) failing the above, to the eldest surviving widowed sister.

36. An employee on his application shall be allowed the encashment of earned leave, under the following terms and conditions :—

(a) Encashment will be allowed only once in a Calendar year. It will be limited to 50 per cent of the leave standing at the credit of an employee and will be subject to an employee simultaneously availing himself of 7 days leave. The leave account will be debited by the total of leave encashed and availed.

(b) The amount admissible on such encashment shall be the pay and allowances for which he would have been eligible had he actually gone on leave and will be paid in advance.

(c) The amount paid in lieu of leave shall not count as emoluments for any purposes. It shall not also be subjected to recoveries in respect of loans, advances, etc.

37. Leave Salary.—1. An employee who proceeds on earned leave is entitled to leave salary equal to the pay drawn immediately before proceeding on earned leave.

Note.—In respect of any period spent on foreign service out of India, the pay which the employee would have drawn if on duty in India but for foreign service out of India shall be substituted for the pay actually drawn while calculating leave salary.

2. An employee on half-pay leave or leave not due is entitled to leave salary equal to half the amount specified in [sub-regulation (1)].

3. An employee on commuted leave is entitled to leave salary equal to the amount admissible under sub-regulation (1).

4. An employee on extraordinary leave is not entitled to any leave salary.

5. In the case of an employee who is granted leave earned by him during the period of re-employment the leave salary shall be based on the pay, drawn by him exclusive of the pension and pension equivalent of other retirement benefits.

6. (a) If, in the case of an employee who retires or resigns from the service, the leave already availed of is more than the credit so due to him necessary adjustment shall be made in respect of leave salary, if any, overdrawn.

(b) Where the quantum of earned leave already availed of by an employee who is dismissed or removed from service or who dies while in service is in excess of the leave credit under Clause (b) of Sub-regulation (2) of Regulation 25, the overpayment of leave salary shall be recovered in such cases.

38. Drawal of leave salary.—The leave salary payable under these regulations shall be drawn in rupees in India.

39. Advance of leave salary.—An employee including an employee on foreign service, proceeding on leave for a period not less than 30 days may be allowed in advance in lieu of leave salary upto a month's pay subject to the following conditions :—

(1) The amount of the advance shall be restricted to the net amount of leave salary including allowances as well for the 1st month of leave that is clearly admissible after deductions on account of Income tax, Provident Fund, House Rent, repayment of advance etc., so that there is no financial risk involved.

(ii) The advance should be adjusted in full in the leave salary bill in respect of the leave availed. In cases where the advance cannot be so adjusted in full, the balance shall be recovered from the next payment of pay or leave salary or both.

(iii) The advance may be sanctioned by the Chairman, Dy. Chairman or the Heads of Departments, as the case may be.

(iv) Advances in respect of a temporary employee may be sanctioned without the surety of a permanent employee.

(v) The amount of advance shall be debited to the head of account to which the pay etc., of the employee is debited.

(vi) Advance under these regulations shall be sanctioned in whole rupees.

CHAPTER-V

40. Maternity Leave.—Special kinds of leave other than study leave.

(1) A Female employee (including an apprentice) with less than two surviving Children may be granted maternity leave by an authority competent to grant

leave for a period of 90 days from the date of its commencement.

(2) During such period she shall be paid leave salary equal to the pay drawn immediately before proceeding on leave.

(3) Maternity leave not exceeding six weeks may also be granted to a female employee in case of miscarriage, including abortion, (irrespective of No. of surviving children) on production of medical certificate as laid down in Regulation-17.

(4) (a) Maternity leave may be combined with leave of any other kind.

(b) Notwithstanding the requirement of production of medical certificate contained in Sub-regulation (1) of Regulation 27 or Sub-Regulation (1) of Regulation 28, leave of the kind due and admissible (including commuted leave for a period not exceeding 60 days and leave not due) upto a maximum of one year may, if applied for, be granted in continuation of maternity leave granted under Sub-regulation (1).

(5) The maternity leave shall not be debited against the leave account.

41. Special disability leave for injury intentionally inflicted.—(1) The authority competent to grant leave may grant special disability leave to an employee (whether permanent or temporary) who is disabled by injury intentionally inflicted or caused in, or in consequence of the due performance of his official duties or in consequence of his official position.

(2) Such leave shall not be granted unless the disability manifested itself within three months of the occurrence to which it is attributed and the person disabled acted with due promptitude in bringing it to notice;

Provided that the authority competent to grant leave may, if it is satisfied as to the cause of the disability, permit leave to be granted in cases where the disability manifested itself more than three months after the occurrence of its cause.

(3) The period of leave granted shall be such as is certified by the Medical Officer of the Board and shall in no case exceed 24 months.

(4) Special disability leave may be combined with leave of any other kind.

(5) Special disability leave may be granted more than once if the disability is aggravated or reproduced in similar circumstances at later date, but not more than 24 months of such leave shall be granted in consequence of any one disability.

(6) Special disability leave shall be counted as duty in calculating service for pension and shall not, except the leave granted under the proviso to clause (b) of sub-regulation (7), be debited against the leave account.

(7) Leave salary during such leave shall,—

(a) for the first 120 days of any period of such leave, including a period of such leave granted under Sub-regulation (5), be equal to leave salary while on earned leave; and

(b) for the remaining period of any such leave, be equal to leave salary during half-pay leave :

Provided that an employee may, at his option, be allowed leave salary as in sub-regulation (a) for period not exceeding another 120 days, and in that event the period of such leave shall be debited to his half-pay leave account.

(8) In the case of person to whom the Workmen's Compensation Act, 1923 (8 of 1923) applies, the amount of leave salary payable under this Reg. shall be reduced by the amount of compensation payable under clause (d) of sub-section (1) of Section-4 of the said Act.

42. SPECIAL DISABILITY LEAVE FOR ACCIDENTAL INJURY :

(1) The provisions of Regulation-41 shall apply also to an employee whether permanent or temporary, who is disabled by injury accidentally incurred in, or in consequence of, the due performance of his official duties or in consequence of his official position, or by illness incurred in the performance of any particular duty, which has the effect of increasing his liability to illness or injury beyond the ordinary risk attaching to the post which he holds.

(2) The grant of special disability leave in such case shall be subject to the further conditions—

- (i) That the disability, if due to disease, must be certified by the Medical Officer of the Board to be directly due to the performance of the particular duty;
- (ii) that, if the employee has contracted such disability during service otherwise than with a military force, it must be in the opinion of the authority competent to sanction leave, exceptional in character; and
- (iii) that the period of absence recommended by the Medical Officer of the Board may be covered in part, by leave under this regulation and in part by any other kind of leave, and that the amount of special disability leave granted on leave salary equal to that admissible on earned leave shall not exceed 120 days.

43. HOSPITAL LEAVE :

(1) The authority competent to grant leave may grant hospital leave to :—

- (a) Class-IV, employees; and
- (b) Such Class-III employees whose duties involve the handling of dangerous machinery, explosive materials, poisonous drugs and the like, or the performance of hazardous tasks, while under medical treatment in a hospital or otherwise, for illness or injury if such illness or is directly due to risks incurred in the course of their official duties.

(2) Hospital leave shall be granted on the production of medical certificate from the Medical Officer of the Board.

(3) Hospital leave may be granted for such period as the authority granting it may consider necessary, on leave salary—

- (i) equal to leave salary while on earned leave for the first 120 days of the period of such leave; and
- (ii) equal to leave salary during half pay leave, for the remaining period of any such leave.

(4) Hospital leave shall not be debited against the leave account and may be combined with any other kind of leave which may be admissible, provided the total period of leave, after such combination, does not exceed 28 months.

(5) In the case of a person to whom the Workmen's compensation Act, 1923 (8 of 1923) applies, the amount of leave salary payable under this rule shall be reduced by the amount of compensation payable under clause (d) of Sub-section (1) of Section-4 of the said Act.

(44) COMPULSORY LEAVE TO RADIOGRAPHERS-CUM-DARK ROOM ASSISTANTS :

- (1) Every Radiographer-cum-Dark Room Assistant shall be granted leave for one month every year compulsorily and out of one month leave, half of the leave shall only be debited to the employee's leave account and the balance shall be borne by the Board.
- (2) An employee who proceeds on special leave mentioned in Sub-Regulation (1) above shall be entitled to leave salary equal to the pay drawn immediately before proceeding on leave for the portion of leave borne by the Board.

CHAPTER-VI (Study Leave)

45. CONDITIONS FOR GRANT OF STUDY LEAVE :

(1) Subject to conditions specified in this Chapter, study leave may be granted to an employee with due regard to the exigencies of Board's service to enable him to undergo, in or out of India, a special course of study consisting of higher studies or specialised training in a professional or a technical subject having a direct and close connection with the spare of his duty.

(2) Study leave may also be granted—

- (i) for a course of training or study tour in which the employee may not attend a regular academic or semi-academic course if the course of training or the study tour is certified to be of definite advantage to Board from the point of view of Public interest and is related to sphere of duties of the employee and;
- (ii) for the purposes of studies connected with the framework or background of public administration subject to the conditions that—
 - (a) the particular study or study tour should be approved by the authority competent to grant leave, and
 - (b) the employee should be required to submit, on his return, a full report on the work done by him while on study leave
- (iii) for the studies which may not be closely or directly connected with the work of an employee, but which are capable of widening his mind in a manner likely to improve his abilities as an employee and to equip him better to collaborate with those employed in other branches of the public service.

NOTE : Application for study leave in cases falling under Clause (iii) shall be considered on merits of each case in consultation with the Accounts Department.

(3) Study leave shall not be granted unless—

- (i) It is certified by the authority competent to grant leave that the proposed course of study or training shall be of definite advantage from the point of view of public interests :
- (ii) It is for prosecution of studies in subjects other than academic or literary subject :

Provided that Medical Officer may be granted study leave for prosecuting a course of Post-Graduate study in Medical Sciences if the Board certified to the effect that such study shall be valuable in increasing the efficiency of such medical officer in the performance of his duties :

Provided also that a specialist or a technical person may be granted study leave, on merits of each case for prosecuting a post-graduate course of study directly related to the sphere of his duty in case the competent authority certifies that the course of study shall enable the specialist or the technical person, as the case may be, to keep abreast with modern development in the field of his duty, improve his technical standards and competence and thus substantially benefit the Board.

- (iii) the Department of Economic Affairs of the Ministry of Finance agrees to the release of foreign exchange involved in the grant of study leave, if such leave is outside India :

Provided that in releasing foreign exchange to employees proceeding on study leave abroad, the Department aforesaid shall satisfy itself whether such employee comply with the minimum educational criteria as specified in the general orders issued by the said Department from time to time regulating release of foreign exchange to person proceeding abroad for higher studies at their expenses.

(4) Study leave out of India shall not be granted for the prosecution of studies in subjects for which adequate facilities exist in India or under any of the Schemes administered by

the Department of Economic Affairs of the Ministry of Finance or by the Ministry of Education.

(5) Study leave may be granted to an employee,

(i) who has satisfactorily completed period of probation and has rendered not less than five years' regular continuous service including the period of probation under the Board;

(ii) who is not due to reach the age of superannuation from the Board's service within three years from the date of which he is expected to return to duty after the expiry of the leave, and

(iii) who executes a bond as laid down in Regulation 49(3) and, taking to serve the Board for a period of three years after the expiry of the leave.

(6) Study leave shall not be granted to an employee with such frequency as to remove him from contract with his regular work or to cause undue difficulties owing to his absence on leave.

46. MAXIMUM AMOUNT OF STUDY LEAVE:

The maximum amount of study leave, which may be granted to an employee shall be—

(a) ordinarily twelve months at any one time, and

(b) during his entire service, twenty-four months in all (inclusive of similar kind of leave for study or training granted under any other rules or regulations).

47. AUTHORITY COMPETENT TO SANCTION STUDY LEAVE:

Study leave may be granted:

(a) by the Board in the case of employees referred to in clause (a) of sub-section (i) of Section 24 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963);

(b) by Chairman or Deputy Chairman as the case may be in all other cases.

48. APPLICATIONS FOR STUDY LEAVE:

(1) (a) Every application for study leave shall be submitted through proper channel to the authority competent to grant leave.

(b) The course or courses of study contemplated by the employee and any examination which he proposes to undergo shall be clearly specified in such application.

(2) Where it is not possible for the employee to give full details in his application, or if, after leaving India, he is to make any change in the programme which has been approved in India, he shall submit the particulars as soon as possible to the Head of the Mission or the authority competent to grant leave as the case may be, and shall not, unless prepared to do so at his risk, commence the course of study or incur any expenses in connection therewith until he receives the approval of the authority competent to grant the study leave for the course.

49. Sanction of Study Leave.—(1) A report regarding the admissibility of the study leave shall be obtained from the Accounts Department in respect of Class I and II Officers.

Provided that the study leave, if any, already availed of by the employee shall be included in the report.

(2) Where the study leave is granted for prosecution of studies abroad the Head of the Mission concerned shall be informed of the fact by the authority granting the leave through the Central Government.

NOTE :—The Head of the Mission shall be contacted by the employee for issue of any letters of introduction or for other similar facilities that may be required.

(3) (a) Every employee in permanent employ who has been granted study leave or extension of such study leave

shall be required to execute a bond in Form-8, as the case may be, before the study leave or extension of such study leave granted to him commences.

(b) Every employee not in permanent employ who has been granted study leave or extension of such leave shall be required to execute a bond in Form-9 or Form-10 as the case may be, before the study leave or extension of such study leave granted to him commences.

(c) The Authority competent to grant leave shall send to the Accounts Department a certificate to the effect that the employee referred to clause (a) or clause (b) has executed the requisite bond.

(4) (a) On completion of the course of study, the employee shall submit to the authority which granted him the study leave, the certificates of examinations passed or special courses of study undertaken, indicating the date of commencement and termination of the course with the remarks, if any, of the authority in charge of the course of study.

(b) If the study is undertaken in a country outside India where there is an Indian Mission, the certificates shall be submitted through the Head of the Mission concerned.

50. Accounting of Study Leave and combination with leave of other kinds.—(1) Study leave shall not be debited against the leave account of the employee.

(2) Study leave may be combined with other kinds of leave, but in no case shall the grant of this leave in combination with leave, other than extraordinary leave, involve a total absence of more than twenty-eight months from the regular duties of the employee.

Explanation.—The limit of twenty-eight months of absence prescribed in this sub-regulation includes the period of vacation.

(3) An employee granted study leave in combination with any other kind of leave may, if he so desires, undertake or commence a course of study during any other kind of leave and subject to the other conditions laid down in Regulation 53 being satisfied, draw study allowance in respect thereof:

Provided that the period of such leave coinciding with the course of study shall not count as study leave.

51. Regulation of Study Leave extending beyond course of study.—When the course of study falls short of study leave granted to an employee, he shall resume duty on the conclusion of the course of study, unless the previous sanction of the authority competent to grant leave has been obtained to treat the period of shortfall as ordinary leave.

52. Leave salary during study leave.—(1) During study leave availed of outside India, an employee shall draw leave salary equal to the pay that the employee while on duty with Board immediately before proceeding on such leave and in addition the dearness allowance, house rent allowance and study allowance as admissible in accordance with the provisions of Regulations 53 to 56.

(2) (a) During study leave availed of in India, an employee shall draw leave salary equal to the pay that the employee drew while on duty with Board immediately before proceeding on such leave and in addition the dearness allowance and house rent allowance as admissible in accordance with the provisions of Regulation 56.

(b) Payment of leave salary at full rate under clause (a) shall be subject to furnishing of a certificate by the employee to the effect that he is not in receipt of any scholarship, stipend or remuneration in respect of any part-time employment.

(c) The amount, if any, received by an employee during the period of study leave as scholarship or stipend or remuneration in respect of any part-time employment as envisaged in sub-regulation (2) of Regulation 53 shall be deducted against the leave salary payable under this sub-regulation subject to the condition that the leave salary shall not be reduced to an amount less than that payable as leave salary during half-pay leave.

(d) No study allowance shall be paid during study leave for courses of study in India.

53. Conditions for grant of Study Allowance.—(1) A study allowance shall be granted to an employee who has been granted study leave for studies outside India for the period spent in prosecuting a definite course of study at a recognised institution or in any definite tour of inspection of any special class of work, as well as for the period covered by any examination at the end of the course of study.

(2) Where an employee has been permitted to receive and retain, in addition to his leave salary, any scholarship or stipend that may be awarded to him from a Government or non-Government sources, or any other remuneration in respect of any part-time employment—

(a) no study allowance shall be admissible in case the net amount of such scholarship or stipend or remuneration (arrived at by deducting the cost of fees, if any, paid by the employee from the value of the scholarship or stipend or remuneration) exceeds the amount of study allowance otherwise admissible;

(b) in case the net amount of scholarship or stipend or remuneration is less than the study allowance otherwise admissible, the difference between the value of the net scholarship or stipend or any other remuneration in respect of any part-time employment and the study allowance may be granted by the authority competent to grant leave.

(3) Study allowance shall not be granted for any period during which an employee interrupts his course of study to suit his own convenience :

Provided that the authority competent to grant leave or the Head of Mission may authorise the grant of study allowance for a period not exceeding 14 days at a time during such interruption if it was due to sickness.

(4) Study allowance shall also be allowed for the entire period of vacation during the course of study subject to the conditions that—

(a) the employee attends vacation and special course of study or practical training under the direction of the Board of the Authority competent to grant leave, as the case may be; or

(b) in the absence of any such direction, he produces satisfactory evidence before the Head of the Mission or the authority competent to grant leave, as the case may be, that he has continued his studies during the vacation:

Provided that in respect of vacation falling at the end of the course of study it shall be allowed for a maximum period of 14 days.

(5) The period for which study allowance may be granted shall not exceed 24 months in all.

54. Rates of Study Allowance.—(1) The rates of study allowance shall be as follows :

Name of the country	Study allowance per diem
Australia	£ 1.00 (Sterling)
Continent of Europe	£ 1.55 ,,
New Zealand	£ 1.20 ,,
United Kingdom	£ 2.00 ,,
United States of America	£ 2.75 ,,

(2) The rates of study allowance prescribed in sub-regulation (1) may be revised by the Board from time to time.

(3) The rates of study allowance to be granted to an employee who takes study leave in any country other than the one specified in sub-regulation (1) shall be such as may be specially determined by the Board in each case.

55. Procedure for payment of study allowance.—(1) Payment of study allowance shall be subject to the furnishing of a certificate by the employee to the effect that he is not in receipt of any scholarship, stipend or any other remuneration in respect of any part-time employment.

(2) Study allowance shall be paid at the end of every month provisionally subject to an undertaking in writing being obtained from the employee that he would refund to the Board any over payment consequent on his failure to produce the required certificate of attendance or on his failure to satisfy the authority competent to grant leave about the proper utilization of the time spent for which study allowance is claimed.

(3) (a) In the case of a definite course of study at a recognised institution, the study allowance shall be payable by the authority competent to grant leave, if the study leave availed of is in a country where there is no Indian Mission, and by the Head of the Mission in other cases, on claims submitted by the employee from time to time, supported by proper certificates of attendance.

(b) The certificate of attendance required to be submitted in support of the claims for study allowance shall be forwarded at the end of the term, if the employee is undergoing study in an educational institution, or at intervals not exceeding three months if he is undertaking study at any other institution.

(4) (a) When the programme of study approved does not include, or does not consist entirely of, such a course of study, the employee shall submit to the authority competent to grant leave direct or through the Head of Mission a diary showing how his time has been spent and a report indicating fully the nature of the methods and operations which have been studied and including suggestions as to the possibility of adapting such methods or operations to conditions obtaining to the Port.

(b) The authority competent to grant leave shall decide whether the diary and report show that the time of the employee was properly utilised and shall determine accordingly for what periods study allowance may be granted.

56. Admissibility of allowances in addition to study allowance.—(1) For the first 120 days of the study leave, house rent allowance shall be paid at the rates admissible to the employee from time to time at the station from where he proceeded on study leave. The continuance of payment of house rent allowance beyond 120 days shall be subject to the production of a certificate as prescribed in para 8(d) of Ministry of Finance O.M. No. 2(37)-E. II(B)/64, dated 27-11-1965, as amended from time to time.

(2) Except for house rent allowance as admissible under sub-regulation (1) and the dearness allowance and the study allowance, where admissible, no other allowance shall be paid to an employee in respect of the period of study leave granted to him.

57. Travelling allowance during study leave.—An employee to whom study leave has been granted shall not ordinarily be paid travelling allowance but the Board may in exceptional circumstances sanction the payment of such allowance.

58. Cost of fees for study.—An employee to whom study leave has been granted shall ordinarily be required to meet the cost of fees paid for the study but in exceptional cases, the Board may sanction the grant of such fees;

Provided that in no case shall the cost of fees be paid to an employee who is in receipt of scholarship or stipend from whatever source or who is permitted to receive or retain, in addition to his leave salary, any remuneration in respect of part-time employment.

59. Registration or retirement after study leave or non-completion of the course of study:—(1) If an employee resigns or retires from service or otherwise quits service without returning to duty after a period of study leave or within a period of three years after such return to duty [or fails to complete course of study and is thus unable to furnish the certificates as required under sub-regulation (4) of Regulation-49] he shall be required to refund—

- (i) the actual amount of leave salary, study allowances, cost of fees, travelling and other expenses, if any, incurred by the Board; and
- (ii) the actual amount, if any, of the cost incurred by other agencies such as foreign Governments, Foundations and Trusts in connection with the course of study.

together with interest thereon at rates for the time being in force on loans given by the Board, from the date of demand, before his resignation is accepted or permission to retire is granted or his quitting service otherwise:

Provided that except in the case of employees who fail to complete the course of study nothing in this regulation shall apply.

- (a) to an employee who, after return to duty from study leave, is permitted to retire from service on medical grounds; or
- (b) to an employee who, after return to duty from study leave, is deputed to serve in any statutory or autonomous body or institution under the control of the Board and is subsequently permitted to resign from service under the board with a view to his permanent absorption in the said statutory or autonomous Body or institution in the Public interest.

(2) (a) The study leave availed of by such an employee shall be converted into regular leave standing at his credit on the date on which the study leave commenced, any regular leave taken in continuation of study leave being suitably adjusted for the purpose and the balance of the period of study leave, if any, which cannot be so converted, treated as extraordinary leave.

(b) In addition to the amount to be refunded by the employee under sub-regulation (2), he shall be required to refund any excess of leave salary actually drawn over the leave salary admissible on conversion of the study leave.

(3) Notwithstanding anything contained in this regulation, the Board may, if it is necessary or expedient to do so, either in public interest or having regard to the peculiar circumstances of the case or class of cases, by order, waive or reduce the amount required to be refunded under sub-regulation (1) by the employee concerned or class of employees.

CHAPTER VII

MISCELLANEOUS

60. Interpretation.—Where any doubt arises as to the interpretation of these Regulations, it shall be referred to the Board and its decision shall be final.

61. Power to relax.—Where the Chairman is satisfied that the operation of any of these Regulations causes undue hardship in any particular case, he may by order for reasons to be recorded in writing, dispense with or relax the requirements of the Regulation to such extent and subject to such exceptions and conditions as may be considered necessary for dealing with the case in a just and equitable manner.

62. Repeal and saving.—(1) On the commencement of these Regulations, the Visakhapatnam Port Employees (Leave) Regulations, 1964 and the Visakhapatnam Port Employees (Study Leave) Regulations, 1964 in force immediately before such commencement and other provisions regarding regula-

tion of leave contained in the Fundamental Rules and the Supplementary Rules of the Government of India, as far as they are applicable to the employees of the Board, shall, in so far as it provides for any of the matter contained in these regulations, cease to operate.

(2) Notwithstanding such cessation of operation, anything done or any action taken or any leave earned by or granted to or accrued to the credit of an employee under the old Regulations/Rules shall be deemed to have been done, taken, earned, granted or accrued under the corresponding provisions of these regulations.

63. Central Government Rules to be followed in the application of these regulations.—In applying the foregoing regulations and in respect of matters not dealt with in these regulations, the CCS (Leave) Rules, 1972 and the order of the Central Government issued thereunder from time to time, shall be followed in so far as they are not inconsistent with the provisions of these regulations, subject to such exceptions and modifications as the Board may from time to time determine.

THE SCHEDULE

[SEC. REG. 3(k)]

FORM—1

(Sec. Reg. 13)

APPLICATION FOR LEAVE OR FOR EXTENSION OF LEAVE

1. Name of applicant:

2. Post held:

3. Department, Office and Section:

4. Pay:

5. House rent and other compensatory allowances drawn in the present post:

6. Nature and period of leave applied for and date from which required:

7. Sundays, and holidays, if any, proposed to be prefixed/suffixed to leave:

8. Grounds on which leave is applied for:

9. Date of return from last leave, and the nature and period of that leave:

10. I propose/do not propose to avail myself of leave travel concession for the block years—during the ensuing leave:

11. Address during leave period:

SIGNATURE OF APPLICANT

(With date)

12. Remarks and/or recommendation of the Controlling Officer.

SIGNATURE (With date)

Designation.

CERTIFICATE REGARDING ADMISSIBILITY OF LEAVE

13. Certified that _____

(nature of leave)

for _____ from _____ to _____

(period)

is admissible under Regulation—of the V.P.E. (Leave) Regulations, 1992.

SIGNATURE (with date)

Designation.

14. Orders of the authority competent to grant leave.

SIGNATURE (with date)

Designation.

FORM 2

(See Regulation-14)

FORM OF LEAVE ACCOUNT

Date of Birth:

Name of employee:

Date of commencement of continuous service:

Date of permanent employment

Date of retirement/resignation

Particulars of service in the half year of a calendar year.	EARNED LEAVE	HALF-PAY LEAVE
---	--------------	----------------

From	To	Completed months of E.L. Credited at the service in the half year of a calendar year.	beginning of half-year.	No. of days of E.O.L. E.L. to be deducted (Col. 36) availed of during the previous calendar half-year.	(1/10th of the period in col. 5)
1	2	3	4	5	6

Total E.L. at credit in days (col. 4+11-6)	Leave taken From To No. of days	Balance of E.L. on return from leave (Col. 7-10)	Completed months of service in the half-year of a calendar year.	H.P.L. credited at the beginning of half-year.
7	8 9 10	11	12	13

No. of days treated as "dies non" during the previous half-year.	H.P.L. to be deducted (1/18th of the period in col. 14)	Total H.P.L. at credit in days. (col. 35-13-15)	LEAVE Against earnings on half-pay.
14	15	16	From To No. of days

(On Private Affairs & M.C. including commuted leave & leave not due)

TAKEN

L N D Limited to 360 days in entire service.

Commutted leave on medical certificate on full pay.

Other kinds of leave taken.

From	To	No. of days	Commututed leave W/O M.C. for studies certified to be in Board interest limited to 180 days (H.P.L. converted into 90 days commuted leave in entire service).	Commututed leave converted into half-pay leave (Twice of col. 22 & 25)	On medical Certificate.	From	To	No. of days	
20	21	22	23	24	25	26	27	28	29

Otherwise than on M.C. limited to 180 days.	Total of leave not due (col. 29 & 32)	Total half-pay leave taken. (col. 19, 26, & 33)	Balance of half-pay leave on return from leave (Col. 16-34).
From	To	No. of days	
30	31	32	33
			34
			35
			36

NOTE: 1. The earned leave due should be expressed in days.

NOTE: 2. When an employee is appointed during the course of a half-year of a particular calendar year, earned leave should be credited at the rate of 2 1/2 days for each completed calendar month and the fraction of a day will be rounded to the nearest day.

NOTE: 3. The entries in column 6 should be in complete days. Fraction of a day will be rounded to the nearest day.

NOTE: 4. Period of extraordinary leave should be noted in red ink.

FORM 3

(See Regulation-17)

MEDICAL CERTIFICATE FOR CL. I & II OFFICERS RECOMMENDED LEAVE OR EXTENSION OF LEAVE OR COMMUTATION OF LEAVE

Signature of the Employee

I, _____ after careful personal examination of the case hereby certify that Shri|Shrimati| Kumari _____ whose signature is given above, is suffering from _____ and I consider that a period of absence from duty of _____ with effect from _____ is absolutely necessary for the restoration of his/her health.

Dated _____

CMO|DY. CMO|RMO|SMO|MO.

PORT HOSPITAL

Note : 1—This form should be adhered to as closely as possible and should be filled in after the signature of the employee has been taken. The certifying officer is not at liberty to certify that the employee requires a change from or to a particular locality or that he is not fit to proceed to a particular locality. Such certificates should only be given at the explicit desire of the administrative authority concerned to whom it is open to decide when an application on such grounds has been made to him, whether the applicant should go before a CMO|DY. CMO|RMO|SMO|MO to decide the question of his/her fitness for service.

Note : —No recommendation contained in this certificate shall be evidence of a claim to any leave not admissible to the Employee.

FORM 4

(See Regulation-17)

MEDICAL CERTIFICATE FOR LEAVE OR EXTENSION OF LEAVE OR COMMUTATION OF LEAVE.

Signature of the employee

I, _____ after careful personnel examination of the case hereby certify that Shri|Shrimati|Kumari _____ whose signature is given above, is suffering from _____ and I consider that a period of absence from date of _____ with effect from _____ is absolutely necessary for the restoration of his/her health.

Dated _____

CMO|DY. CMO|RMO|SMO|MO

Note : 1—The nature and probable duration of the illness should be specified.

Note : 2—This Form should be adhered to as closely as possible and should be filled in after the signature of the Employee has been taken. The certifying officer is not at liberty to certify that the Employee requires a change from or to a particular locality or that he is not fit to proceed to a particular locality. Such certificate should only be given at the explicit desire of the administrative authority concerned, to whom it is open to decide, when an application on such grounds has been made to him, whether the applicant should go before a CMO|DY. CMO|RMO|SMO|MO to decide the question of his/her fitness for service.

NOTE : 3—Should a second medical opinion be required, the authority competent to grant leave should arrange for the second medical examination to be made at the earliest possible date by a medical offi-

cer not below the rank of a C.M.O., who shall express an opinion both as regards the facts of illness and as regards the necessity for the amount of leave recommended and for this purpose he may after require the employee to appear before himself or before a medical officer nominated by himself.

NOTE: 4—No recommendation contained in this certificate shall be evidence of a claim to any leave not admissible to the Employee.

FORM—5

[See Regulation-22(3)]

MEDICAL CERTIFICATE OF FITNESS TO RETURN TO DUTY

Signature of employee _____
We, the members of Medical Board

I, _____ Chief Medical Officer|Dy. Chief Medical Officer|Registered Medical Officer|Senior Medical Officer|Medical Officer|Registered Medical Practitioner.

do hereby certify that we/I have carefully examined Shri|Shrimati|Kumari _____ whose Signature is given above, and find that he|she recovered from his/her illness and is now fit to resume duties in Board's service. We|I also certify that before arriving at this decision, we|I have examined the original medical certificates) and statement(s) of the case (or certified copies thereof) on which leave was granted or extended and have taken these into consideration in arriving at our/my decision.

Members of the Medical Board.

(1) _____
(2) _____
(3) _____

Chief Medical Officer|Dy. Chief Medical Officer|Registered Medical Officer|Senior Medical Officer|Medical Officer,

Dated: _____

Registered Medical Practitioner

NOTE: The original medical certificate(s) and statement(s) of the case on which the leave was originally granted or extended shall be produced before the authority required to issue the above certificate. For this purpose, the original certificate(s) and statement(s) of the case should be prepared in duplicate, one copy being retained by the employee concerned.

FORM-6

[See Regulation-29(3)]

BOND FOR TEMPORARY EMPLOYEE GRANTED EXTRAORDINARY LEAVE IN RELAXATION OF REGULATION 29(2)(d)

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENTS THAT WE,—
residents of _____ in the District of _____
at present employed as _____ in the office of _____
(hereinafter called "the obligor") and Shri/Shrimati/Kumari _____
son/daughter of _____ of _____
and/Shri/Shrimati/Kumari _____
son/daughter of _____ of _____
(hereinafter called "the sureties"), do hereby jointly and severally bind ourselves and our respective heirs, executors and administrators, to pay to the Board of Trustees its successors and assigns (hereinafter called the 'Board') on demand the sum of Rs. _____ (Rupees _____) together with interest thereon from the date of

demand at Board rates for the time being in force on Board loans or, if the payment is made in a country other than India, the equivalent of the said amount in the currency of that country converted at the official rate of exchange between that country and India and TOGETHER with all costs between the attorney and client and all charges and expenses that shall or may have been incurred by the Board.

WHEREAS the Board has at the request of the above bounden Shri/Shrimati/Kumari _____ employed as a _____ granted him/her regular leave, followed by extraordinary leave without pay and allowances, for a period of _____ months _____ days with effect from _____ in order to enable his/her to study at _____.

AND WHEREAS the Board has appointed/will have to appoint a substitute to perform the duties of _____ during the period of absence of _____ Shri/Smt./Kumari _____ on extraordinary leave.

AND WHEREAS for the better protection of the Board the obligor has agreed to execute this bond with two sureties with such condition as hereunder written:

AND WHEREAS the said sureties have agreed to execute this bond as sureties on behalf of the bounden _____.

NOW THE CONDITION OF THE ABOVE WRITTEN OBLIGATION IS THAT in the event of the above bounden Shri/Smt./Kumari _____ failing to rejoin on the expiry of the period of extraordinary leave, the post originally held by him/her and serve the Board after rejoining for such period not exceeding a period of _____ years as the Board may require or refusing to serve the Board in any other capacity as may be required by the Board on a salary to which he/she would be entitled under the regulations, the said Shri/Smt./Kumari _____ or his/her executors and administrators, shall forthwith pay to the Board on demand the said sum of Rs. _____ together with interest thereon from the date of demand at Board rates for the time being in force on Board loans.

AND upon the obligor Shri/Shrimati/Kumari _____ and or Shri/Shrimati/Kumari _____ and, or Shri/Shrimati/Kumari _____ the sureties aforesaid making such payment the above written obligation shall be void and of no effect, otherwise it shall be and remain in force and virtue:

PROVIDED always that the liability of the sureties hereunder shall not be impaired or discharged by reason of time being granted or by any forbearance, act or omission of the Board or any person authorised by them (whether with or without the consent or knowledge of the sureties) nor shall it be necessary for the Board to sue the obligor before suing the sureties Shri/Shrimati/Kumari _____ and Shri/Shrimati/Kumari _____ or any of them for amounts due hereunder.

The bond shall in all respects be governed by the laws of India for the time being in force and the rights and liabilities hereunder shall where necessary be accordingly determined by the appropriate Courts in India.

The employee has agreed to bear the stamp duty payable on this bond.

Signed and dated this _____ day of _____
one thousand nine hundred and _____
Signed and delivered by the obligor
above named Shri/Shrimati/Kumari _____

in the presence of _____

Witnesses : 1. _____

2. _____

Signed and delivered by the surety
above named Shri/Shrimati/Kumari _____
in the presence of _____

Witnesses : 1. _____

2. _____

Signed and delivered by the surety
above named Shri/Shrimati/Kumari
in the presence of _____

Witnesses : 1. _____

2. _____

FORM-8

[See Regulation-49(3)]

BOND TO BE EXECUTED BY AN EMPLOYEE IN PERMANENT EMPLOY, WHEN GRANTED EXTENSION OF STUDY LEAVE

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENTS THAT I—
resident of _____ in the District of _____
at present employed as _____ in the Office of _____
do hereby bind myself and my heirs, executors and administrators to pay to the Board of Trustees (hereinafter called "the Board" on demand the sum of Rs. _____ (Rupees _____ only) together with interest thereon from the date of demand at Board rates for the time being in force on Board loans, or if payment is made in a country other than India, the equivalent of the said amount in the currency of that country converted at the official rate of exchange between that country and India and TOGETHER with all costs between attorney and client and all charges and expenses that shall or may have been incurred by the Board.

WHEREAS I, _____ was granted study leave by Board for the period from _____ to _____ in consideration of which I executed a bond, dated _____ for Rs. _____ (Rupees _____ only) in favour of the Board of Trustees.

AND WHEREAS for the better protection of the Board granted to me at my request until _____.

AND WHEREAS for the better protection of the Board I have agreed to execute this bond with such conditions as hereunder are written.

NOW THE CONDITION OF THE ABOVE WRITTEN OBLIGATION IS THAT (in the event of my failing to resume duty, or resigning or retiring from service or otherwise quitting service) without returning to duty after the expiry or termination of the period of study leave or failing to complete the course of study) or at any time within a period of three years after my return to duty, I shall forthwith pay to the Board or as may be directed by the Board on demand the said sum of Rs. _____ (Rupees _____ only) together with interest thereon from the date of demand at Board rates for the time being in force on Board loans.

AND upon my making such payment the above written obligation shall be void and of no effect otherwise it shall be and remain in full force and virtue.

AND WHEREAS for the better protection of the Board I have agreed to execute this bond with such condition as hereunder is written :

NOW THE CONDITION OF THE ABOVE WRITTEN OBLIGATION IS THAT (in the event of my failing to resume duty, or resigning or retiring from service or otherwise quitting service) without returning to duty after the expiry or termination of the period of study leave or failing to complete the course of study) or at any time within a period of three years after my return to duty, I shall forthwith pay to the Board or as may be directed by the Board on demand the said sum of Rs. _____ (Rupees _____ only) together with interest thereon from the date of demand at Board rates for the time being in force on Board loans.

AND upon my making such payment the above written obligations shall be void and of no effect, otherwise it shall be and remain in full force and virtue.

The Bond shall in all respects be governed by the laws of India for the time being in force and the rights and liabilities hereunder shall, where necessary, be accordingly determined by the appropriate Courts in India.

The employee has agreed to bear the stamp duty payable on this bond.

Signed and dated this _____ day of _____
one thousand and nine hundred and _____.
Signed and delivered by _____

in the presence of _____

Witnesses : 1. _____

2. _____

ACCEPTED
for and on behalf of the
Board of Trustees.

Witnesses : (1) _____

(2) _____

ACCEPTED
for and on behalf of the
Board of Trustees.

FORM-9

[See Regulation 49(3)]

BOND TO BE EXECUTED BY AN EMPLOYEE NOT IN PERMANENT EMPLOY, WHEN PROCEEDING ON DUTY LEAVE

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENTS THAT WE, _____ residents of _____ in the district of _____ at present employee as _____ in the Office of _____ (hereinafter called "the obligor") and Shri/Smt./Kumari _____ son/daughter of _____ and Shri/Shrimati/Kumari _____ son/daughter of _____ and Shri/Shrimati/Kumari _____ son/daughter of _____ of _____ (hereinafter called 'the sureties') do hereby jointly and severally bind ourselves and our respective heirs, executors and administrators to pay to the Board of Trustees (hereinafter called "the Board") on demand the sum of Rs. _____ (Rupees _____ only) together with interest thereon from the date of demand at the Board rates for the time being in force on Board loans or, if payment is made in a country other than India, the equivalent of the said amount in the currency of that country converted at the official rate of exchange between that country and India AND TOGETHER with all costs between attorney and client and all charges and expenses that shall or may have been incurred by Board.

Whereas the obligor is granted study leave by the Board.

AND WHEREAS for the better protection of the Board, the obligor has agreed to execute this bond with such condition as hereunder is written.

AND WHEREAS THE said sureties have agreed to execute this bond as sureties on behalf of the above bounden

NOW THE CONDITION OF THE ABOVE WRITTEN OBLIGATIONS IS THAT in the event of the obligor Shri/Smt./Kumari _____ (failing to resume duty, or resigning from service or otherwise quitting service) without returning to duty after the expiry or termination of the period of study leave or failing to complete the course of study) or at any time within a period of three years after his return to duty, the obligor and the sureties shall forthwith pay to the Board or as may be directed by the Board on demand the said sum of Rs. _____ (Rupees _____ only) together with interest thereon from the date of demand at the Board rates for the time being in force on Board loans.

AND upon the obligor Shri/Shrimati/Kumari _____ and or Shri/Smt./Kumari _____ and or Shri/Shrimati/Kumari _____ the sureties aforesaid making such payment the above written obligation shall be void and of no effect, otherwise it shall be and remain in full force and virtue.

PROVIDED ALWAYS that the liability of the sureties hereunder shall not be impaired or discharged by reason of time being granted or by any forbearance, act or omission of the Board or any person authorised by them (whether with or without the consent or knowledge of the sureties) nor shall it be necessary for the Board to sum the obligor before suing the sureties Shri/Shrimati/Kumari _____ and Shri/Shrimati/Kumari _____ or any of them for amount due hereunder.

The Bond shall in all respects be governed by the laws of India for the time being in force and the rights and liabilities hereunder shall where necessary be accordingly determined by the appropriate Courts in India.

The employee has agreed to bear the stamp duty payable on this bond.

Signed and dated this _____ day of _____ one thousand nine hundred and _____.
Signed and delivered by the obligor
abovenamed Shri/Shrimati/Kumari

_____ in the presence of _____

Witnesses : (1) _____
(2) _____

Signed and delivered by the surety
abovenamed Shri/Shrimati/Kumari

_____ in the presence of _____

Witnesses : (1) _____
(2) _____

Signed and delivered by the surety
abovenamed Shri/Shrimati/Kumari

_____ in the presence of _____

Witnesses : (1) _____
(2) _____

ACCEPTED

for and on behalf of the
BOARD OF TRUSTEES

FORM 10

[See Regulation 49(3)]

BOND TO BE EXECUTED BY AN EMPLOYEE NOT IN PERMANENT EMPLOY, WHEN GRANTED EXTENSION OF STUDY LEAVE

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENTS THAT WE, _____ residents of _____ in the District of _____ at present employed as _____ in the Office of _____ (hereinafter called "the obligor") and Shri/Shrimati/Kumari _____ Son/Daughter _____ and Shri/Shrimati/Kumari _____ Son/Daughter _____ of _____ (hereinafter called "the sureties") do hereby jointly and severally bind ourselves and our respective heirs, executors and administrators to pay to the Board of Trustees (hereinafter called "the Board") on demand the sum of Rs. _____ (Rupees _____ only) together with interest thereon from the date of demand at the Board rates for the time being in force on the Board loans or, if payment is made in a country other than India, the equivalent of the said amount in the currency of that country, converted at the official rates of exchange between that country and India AND TOGETHER with all costs between attorney and client and all charges and expenses that shall or may have been incurred by the Board.

WHEREAS the obligor was granted study leave by the Board from the period from _____ to _____ in consideration of which he executed bond, dated _____ for Rs. _____ (Rupees _____ only) in favour of the Board.

AND WHEREAS the extension of study leave has been granted to the obligor at his request until _____ AND WHEREAS for the better protection of the Board the obligor has agreed to execute this bond with such condition as hereunder is written.

AND WHEREAS THE said sureties have agreed to execute this bond as sureties on behalf of the above bounden _____

NOW THE CONDITION OF THE ABOVE WRITTEN OBLIGATION IS THAT in event of the obligor Shri/Shrimati/Kumari _____ (failing to resume duty, or resigning from service or otherwise quitting service) without returning to duty after the expiry or termination of the period of study leave so extended (or failing to complete the course of study) or at any time within a period of three years after his return to duty, the obligor and the sureties shall forthwith pay to the Board or as may be directed by the Board on demand the said sum of Rs. _____ (Rupees _____ only) together with interest thereon from the date of demand at the Board rates for the time being in force on the Board loans.

AND upon the obligor Shri/Shrimati/Kumari _____ and, or Shri/Shrimati/Kumari _____ and, or Shri/Shrimati/Kumari _____ the sureties aforesaid making such payment the above written obligation shall be void and of no effect otherwise it shall be and remain in full force and virtue.

PROVIDED ALWAYS that the liability of the sureties hereunder shall not be impaired or discharged by reasons of time being granted or by any forbearance, act of omission of the Board or any person authorised by them (whether with or within the consent or knowledge of the sureties) nor shall it be necessary for the Board to sum the obligor before suing the sureties Shri/Shrimati/Kumari _____ and Shri/Shrimati/Kumari _____ on any of them for amounts due hereunder.

The bond shall in all respects be governed by the laws of India for the time being in force and the rights and liabilities hereunder shall where necessary be accordingly determined by the appropriate Courts in India.

The employee has agreed to bear the stamp duty payable on this bond.

Signed and dated this _____ day of _____
one thousand nine hundred and _____
Signed and delivered by the obligor
abovenamed Shri/Shrimati/Kumari

in the presence of _____

Witnesses : (1) _____
(2) _____

Signed and delivered by the surety
abovenamed Shri/Shrimati/Kumari

in the presence of _____

Witnesses : (1) _____
(2) _____

Signed and delivered by the surety
abovenamed Shri/Shrimati/Kumari

in the presence of _____

Witnesses : (1) _____
(2) _____

ACCEPTED

for and on behalf of the
BOARD OF TRUSTEES